बहुविषयक

शिक्षण-अधिगम योजनाएँ

कक्षा 4

SCERT

स्वाध्यायान्मा प्रमदः

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

वरूण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली 110024

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ कक्षा-4

ISBN: 978-93-93667-57-1

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

मार्च, 2022

1700 प्रतियाँ

प्रकाशित

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, दिल्ली

मुद्रित:

राज प्रिंटर्स ए-9 सेक्टर बी-2, ट्रोनिका सिटी, गाज़ियाबाद

Rajanish Singh
Director

SCERT
स्वाध्यायान्मा प्रमदः

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Varun Marg, Defence Colony, New Delhi-110024
Tel.: +91-11-24331356, Fax : +91-11-24332426
E-mail : dir12scert@gmail.com

Date : 14/3/2022

D.O. No. : F.10(1)/DMCF/SCERT/412

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की अनुशंसाओं के आधार पर प्रिपरेटरी स्तर (कक्षा 3 से 5) के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाओं की पुस्तिकाओं को विकसित किया गया है| राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मार्गदर्शक सिद्धांतों में बहुविषयक और समग्र शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया गया है| राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् द्वारा हिंदी माध्यम में कक्षा 3 से 5 के लिए 3 पुस्तिकाओं का निर्माण किया गया है|

पुस्तिकाएँ

I. कक्षा 3 के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ
II. कक्षा 4 के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ
III. कक्षा 5 के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ

प्रिपरेटरी स्तर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों की आवश्यकताओं को दृष्टिगत करते हुए प्राथमिक शिक्षकों के लिए ये पुस्तिकाएँ विकसित की गई हैं| प्रत्येक पुस्तिका में 25 बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ संकलित हैं जिसमें विभिन्न विषयों जैसे हिंदी, अंग्रेजी, गणित, पर्यावरण अध्ययन, खेल और कला को सम्मिलित रूप में एकीकृत किया गया है| राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 आनुभविक अधिगम पर बल देती है जिसके अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा स्वयं करके सीखना, खेल आधारित शिक्षण, कहानी आधारित शिक्षण, कला एकीकृत शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को महत्व दिया गया है| इन शिक्षण-अधिगम योजनाओं को विकसित करते समय इन सभी पक्षों पर ध्यान दिया गया है| ये पुस्तिकाएँ शिक्षकों की बहुविषयक और समग्र शिक्षा के बारे में समझ विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी| साथ ही, शिक्षक बहुविषयक और समग्र शिक्षा की अवधारणा को अपनी कक्षाओं के भीतर और कक्षाओं के बाहर जैसे खेल के मैदान, प्रार्थना सभा में, पुस्तकालय, पढ़ने का कोना/कमरा, क्षेत्रीय भ्रमण इत्यादि में व्यावहारिक रूप में अनुप्रयोग कर सकेंगे|

प्रस्तुत पुस्तिका राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के संकाय सदस्यों और विभिन्न विषय विशेषज्ञों, शिक्षकों और शिक्षक प्रशिक्षकों के प्रतिबद्ध प्रयासों को दर्शाती हैं| मैं आशावान हूँ कि ये पुस्तिकाएँ विद्यार्थियों के विकास के सभी पक्षों जैसे बौद्धिक, सौंदर्यात्मक, सामाजिक, शारीरिक, संवेगात्मक और नैतिक विकास को सुनिश्चित करेंगी और अंततः प्रिपरेटरी स्तर पर विद्यार्थियों के समग्र विकास का मार्ग प्रशस्त करेंगी| मुझे पूर्ण विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ केवल शिक्षकों की बहुविषयक शिक्षा के प्रति समझ ही नहीं विकसित करेंगी परन्तु उन्हें इस प्रकार मार्गदर्शन व प्रेरणा प्रदान करेंगी कि वे अपने कक्षा कक्ष संदर्भों के अनुसार विद्यार्थियों की आवश्यकताओं, रूचियों और अभिवृत्तियों के आधार पर इस प्रकार की शिक्षण-अधिगम योजनाओं का स्वयं निर्माण करने में समर्थ होंगे और अंततः कक्षाओं में प्रायोगिक, आनंददायी और सार्थक अधिगम की ओर अग्रसर होंगे|

शुभकामनाओं सहित....

(रजनीश सिंह)

Dr. Nahar Singh
Joint Director (Academic)

State Council of Educational Research and Training
(An autonomous Organisation of GNCT of Delhi)
Tel. : +91-11-24336818, 24331355, Fax : +91-11-24332426
Tel.: +91-11-24331355, Fax : +91-11-24332426
E-mail : jdscertdelhi@gmail.com

Date : 14/3/22

D.O. No. : JDB/2075

संदेश

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रिपरेटरी स्तर पर कक्षा 3 से 5 के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाओं के 6 पुस्तिकाओं को निर्मित किया गया है| राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देती है और विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमताओं के साथ-साथ उनमें उच्चतर स्तर की तार्किक और समस्या समाधान संबंधी संज्ञानात्मक क्षमताओं के विकास को प्रमुखता देती है| उसके मूलभूत सिद्धांतों में विद्यार्थियों की अवधारणात्मक समझ, बहुविषयक और समग्र शिक्षा के विकास की अनुशंसा की गई है| इसे व्यावहारिक रूप में कक्षाओं में अनुप्रयोग में लाने हेतु शिक्षकों के लिए बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाओं की आवश्यकता अनुभव की गई| साथ ही, कला-समन्वय, खेल-समन्वय, कहानी-आधारित अधिगम को किस प्रकार शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग बनाया जाए, विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज कैसे की जाये, किस प्रकार प्रायोगिक अधिगम को कक्षाओं में अपनाया जाए, इस संदर्भ में प्रस्तुत पुस्तिकाएँ शिक्षकों का मार्गदर्शन करने में महती भूमिका निभाएंगी| प्रिपरेटरी स्तर पर खोज-आधारित, चर्चा-आधारित, विश्लेषण- आधारित अधिगम को सुनिश्चित करने हेतु ये बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाएँ मील का पत्थर सिद्ध होंगी| कक्षा 3, 4 और 5 के लिए हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाओं की कुल 6 पुस्तिकाओं को विकसित किया गया है| इनका प्रयोग कर विद्यार्थियों के लिए सीखना एक आनंददायी और रोचक प्रक्रिया होगी और वे एकीकृत ज्ञान के साथ विशिष्ट कौशलों का अर्जन कर सकेंगे और मानवीय मूल्यों को भी विकसित कर सकेंगे| इन योजनाओं में अनेक गतिविधियों को सम्मिलित किया गया है और विभिन्न विषयों के मध्य संबंध को सुनिश्चित करने हेतु समग्र शिक्षा के विकास को संभव बनाने के प्रयास किये गये हैं|

अपेक्षा है कि इन बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजनाओं से प्राथमिक शिक्षक अत्यंत लाभान्वित होंगे और बहुविषयक शिक्षा की संकल्पना को कक्षा कक्ष प्रक्रिया और विद्यालयों में मूर्त रूप प्रदान कर पाएंगे| ये योजनाएँ प्रकाश स्तंभ की भांति प्राथमिक शिक्षकों का मार्गदर्शन करेंगी व उन्हें प्रायोगिक अधिगम और बहुविषयक शिक्षा के उद्देश्य को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में साकार करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगी|

शुभकामनाओं सहित....

(डॉ. नाहर सिंह)

प्रस्तावना

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (पृ. सं.-7) में विद्यालयी शिक्षा के अंतर्गत सभी विषयों की एकता और अखंडता को सुनिश्चित करने और एक बहुविषयक दुनिया के लिए विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला, मानविकी और खेल के बीच बहुविषयक और समग्र शिक्षा के विकास को प्रस्तावित किया गया है। विद्यालयी शिक्षा के लिए 5+3+3+4 की नया डिज़ाइन प्रस्तावित किया गया है जिसमें क्रमशः फाउंडेशनल स्टेज, प्रिपरेटरी स्टेज, मिडिल स्कूल स्टेज और सेकेंडरी स्टेज को सम्मिलित किया गया है।

बहुविषयक शिक्षा का क्रम प्रिपरेटरी स्तर से शुरू होगा। इस स्तर में तीन वर्ष(कक्षा 3 से 5) की शिक्षा होगी जो हल्के-फुल्के पाठ्यक्रम आधारित शिक्षण और अनुभव आधारित शिक्षण के द्वारा विषयों की अमूर्त अवधारणाओं पर निर्धारित होगी। इस दौरान प्रदत्त की जाने वाली शिक्षा सभी या अधिकतर विषयों को एक दूसरे से जोड़ते हुए अनुभव आधारित और विभिन्न गतिविधियों पर आधारित होगी। बहुविषयक शिक्षा विद्यार्थियों को उनके खुद के परिवेश से जोड़ते हुए विभिन्न विषयों को एकीकृत करेगी जिससे शिक्षण-अधिगम के दौरान उत्पन्न होने वाली नीरसता भी समाप्त होगी और विद्यार्थियों में अनेक कौशलों का विकास होगा।

बहुविषयक शिक्षा विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों के साथ अन्य विषयों को एकीकृत करने, सीखने और खोज करने के पर्याप्त अवसर अनुमति देता है। एक बहुविषयक पाठ्यक्रम में एक ही विषय का अध्ययन करने के लिए कई विषयों का उपयोग किया जाता है। एक बहुविषयक शैक्षिक दृष्टिकोण के अनेक लाभ होते हैं जैसे-

- बहुविषयक शिक्षा विद्यार्थियों को एकीकृत रूप से विषयों को समझने के अवसर देती है।
- आलोचनात्मक चिंतन और सर्जनात्मक चिंतन और समस्या समाधान के कौशलों का विकास होता है।
- रुचियों में विविधता और सभी विषयों के आपसी संबंध को समझने में सहायता प्राप्त होती है।
- कक्षा और विद्यालय से बाहर की दुनिया को आपस में जोड़ने में सक्षमता प्राप्त होती है।

बहुविषयक शिक्षा की समझ के लिए सभी चरणों में आनुभविक आधारित अधिगम को अपनाया जाएगा जिसमें प्रत्येक विषय को सरल बनाने और मनोरंजनात्मक बनाने हेतु कला और खेल को एकीकृत किया जाएगा। साथ ही विभिन्न विषयों के बीच संबंधों की खोज को प्रोत्साहित किया जाएगा। सभी विषयों की उचित तथा आसान समझ के लिए भाषा में भी लचीलापन प्रदान किया जाएगा जिसे सभी स्तरों पर भिन्न प्रकार से जोड़ा गया है।

बहुविषयक शिक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी को कुशल बनाने के साथ-साथ जिस भी क्षेत्र में वह रुचि रखता है, उसी क्षेत्र में उन्हें प्रशिक्षित करना है जिससे अधिगमकर्त्ता अपने उद्देश्य और अपनी क्षमताओं का पता लगाने में सक्षम होते हैं। यह विद्यार्थी की आत्म-क्षमता, संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ावा और हर विषय पर समान रूप से व्यवहार करने पर जोर देता है। बहुविषयक शिक्षण के द्वारा विद्यार्थियों की आगमनात्मक सोच, क्षमताओं में सुधार, समूह बातचीत कौशल में सुधार और जानकारी को याद रखने की क्षमता में सुधार दिखाई देता है।

बहुविषयक शिक्षा से होने वाले लाभों के कारण इसे प्रिपरेटरी स्टेज के बाद मिडिल स्कूल स्टेज और सेकेंडरी स्टेज में सम्मिलित किया गया है जिससे शिक्षक और शिक्षार्थी दोनों को अनुभव, गतिविधियों और प्रयोगों से जोड़ा जा सके।

बहुविषयक पाठ योजना की उपयोगिता

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में जहाँ स्कूली स्तर पर एक ओर बहुविषयक शिक्षा की बात की गई है वहीं दूसरी ओर शिक्षकों के लिए भी यह एक चुनौती के रूप में सामने आया है। शिक्षकों के अध्यापन को सरल करने के लिए बहुविषयक पाठ-योजनाओं का निर्माण किया जा सकता है। जिनके द्वारा शिक्षकों को बहुविषयक शैक्षिक उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

शिक्षण में बहुविषयक पाठ-योजनाओं की सहायता से अध्यापक अपने कार्यों को सुसंगठित और क्रमबद्ध रूप से संपादित कर सकेंगे। बहुविषयक शिक्षा में कुछ विषयों को एक दूसरे से जोड़ा जाता है, जिसके अध्यापन के दौरान जटिलता सामने आती है।

इन पाठ-योजनाओं की सहायता से अध्यापक को यह भी पता चल पाएगा कि उन्होंने अपने शिक्षण उद्देश्य को कहाँ तक प्राप्त किया है।

कक्षा में जाने से पूर्व शिक्षक के पास बहुविषयक पाठ योजना का होना उन्हें पाठ को पढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही उस पाठ में शामिल होने वाले अन्य विषयों और उससे संबंधित गतिविधियों से अवगत करवाने में भी ये सक्षम होंगे। इन पाठ योजनाओं की अनेक उपयोगिताएँ होंगी जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:-

- बहुविषयक पाठ योजनाओं के द्वारा एकीकृत किये जाने वाले विषयों का शिक्षक को पूर्व ज्ञान होगा।
- विषयों के एकीकरण के दौरान अन्य विषयों से संबंधित संसाधन और जानकारी एकत्रित किये जा सकते हैं।
- बहुविषयक पाठ योजनाओं के निर्माण द्वारा शिक्षकों को समयबद्ध (40 से 45 मिनट) रूप से शिक्षण उद्देश्यों को प्राप्त करने में सरलता होगी।
- एक पाठ को अन्य विषयों से जोड़ने और उन्हें क्रमबद्ध रूप से विद्यार्थियों को समझाने में शिक्षकों को सहायता प्राप्त होगी।
- बहुविषयक पाठ योजनाओं के निर्माण द्वारा शिक्षकों को विद्यार्थियों के पूर्व ज्ञान को अनेक विषयों से जोड़ते हुए सामंजस्य स्थापित करने में सरलता प्राप्त होगी।

बहुविषयक शिक्षा को सुचारू रूप से चलाने के लिए बहुविषयक पाठ-योजनाएँ महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँगी जिसमें विषयों को एकीकृत करते हुए शिक्षण में सरलता प्रदान की जा सकेगी। ये पाठ योजनाएँ अध्यापक को छात्रों के ज्ञान, आदत और योग्यता की जानकारी प्रदान करेंगे। साथ ही उनके द्वारा विद्यार्थियों को भी अधिगम प्रतिफल भी आसानी से प्राप्त करवाए जा सकेंगे। इनके द्वारा शिक्षक विद्यार्थियों को अनेक विषयों को एकीकृत करते हुए खेल आधारित और कला आधारित गतिविधियाँ भी करवाई जा सकेंगी। खेल और कला संबंधित गतिविधियाँ विद्यार्थियों को उनके अनुभव से जोड़ेंगी जिससे अनेक विषयों के एकीकरण की समझ विद्यार्थियों में सरलता से विकसित होगी।

प्रिप्रेटरी स्तर पर शिक्षण विधि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत प्रिप्रेटरी स्तर कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए सुनिश्चित किया गया है जिसमें विद्यार्थियों की आयु 8 वर्ष से 11 वर्ष हो सकती है। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि यह स्तर 3 वर्ष का होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में निर्धारित शिक्षा के आधार पर फाउंडेशनल स्टेज की खेल, खोज और गतिविधि आधारित शिक्षण शास्त्रीय शैली द्वारा प्रिप्रेटरी स्तर आगे बढ़ेगा और हल्के-फुल्के पाठ्यपुस्तक आधारित शिक्षण को इसमें शामिल किया जाएगा। इस प्रकार ज़्यादा औपचारिक लेकिन संवादात्मक कक्षा शैली के ज़रिए अध्ययन-अध्यापन को इस स्तर के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस स्तर पर बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई पुरानी तथा नवीन शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाएगा जिसके द्वारा विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम को सरल और मनोरंजनात्मक बनाया जाएगा। बहुविषयक शिक्षा के सन्दर्भ में शिक्षण के लिए खेल आधारित शिक्षण विधि, कला आधारित शिक्षण विधि और अनुभवात्मक शिक्षण विधि को महत्त्व दिया जाएगा।

प्रिप्रेटरी स्तर पर होने वाले अध्ययन-अध्यापन में पढ़ने, लिखने, बोलने, शारीरिक शिक्षा, कला, भाषा, पर्यावरण अध्ययन और गणित को शामिल किया जाएगा जिससे विद्यार्थियों के गतिक कौशल और मानसिक विकास को भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

प्रिप्रेटरी स्तर पर किये जाने वाले अध्ययन-अध्यापन के लिए भाषा का भी निर्धारण किया गया है, जिसमे त्रि-भाषा फोर्मूले को अपनाने की बात की गई है। इसके द्वारा बहु-भाषिकता और अध्ययन-अध्यापन के कार्य में भाषा की शक्ति को प्रोत्साहन मिलेगा।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना के संदर्भ में शिक्षक के लिए निर्देश

- शिक्षक कक्षा के संदर्भ और विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के आधार पर बहु विशेष शिक्षण-अधिगम योजनाओं का स्वयं निर्माण करें।
- शिक्षक थीम के आधार पर शिक्षण-अधिगम योजनाओं का निर्माण करें।
- शिक्षक-अधिगम योजनाओं में उन विषयों को शामिल करें जो उसमें सहजता से आ सकें।
- शिक्षण-अधिगम योजनाओं में लचीलापन रखें।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ विद्यार्थियों के स्तर और रूचि के अनुसार बनाएँ।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ गतिविधियों पर आधारित बनाएँ।
- शिक्षण-अधिगम योजनाओं में जीवन कौशलों/जीवन मूल्यों को शामिल करें।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ विद्यार्थियों में सहयोग सद्भावना व लोकतांत्रिक मूल्यों का निर्माण करने वाली हों।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ विद्यार्थियों में आसपास के वातावरण की समझ विकसित करने वाली हों।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ भविष्य की तैयारी पर आधारित हों।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ समाज की समझ विकसित करने वाली हों।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित हों।
- शिक्षण-अधिगम योजनाएँ विद्यार्थियों में स्थानीय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समझ विकसित करने वाली हों।
- कक्षा में शिक्षक ने सहायक की भूमिका निभानी है।
- शिक्षक विद्यार्थियों को अधिक से अधिक अवसर दें।
- शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी योग्यताओं को विकसित करने के अवसर दें।
- शिक्षक विद्यार्थियों की रूचियों, अभिरुचियों और स्तर के अनुसार अधिगम गतिविधियों का नियोजन करें।
- शिक्षक गतिविधि/खेल आधारित शिक्षण/समूह कार्य के अधिकाधिक अवसर विद्यार्थियों को दें।
- शिक्षक समूह बनाते समय और गतिविधि करते समय अवसर की समानता के सिद्धांत का ध्यान रखें।
- शिक्षक गतिविधियाँ करवाते समय समावेशन के सिद्धांत व मूल्यों का ध्यान रखें।
- शिक्षक की भाषाशैली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाली हो।
- शिक्षक विद्यार्थियों को स्थानीय शिक्षण करवाते समय संदर्भों का विशेष ध्यान रखें।

पुस्तक विकास समिति

दिशाबोध

श्री एच. राजेश प्रसाद	:	प्रधान सचिव (शिक्षा), दिल्ली
श्री रजनीश सिंह	:	निदेशक, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. नाहर सिंह	:	संयुक्त निदेशक (अकादमिक), एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

समन्वयक

डॉ. नाहर सिंह	:	संयुक्त निदेशक (अकादमिक), एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. रेखा रानी कपूर	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

विशेषज्ञ व पुनरीक्षण मंडल

डॉ. रामनिवास	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
डॉ. नीलकंठ	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
डॉ. मनीषा तनेजा	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, एन.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

लेखक सदस्य

डॉ. रेखा रानी कपूर	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
श्रीमती रजनी	:	प्राइमरी टीचर, एम.सी.डी, दिल्ली
श्री कपिल गहलोत	:	प्राइमरी टीचर, एम.सी.डी, दिल्ली
श्रीमती मधु	:	प्राइमरी टीचर, एम.सी.डी, दिल्ली

संपादक

डॉ. रेखा रानी कपूर	:	असिस्टेंट प्रोफेसर, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
इशरा वसी	:	रिसोर्स पर्सन, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
तन्वी महेश्वरी	:	रिसोर्स पर्सन, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

प्रकाशन अधिकारी

डॉ. मुकेश यादव	:	एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

प्रकाशन दल

श्री नवीन कुमार	:	एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
श्रीमती राधा	:	एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
नेहा रिजवाना	:	रिसोर्स पर्सन, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली
फौजिया	:	रिसोर्स पर्सन, एस.सी.ई.आर.टी, दिल्ली

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	प्रकरण	पृष्ठ संख्या
1.	पानी	1
2.	विशेष रूप से सक्षम लोग	6
3.	पेड़ (भाग-1)	10
4.	नदियाँ	15
5.	त्योहार	20
6.	परिवहन के साधन	27
7.	पैटर्न	30
8.	पेड़ों का संरक्षण	34
9.	गार्डन	39
10.	एक साथ कार्य करना/व्यवसाय	45
11.	जानवर	50
12.	हमारा भोजन	56
13.	अनेकता में एकता	61
14.	खेल (भाग-1)	67
15.	किताबें	73
16.	परिवहन	80
17.	मैदान तथा घेरा	85
18.	ट्रिप	90
19.	जीवन कौशल	96
20.	बाज़ार	100
21.	खेल (भाग-2)	104
22.	समय	109
23.	मिल-बाँटकर	114
24.	पेड़ (भाग-2)	118
25.	यात्रा	123

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-1

थीम - पानी

एकीकृत विषय- हिंदी (मन के भोले भाले बादल), पर्यावरण अध्ययन (पानी कहीं ज़्यादा कहीं कम), सामाजिक अध्ययन (भारत की तट रेखा)

अवधि- न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- जल के विभिन्न स्रोतों को जानने में
- जल के उपयोग जानने में
- जल का सदुपयोग करने में
- जल जनित विभिन्न बीमारियों तथा उनके इलाज के बारे में जानने में
- साफ़ पानी पीने के प्रति जागरूक होने में
- इंद्रधनुष के बारे में जानने में तथा उसकी प्रशंसा करने में
- विभिन्न दिशाओं को समझने में तथा भारत की तट रेखा के बारे में जानकर उसके बारे में बताने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- मानचित्र, इंद्रधनुष तथा जल के शुद्धिकरण से संबंधित चित्र/वीडियो, विभिन्न जल-जनित बीमारियों को दर्शाता पोस्टर

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को आधारभूत ज्ञान है- जल तथा उसके स्रोतों का, भारत तथा उसके राज्यों का, बारिश तथा बादलों का।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
आँखें बंद करके महसूस करें	ब्लूटूथ	शिक्षक ब्लूटूथ के माध्यम से विद्यार्थियों को पानी की आवाज़ सुनने का अवसर देंगे तथा उनके विभिन्न उत्तर जानने का प्रयास करेंगे। जैसे छम-छम, टप-टप, टिप-टिप।	विद्यार्थी पानी की ध्वनि से अवगत हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		बच्चों, बताओ पानी कहाँ से आता है? विद्यार्थी तथा शिक्षक पानी के विभिन्न स्रोतों पर चर्चा करेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों को सही दिशा में लाते हुए बादल शब्द से उन्हें परिचित कराएँगे। शिक्षक पूछ सकते हैं कि क्या तुम जानते हो कि बादलों के विभिन्न प्रकार होते हैं? आज घर जाकर बादलों को ज़रूर देखना और बताना कि तुमने किन-किन आकारों के बादलों को देखा?	विद्यार्थी पानी के विभिन्न स्रोतों से अवगत हो पाएँगे। विद्यार्थी प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करेंगे।
इंद्रधनुष के रंग	इंद्रधनुष की वीडियो/चित्र	बातचीत को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को इंद्रधनुष की वीडियो/चित्र दिखाएँगे और चर्चा करेंगे कि क्या कभी आपने एक तरफ़ धूप और एक तरफ़ बारिश देखी है? शिक्षक विद्यार्थियों की बातचीत को दिशा देते हुए कह सकते हैं कि जब भी ऐसा होता है तब इंद्रधनुष बनता है। इंद्रधनुष का चित्र दिखाकर उसमें निहित रंगों के बारे में विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे तथा जब भी बारिश हो उन्हें आसमान में इंद्रधनुष देखने को प्रेरित करेंगे।	विद्यार्थी इंद्रधनुष के रंगों से अवगत हो पाएँगे।
जल चक्र	जल चक्र का चित्र 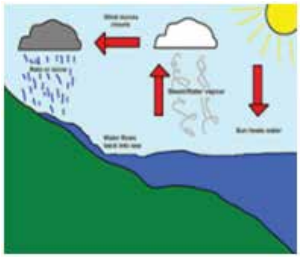	शिक्षक जल चक्र की वीडियो दिखाकर विद्यार्थियों से चर्चा करेंगे। विद्यार्थी 5-5 के समूहों में विभाजित होंगे। समूह में विद्यार्थी एक दूसरे से चर्चा कर सकते हैं कि बारिश में उन्हें क्या-क्या पसंद है? कौन से जानवर दिखाई देते हैं? क्या -क्या खाना पसंद है? इसी के आधार पर अवलोकन करके उनका आकलन कर सकते हैं।	विद्यार्थी जल चक्र से अवगत हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
जल, जल के स्रोत और उसका महत्त्व	जल के स्रोतों पर आधारित वीडियो/चित्र	शिक्षक बातचीत की शुरुआत यह पूछकर कर सकते हैं कि आप 1 दिन में कितने गिलास पानी पीते हैं? और यदि आप पानी न पीएं तो क्या होगा? शिक्षक पूछ सकते हैं कि हमें जल कहाँ से प्राप्त होता है? अपने अनुभव के आधार पर विद्यार्थी साझा कर सकते हैं कि जल हमें नदियों, तालाबों, कुओं, झरने आदि से मिलता है। शिक्षक उपर्युक्त सभी शब्दों को बोर्ड पर लिख सकते हैं। विद्यार्थी इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि ये सभी जल स्रोत हैं। शिक्षक जल से संबंधित वीडियो को दिखाकर चर्चा कर सकते हैं कि क्या आप कभी इस तरह के स्थान पर गए हैं? विद्यार्थी स्वयं 5 -5 के समूहों में विभाजित होंगे। हर समूह अपने सदस्यों के साथ आगे आएगा तथा हर सदस्य जल का एक उपयोग बताएगा।	विद्यार्थी जल उपलब्ध कराने के लिए प्रकृति की सराहना करेंगे। विद्यार्थी जल के विभिन्न स्रोतों को जान पाएँगे।
प्रदूषित जल, जल जनित बीमारियां, उनका इलाज, जल को शुद्ध करने की विधियों पर चर्चा	विभिन्न बीमारियों को दर्शाने वाले पोस्टर तथा वीडियो 1 गंदे तथा 1 साफ़ पानी का गिलास, कागज़, बीकर, पतीला, छलनी, स्टोव, फनल	शिक्षक विद्यार्थियों से प्रश्न करते हुए चर्चा को आगे बढ़ा सकते हैं कि उनके घर पर कैसा पानी आता है क्या वह इस पानी को पी पाते हैं? या इसे शुद्ध करने की आवश्यकता होती है? क्या यह पानी गंदा होता है? अपने साथियों तथा परिवार से चर्चा करें। क्या होगा यदि आप गंदा पानी पी लेंगे? विद्यार्थी एक गिलास गंदा पानी लाएँगे तथा शिक्षक उसे छानकर तथा उबालकर साफ़ करेंगे। **छानना** 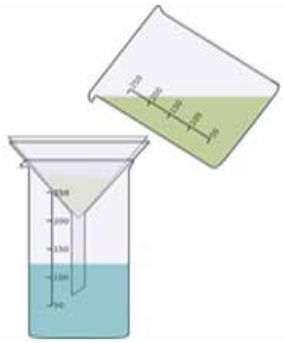	विद्यार्थी जल-जनित बीमारियों तथा उसके इलाज से अवगत हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उबालना शिक्षक विद्यार्थियों का निरीक्षण करेंगे कि क्या वे पानी का उपयोग विवेकपूर्ण तरीके से करते हैं ? क्या वे समूह में मिलकर काम करते हैं ? क्या वे साफ़ पानी पीते हैं ?	
मानचित्र पढ़ने का कौशल	भारत का राजनीतिक मानचित्र 	शिक्षक विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं कि सूर्योदय तथा सूर्यास्त किस दिशा में होता है? शिक्षक विद्यार्थियों को भारत का मानचित्र दिखाते हुए उनसे विभिन्न दिशाओं (उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम) के बारे में चर्चा करेंगे। तत्पश्चात्, विद्यार्थी अवलोकन करके यह पता लगा सकते हैं कि भारत के पश्चिम में अरब सागर तथा पूर्व में बंगाल की खाड़ी है। विद्यार्थी शिक्षक की सहायता से मानचित्र का अवलोकन करेंगे तथा उसमें अपने राज्य की स्थिति को दर्शा सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों का आकलन उनके मानचित्र पढ़ने के कौशल तथा दिशाओं के ज्ञान से कर सकते हैं। शिक्षक तथा विद्यार्थी समुद्र शब्द पर चर्चा करते हैं। विद्यार्थी और शिक्षक समुद्र के पास मिलने वाली वस्तुओं तथा समुद्री जानवरों पर चर्चा कर सकते हैं। जैसे पेड़, नारियल आदि।	विद्यार्थी मानचित्र पढ़ने में कौशल हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
समुद्र, तटरेखा तथा समुद्र तट पर स्थित भारतीय राज्य	भारत का राजनीतिक मानचित्र	शिक्षक विद्यार्थियों की बातचीत को एक दिशा देते हुए उनका ध्यान तटरेखा (समुद्र किनारे के पास की भूमि) पर लाएँगे। शिक्षक विद्यार्थियों को मानचित्र दिखाते हुए उनसे भारत के कुछ ऐसे राज्यों के नाम पूछेंगे जो भारत की तटरेखा पर स्थित हैं। चर्चा के बाद विद्यार्थी कह सकते हैं कि गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल भारत के पश्चिमी तटरेखा पर स्थित हैं तथा तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल भारत के पूर्वी तटरेखा पर स्थित राज्य हैं।	विद्यार्थी अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगे राज्यों से अवगत हो पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव- इस बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना में कई विषयों को सम्मिलित किया गया है। शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों के आवश्यकतानुसार तथा सुविधानुसार संबंधित अन्य अवधारणाओं को सम्मिलित करने तथा विस्तार करने का प्रयास कर सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को अपनी नोटबुक में भारत का मानचित्र चिपकाने तथा उसमें राज्य और उनकी राजधानियों को लिखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी अपने घर तथा समुदाय में पानी के शुद्धिकरण के लिए उपयोग में लाई जाने वाली विधियों का पता लगाने का प्रयास कर सकते हैं । जल-जनित बीमारियों से बचने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों को लिख सकते हैं। पानी को साफ़ करने तथा पीने के लिए सुरक्षित बनाने के घरेलू उपायों का सूचीबद्ध भी बना सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-2

थीम – विशेष रूप से सक्षम लोग

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (कोशिश में कामयाब), English (Helen Keller), हिंदी (सुनीता की पहिया कुर्सी)

अवधि- न्यूनतम 6-7 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- हेलन केलर, सुधा चंद्रन, लुईस ब्रेल और अरुणिमा सिन्हा के बारे में जानने में, उनका सम्मान करने में तथा उनसे प्रेरित होने में
- विशेष रूप से सक्षम लोगों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने में
- सुनीता की दैनिक गतिविधियों के बारे में जानने में तथा उसके प्रबंधन की सराहना करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विशेष रूप से सक्षम लोगों के चित्र तथा वीडियो, सांकेतिक भाषा का चार्ट, ब्रेल स्क्रिप्ट का नमूना।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को आधारभूत ज्ञान है- अलग रूप से सक्षम लोगों के बारे में, व्हीलचेयर, बैसाखी (गतिशीलता संचालक) उपकरण के बारे में

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
विशेष रूप से सक्षम लोग		शिक्षक पिछली कक्षा की गतिविधियों पर चर्चा के बाद वर्तमान विषय को यह पूछ कर जोड़ सकते हैं कि क्या आपने कभी सपना देखा है? आप सपने में क्या देखते हैं? क्या सभी सपने सच होते हैं?	
चुस्किट का सपना	चुस्किट का चित्र	शिक्षक विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं कि चुस्किट का सपना क्या है? शिक्षक तथा विद्यार्थी एक साथ कहानी पर चर्चा करते हैं तथा विद्यार्थी कहानी का सारांश बताते हैं । विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की अक्षमताओं को जानने का तथा पहचानने का अवसर दिया जाएगा। यह क्रिया समूह में भी हो सकती है।	विद्यार्थी मौखिक अभिव्यक्ति का विकास कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
सुनीता की पहिया कुर्सी पर बातचीत	पहिया कुर्सी पर बैठी लड़की का चित्र	विद्यार्थियों को एक लड़की का चित्र दिखाया जाएगा जो पहिया कुर्सी पर बैठी है। विद्यार्थी चित्र को ध्यानपूर्वक देखेंगे। तत्पश्चात्, उनसे पूछा जाएगा कि यह लड़की किस कुर्सी पर बैठी है? यह इस कुर्सी पर क्यों बैठी है? क्या आपने किसी को ऐसी कुर्सी पर बैठे देखा है? शिक्षक बातचीत को एक दिशा देकर कह सकते हैं कि हमारे समाज में कुछ लोग विशेष रूप से सक्षम होते हैं इसलिए उनके लिए कुछ गतिशीलता संचालक उपकरणों की आवश्यकता होती है। जैसे पहिया कुर्सी, बैसाखी, वॉकर इत्यादि। कहानी के माध्यम से विद्यार्थी सुनीता के बारे में जानेंगे। वे यह समझते हैं कि सुनीता चलने में असमर्थ है इसलिए उसे पहिया कुर्सी की आवश्यकता पड़ती है। परंतु सुनीता अपना सारा काम स्वयं करती है जैसे कपड़े पहनना, भोजन करना। यहाँ तक कि वह बाज़ार से सामान भी स्वयं लाती है।	विद्यार्थी दिव्यांग लोगों के प्रति संवेदना दिखाएँगे।
		शिक्षक विद्यार्थियों को सोचने का अवसर देते हैं कि इन लोगों की मदद के लिए आधारभूत संरचना में किस तरह के परिवर्तन की ज़रूरत है? विद्यार्थी बता सकते हैं – रेलिंग, ढलान, लिफ़्ट आदि। आपने ये सुविधाएँ कहाँ देखी है? शिक्षक विद्यार्थियों का ध्यान विद्यालय प्रांगण में इन सुविधाओं की ओर आकर्षित करेंगे।	विद्यार्थी दिव्यांग लोगों की आधारभूत आवश्यकताओं सम्बन्धी समझ बना पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों को कहा जा सकता है कि जो विशेष रूप से सक्षम लोग होते हैं उनसे मिलें और उनसे यह जानने की कोशिश करें कि उनके सपने क्या हैं? विद्यार्थी संवाद को लिखकर भी ला सकते हैं।	
Discussion on Helen Keller	Picture of Helen Keller	Let students explore and name some differently abled persons. Teacher will show the pictures of differently abled personalities. After looking at the picture, discussion will be held on these personalities focusing on their names, their achievements and the type of disabilities they have. Picking the pictures of Helen Keler students will elaborate about her. Students will share their observations.	
	Chart on sign language, Sample of braille script	Teacher will further motivate the students to tell about the language used by Helen Keller to communicate with others. Students will learn about sign language and they will come one by one and act on one word through alphabets. While other students will guess that word. Students also quote examples of Sudha Chandran, Arunima Sinha and Louis Braille. Teachers and students will further link it with tactile paths on the metro station, T.V. channel in which news is broadcasted through sign language.	Students will be able to learn about sign language, braille script.

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		Teachers will observe the behaviour of students towards the specially abled children when they come in contact with them.	

शिक्षकों के लिए सुझाव- शिक्षक विद्यार्थियों को प्रेरित करने के लिए अन्य महत्त्वपूर्ण उपलब्धि वाले दिव्यांग व्यक्तियों का उदाहरण दे सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को विश्व में विकलांगता दिवस जो प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को मनाया जाता है उसके बारे में बता सकते हैं। विद्यार्थियों से यह भी पूछा जा सकता है कि यदि वह इनकी स्थिति में होते तो क्या करते?

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी किन्हीं 10 महत्त्वपूर्ण उपलब्धि वाले दिव्यांग व्यक्तियों के चित्रों को एक चार्ट पर लगाकर अपनी अलमारी पर चिपका कर उनसे प्रेरणा ले सकते हैं। विद्यार्थी समाज में दिव्यांग व्यक्तियों के बारे में लोगों में संवेदनशीलता विकसित कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-3

थीम – पेड़ (भाग-1)

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (जड़ों का जाल), English (The Giving Tree)

अवधि- न्यूनतम 5-6 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- पेड़ तथा उनकी विशेषताओं पर आधारित ज्ञान को अर्जित करने में
- पेड़ो से प्राप्त वस्तुओं को सूचीबद्ध करने में
- पेड़ों से संबंधित कानून को जानने और उसका पालन करने में
- पौधों के भागों का नाम बोलने और लिखने में
- जड़ों के प्रकार तथा कार्यों को जानने तथा उनकी प्रशंसा करने में
- पर्यावरण संतुलन के लिए पेड़ों के महत्त्व को समझने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विभिन्न पेड़ों के चित्र और पेड़ों के महत्त्व से संबंधित वीडियो, पीपल और बरगद के सूखे पत्ते।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी पेड़ों के बारे में जानते हैं तथा बता सकते हैं कि पेड़ हमारे लिए किस प्रकार उपयोगी हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पेड़ उनकी विशेषताएँ एवं उनका महत्त्व		शिक्षक चर्चा की शुरुआत पूछते हुए कर सकते हैं कि हमें खाना कहाँ से मिलता है? विद्यार्थी विभिन्न स्रोतों की सूची बना सकते हैं, जैसे - दुकान, बाज़ार,पेड़। शिक्षक उन्हें अन्य वस्तुओं का भी पता लगाने को भी कह सकते हैं जो हमें पेड़ों से मिलती हैं। जैसे -दवाइयाँ, लकड़ी, छाया, ऑक्सीजन।	विद्यार्थी पेड़ों के महत्त्व को जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पेड़: पीपल, बरगद, रेगिस्तानी ओक	पीपल, बरगद तथा रेगिस्तानी ओक पेड़ का चित्र, पीपल और बरगद के सूखे पत्ते	विद्यार्थी स्वयं को 5-5 के समूह में विभाजित करके पीपल के पेड़, बरगद के पेड़ और रेगिस्तानी ओक पेड़ के बारे में जानकारी एकत्रित करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा एकत्रित ज्ञान को उनके द्वारा संक्षेपण तथा कलमबद्ध किया जा सकता है।	
		पीपल का पेड़ 1. इस पेड़ को अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है। 2. यह दीवार से नमी को अवशोषित कर दीवार के ऊपर बढ़ सकता है।	विद्यार्थी पीपल के पेड़ और बरगद के पेड़ में अंतर जान पाएँगे।
		बरगद का पेड़ 1. यह बहुत ही असामान्य है क्योंकि इस की जड़ें शाखाओं की तरह लटकी होती हैं। 2. बरगद के पेड़ की जड़ें उसे खंबे की तरह मज़बूती तथा सहयोग देती हैं। शिक्षक तथा विद्यार्थी कोलकाता में हावड़ा के पास बॉटनिकल गार्डन में लगभग 342 साल पुराने बरगद के पेड़ पर चर्चा कर सकते हैं जो 1864 और 1867 में दो महान चक्रवात से बचा था।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		रेगिस्तानी ओक पेड़ 1. यह पेड़ ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है। 2. यह कक्षा की दीवार जितना ऊँचा हो सकता है। 3. इस पर बहुत कम पत्ते होते हैं तथा इसकी जड़ें लंबी होती हैं। 4. यह अपने तने में पानी संग्रहित करता है। जब मरुस्थल में पानी नहीं होता तब स्थानीय लोग पतले पाइप लगाकर इसका पानी पीते हैं।	विद्यार्थी रेगिस्तानी ओक और बरगद के पेड़ के बीच अंतर कर पाएँगे।
जड़ें – इस के प्रकार और पेड़ों की काटाई से संबंधित कानून	मुख्य जड़ तथा रेशेदार जड़ वाले पौधे।	शिक्षक तथा विद्यार्थी जड़ तथा जड़ों के प्रकार के बारे में चर्चा करेंगे। शिक्षक कहेंगे कि आइए एक पौधे का चित्र बनाएं और इसके भागों के नाम लिखें। 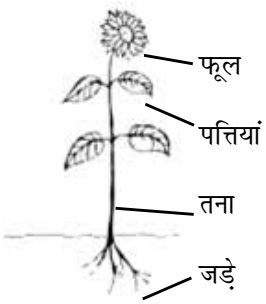 विद्यार्थी जानकारी दे सकते हैं कि पौधों के लिए जड़ें बहुत महत्त्वपूर्ण हैं क्योंकि वह मिट्टी से पानी और खनिजों को अवशोषित करके इसे पौधों के अन्य भागों में भेजती हैं। यह पौधों को मज़बूती भी देती हैं।	विद्यार्थी पौधों के भागों को नाम दे पाएँगे। विद्यार्थी जड़ों के कार्यों को समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
	 	विद्यार्थियों को अपने आस-पास के क्षेत्र के पेड़ देखने के अवसर दिए जाएं। उनके अवलोकन के आधार पर चर्चा को सुगम बनाया जा सकता है तथा साथ में उनका आकलन भी किया जा सकता है। **मूसला (मुख्य) जड़** यह लंबवत् नीचे की ओर होती हैं और मिट्टी में गहराई तक पहुँचती हैं। उदाहरण के लिए मूली, गाजर, चुकंदर, शलगम आदि। **रेशेदार जड़** यह सभी दिशाओं में क्षितिज रूप से बढ़ती हैं और मिट्टी में गहराई तक नहीं पहुँच पाती। उदाहरण के लिए गेहूं, मक्का, घास, केला, आदि। शिक्षक तथा विद्यार्थी सरकार की अनुमति के बिना पेड़ों को काटने से संबंधित कानून के बारे में चर्चा कर सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र का सबसे पुराना पेड़ खोजने तथा अपने बड़ों की मदद से उसका नाम लिखने को कह सकते हैं।	विद्यार्थियों में पेड़ न काटने के संदर्भ में जागरूकता पैदा होगी।
The Giving Tree	Video on trees	The students will divide themselves in a group of five and plant one seed of their choice in school field and take care of it.	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		Then the teacher will make students understand the story of "The Giving Tree". Students may now be able tell why the name of the story is "The Giving Tree". Teacher will discuss with the students about plants and their stages of life. Students will start discussing with each other and with the help of their teacher, they summarise the stages of a plant. ● Seed ● Seedling ● Sprout ● Sapling	
		Discussion may be done about the things that a plant needs to grow further. Students will discuss with each other and may say that a tree needs water, sunlight, manure, and minerals for its growth.	Student will be sensitized towards taking care of plants.

शिक्षकों के लिए सुझाव - शिक्षक अपनी कक्षा के विद्यार्थियों की आवश्यकतानुसार प्राप्त ज्ञान को विस्तार देने के लिए विद्यार्थियों को मूली, गेहूं, प्याज़, शलगम बरगद के पेड़ों की जड़ों को वीडियो के माध्यम से देखने और उन्हें वर्गीकृत करने को कह सकते हैं।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थियों को बगीचे का एक चित्र बनाने और उसमें जो कुछ भी वह देखते हैं उसे बनाकर उनके नाम लिखने को कह सकते हैं। विद्यार्थी अपने आस-पास के क्षेत्र में पेड़ न काटने के प्रति जागरूकता फैला सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-4

थीम – नदियाँ

एकीकृत विषय- सामाजिक अध्ययन (भारतीय नदियाँ और मैदान), पर्यावरण अध्ययन (पहाड़ों से समुद्र तक)

अवधि- न्यूनतम 5 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- विभिन्न नदियों के नाम तथा महत्त्व को समझने में
- प्रायद्वीपीय तथा बारहमासी नदियों को वर्गीकृत करने तथा जीवन रेखा के रूप में पहचानने में
- उस स्थान को बताने में जहां से नदी की उत्पत्ति होती है तथा उसके सौंदर्य की प्रशंसा करने में
- जल प्रदूषण के कारण बताने में
- जल प्रदूषण के हानिकारक परिणामों की जागरूकता फैलाने में
- नदियों के पानी को विभिन्न तरीकों से पीने के लिए सुरक्षित बनाने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- नदियों से संबंधित चित्र तथा वीडियो

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी पानी के स्रोतों, पानी के महत्त्व, नदी शब्द से परिचित हैं तथा कुछ नदियों के नाम भी जानते हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
नदियों का महत्त्व तथा उद्गम स्थल	नदियों से संबंधित चित्र तथा वीडियो	शिक्षक और विद्यार्थी पानी/जल शब्द पर चर्चा कर सकते हैं। विद्यार्थी स्वयं जल के स्रोतों की सूची बना सकते हैं। जैसे- नदियाँ, झरने, वर्षा, समुद्र । शिक्षक नदी का चित्र दिखाते हुए विद्यार्थियों से उसके बारे में पूछेंगे ।	विद्यार्थी पानी के स्रोतों से अवगत होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		वे आपस में बातचीत करते हैं तथा कह सकते हैं कि यह एक नदी का चित्र है। विद्यार्थी अपने साथियों के साथ चर्चा करके इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि नदी पानी का एक बड़ा प्राकृतिक बहता हुआ पिंड है जो गुरुत्वाकर्षण बल के कारण पहाड़ों से नीचे बहता है। सभी नदियों का उद्गम स्थल मुख्य रूप से एक पर्वत है जहां पानी अधिक ऊँचाई से नीचे की ओर बहता है। शिक्षक तथा विद्यार्थी कुछ नदियों पर चर्चा करेंगे जैसे-गंगा, यमुना तथा इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि गंगा नदी-गंगा हिमानी तथा यमुना नदी-यमुना हिमानी से निकलती हैं। विद्यार्थी अपने बड़ों से देश की प्रमुख नदियों- सिंधु, ब्रह्मपुत्र, महानदी, गोदावरी और कृष्णा के बारे में बात कर सकते हैं तथा ये जान सकते हैं कि भारत नदियों का देश है। नदियाँ हमारे देश की जीवन रेखाएँ हैं।	विद्यार्थी विभिन्न नदियों के नामों से अवगत होंगे।
		फिर विद्यार्थी स्वयं को समूह में बाँटेंगे तथा नदियों के महत्त्व पर चर्चा करेंगे। तत्पश्चात् प्रत्येक समूह के सदस्यों को बुलाया जा सकता है तथा नदियों के महत्त्व पर अपने समूह के विचारों को बताने के लिए कहा जा सकता है। जैसे वे कह सकते हैं- 1. नदियाँ हर साल नई मिट्टी लाती हैं जिससे खेती करने में मदद मिलती है। 2. नदियों के पानी से जल विद्युत बनाई जाती है। 3. नदियों के पानी से सिंचाई होती है। 4. नदियाँ जल और पोषक तत्त्वों को धरती के चारों ओर ले जाती हैं।	विद्यार्थी नदियों के महत्त्व से अवगत हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
नदियों के प्रकार	सदाबहार और मौसमी नदियों के चित्र	शिक्षक चर्चा शुरू करने के लिए विद्यार्थी से पूछ सकते हैं कि क्या बरसात के मौसम में तथा गर्मियों के मौसम में नदियों में समान मात्रा में पानी रहता है? विद्यार्थी एक दूसरे के साथ विचारों का आदान-प्रदान कर सकते हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि वे नदियाँ जो केवल बरसात के मौसम में बहती हैं, उन्हें मौसमी नदियाँ कहते हैं। जैसे गोदावरी, कृष्णा, कावेरी। वे नदियाँ जिन में साल भर पानी का प्रवाह रहता है, उन्हें सदाबहार नदियाँ कहते हैं।	विद्यार्थी मौसमी और सदाबहार नदियों में अंतर बता पाएँगे।
नदी में प्रदूषण तथा इसके पानी को साफ़ करने के तरीके	स्वच्छ तथा प्रदूषित नदी दिखाता चार्ट, नदी के उद्गम स्थल से गाँव तक पहुँचने के सफ़र का वीडियो	**स्वच्छ नदी** **प्रदूषित नदी**	विद्यार्थी नदियों में बढ़ते प्रदूषण के प्रति संवेदनशील होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उपर्युक्त चित्रों के आधार पर शिक्षक तथा विद्यार्थी 'नदी का रंग क्यों बदलता है' इस पर चर्चा करेंगे। विद्यार्थी आपस में चर्चा कर सकते हैं कि पानी का रंग उसमें कुछ घुलने के कारण बदलता है। जब कोई नदी पहाड़ों से बहती है तो इसका पानी साफ़ होता है लेकिन उसके प्रवाह के दौरान उसमें बहुत सारे गंदे तत्त्व मिल जाते हैं और जैसे-जैसे वह नदी गाँव में पहुँचती है, उसका रंग बदल जाता है। विद्यार्थी अपने परिवेश का अवलोकन करके उसमें प्रदूषण के सभी कारणों को सूचीबद्ध करेंगे। जैसे – 1. नदी के किनारे कपड़े धोना । 2. नदी के किनारे पशुओं को नहलाना । 3. सीवर का कचरा नदी में मिलना । 4. फ़ैक्ट्रियों का अपशिष्ट नदियों में मिलना।	
पानी को साफ़ करने के उपाय	छानने, फ़िल्ट्रेशन तथा उबलने की वीडियो	शिक्षक कक्षा की शुरुआत इस वाक्य से कर सकते हैं – आइए, पता लगाएं हम पानी को पीने के लिए कैसे सुरक्षित बना सकते हैं? विद्यार्थी स्वयं समूह बनाकर उसमें अपनी चर्चा करेंगे तथा उसे सम्पूर्ण कक्षा के साथ साझा करेंगे। **मूल फ़िल्टर (छानना)** 	विद्यार्थी पानी को साफ़ करने के विभिन्न तरीकों से अवगत होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		फ़िल्ट्रेशन उबालना विद्यार्थी और शिक्षक यह निष्कर्ष निकालते हैं कि पानी को साफ़ करने का सबसे प्राचीन और आसान तरीका उबालना तथा नवीन तरीका फ़िलट्रेशन है।	

शिक्षकों के लिए सुझाव- शिक्षक विद्यार्थियों को किसी नज़दीकी जल निकाय के क्षेत्र का दौरा करवा सकते हैं तथा उन्हें अधिक व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर सकते हैं जहाँ विद्यार्थी स्वयं देख कर समझ सकें।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी अपने बड़ों की देख-रेख में पानी को विभिन्न तकनीकों से साफ़ कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-5

थीम – त्योहार

एकीकृत विषय- सामाजिक अध्ययन (मेरा भारत, त्योहार: पर्व एवं उत्साह), पर्यावरण अध्ययन (मिलकर खाएँ)

अवधि- न्यूनतम 6 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- विभिन्न त्योहारों के बारे में जानने में तथा विविधता में एकता का सम्मान करने में
- त्योहारों को राष्ट्रीय तथा धार्मिक आधार पर वर्गीकृत करने में
- मध्याह्न भोजन के बारे में जानने में
- विभिन्न उत्सवों में बनने वाले भोजन की व्याख्या तथा प्रशंसा करने में
- एक साथ खाने के अवसरों को जानने में तथा उनका महत्त्व समझने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- त्योहारों से संबंधित चार्ट, विभिन्न त्योहारों से संबंधित वीडियो और साथ खाते हुए व्यक्तियों के चित्र।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी विभिन्न त्योहारों, उनके पहनावे तथा उनसे जुड़े भोजन से अवगत हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पिछली गतिविधि पर चर्चा		शिक्षक विद्यार्थियों से पिछली कक्षा में की गई गतिविधि से बातचीत शुरू कर सकते हैं और विद्यार्थियों को ऐसे कुछ अवसरों के नाम बताने को कह सकते हैं जब वह एक साथ खाना खाते हैं। विद्यार्थी अपने साथियों तथा शिक्षक के साथ इस पर चर्चा करते हैं।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
त्योहारों के प्रकार- राष्ट्रीय और धार्मिक	विभिन्न त्योहारों से संबंधित चार्ट/चित्र/वीडियो	विद्यार्थी स्वयं समूहों में विभाजित होंगे तथा प्रत्येक समूह को एक त्योहार का नाम दिया जाएगा। प्रत्येक विद्यार्थी को अपने-अपने समूह में दिए गए त्योहार पर चर्चा करनी होगी। तत्पश्चात्, शिक्षक उन्हें जानकारी देंगे कि त्योहार मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं- एक वे जिसे पूरा देश एक साथ मनाता है, उन्हें राष्ट्रीय त्योहार कहते हैं तथा दूसरा जिसे एक विशेष समुदाय द्वारा मनाया जाता है, उसे धार्मिक त्योहार कहते हैं ।	विद्यार्थी राष्ट्रीय और धार्मिक त्योहारों के बीच अंतर कर पाएँगे।
राष्ट्रीय त्योहार	राष्ट्रीय त्योहारों के चित्र गणतंत्रता दिवस स्वतंत्रता दिवस 	क्या आप जानते हैं कि हमें आज़ादी कब मिली? 15 अगस्त 1947 को। हम अपने राष्ट्रपिता का जन्मदिवस कब मनाते हैं? अक्टूबर के दूसरे दिन। हम प्रतिवर्ष 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के रूप में तथा 26 जनवरी को जब हमारा संविधान अस्तित्व में आया उस दिन को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाते हैं। विद्यार्थी अपने साथियों, शिक्षकों तथा बड़ों के साथ संविधान के बारे में चर्चा कर सकते हैं और यह जान सकते हैं कि संविधान किसी देश के बुनियादी कानून तथा नियम हैं जिनके द्वारा देश प्रभावी ढंग से कार्य करता है।	विद्यार्थी विभिन्न राष्ट्रीय त्योहारों के बारे में जान पाएंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
	गांधी जयंती		
धार्मिक त्योहार		धार्मिक त्योहारों पर चर्चा के बाद विद्यार्थियों को संक्षेप में धार्मिक त्योहारों के बारे में बता सकते हैं कि वे त्योहार जिनके पीछे कुछ धार्मिक महत्त्व होता है, वे धार्मिक त्योहार कहलाते हैं। विद्यार्थी इनके नाम भी बताना शुरू कर सकते हैं। जैसे -होली, दीपावली, क्रिसमस, ईद, बैसाखी, मकर संक्रांति, पोंगल, जन्माष्टमी, दशहरा, दुर्गा पूजा, बुद्ध पूर्णिमा, गुरु पर्व, रामनवमी, गणेश चतुर्थी, शिवरात्रि, रक्षाबंधन। विद्यार्थी स्वयं को 5-5 के समूहों में विभाजित करेंगे तथा हर समूह एक त्योहार पर चर्चा करते हुए उसका सारांश प्रस्तुत करेगा। **दशहरा** - इसे विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है। यह बुराई (रावण) पर अच्छाई (राम) की जीत का प्रतीक है। **दीपावली** - यह रोशनी तथा दीयों का त्योहार है। दीपावली अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार भगवान् राम के 14 वर्ष के वनवास से लौटने की खुशी में मनाया जाता है। शिक्षक रंगों पर चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को होली के त्योहार पर ला सकते हैं।	विद्यार्थी विभिन्न धार्मिक त्योहारों के बारे में जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		होली – यह हिंदू भगवान विष्णु और उनके भक्त प्रहलाद के सम्मान में बुराई पर अच्छाई की जीत का त्योहार है हमें इस त्योहार में प्राकृतिक रंगों का प्रयोग करना चाहिए क्योंकि यह हमें किसी भी प्रकार की हानि नहीं पहुँचाते। शिक्षक पूछ सकते हैं कि क्या आप जानते हैं कि हम ईद क्यों मनाते हैं? विद्यार्थी आपस में चर्चा करके यह बता सकते हैं कि ईद-उल अज़हा को पैगंबर इब्राहिम ने अपने बेटे इस्माइल का बलिदान अल्लाह के प्रति समर्पण और आज्ञाकारिता के रूप में दिया था। शिक्षक बातचीत को सुगम बनाने के लिए पूछ सकते हैं उस व्यक्ति का नाम बताओ जो लाल रंग की पोशाक पहनता है और आपको उपहार देता है? वह कौन है? तत्पश्चात्, क्रिसमस त्योहार के बारे में चर्चा की जा सकती है।	
		क्रिसमस – हम ईसा मसीह के जन्म को याद करने के लिए मनाते हैं जो ईश्वर के पुत्र थे। इसी तरह कुछ अन्य त्योहार हैं जो फसलों की कटाई से संबंधित है- बैसाखी, मकर संक्रांति, लोहड़ी, बसंत पंचमी, पोंगल, ओणम।	विद्यार्थी विभिन्न त्योहारों को मानने के तरीके से अवगत हो पाएँगे

<table>
<tr><th>अवधारणा</th><th>शिक्षण-अधिगम संसाधन</th><th>शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया</th><th>अपेक्षित अधिगम परिणाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>असम में बिहू का खास दिन होता है । इस दिन धान की नई फसल की कटाई की जाती है। लोग रात को दावत करते हैं। दावत केले के पत्तों पर दी जाती है। लोग बेला घर बनाते हैं तथा इसी में सो जाते हैं।

विद्यार्थियों, हम सभी त्योहारों को एक साथ मिलकर मनाते हैं, हम एक साथ खाते हैं, नृत्य करते हैं और पकवान बनाते हैं। विद्यार्थी अपने अनुभवों और प्राप्त जानकारी के आधार पर त्योहारों को राष्ट्रीय और धार्मिक आधार पर वर्गीकृत कर सकते हैं।</td><td>विद्यार्थी बिहू के त्योहार तथा उसे मनाने के तरीके से अवगत हो पाएँगे।</td></tr>
<tr><td>त्योहार और उनसे जुड़े भोजन</td><td>विभिन्न खाद्य पदार्थों को दर्शाने वाला चार्ट</td><td>विद्यार्थी त्योहारों और उनसे जुड़े भोजन के बारे में अपने अनुभव के आधार पर एक सूची बनाएँगे।

<table><tr><th>त्योहार का नाम</th><th>इससे जुड़ा खाना</th></tr><tr><td>ईद</td><td>सेवईयाँ</td></tr><tr><td></td><td></td></tr><tr><td></td><td></td></tr></table></td><td>विद्यार्थी विशेष अवसरों से जुड़े भोजन में सांस्कृतिक विविधता से अवगत होंगे ।</td></tr>
</table>

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
मध्याह्न		विद्यार्थी चर्चा करेंगे कि वह विद्यालय में कब एक साथ खाना खाते हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि वह मध्याह्न भोजन के समय एक साथ खाते हैं तथा गाते हैं- हम साथ में खेलते हैं, हम एक साथ खाना खाते हैं, सब की भलाई के लिए, हम हमेशा साथ रहेंगे।	विद्यार्थी विद्यालय में परोसे जाने वाले मध्याह्न भोजन के बारे में अवगत होंगे।
एक साथ खाने के मूल्य	एक साथ खाते हुए व्यक्तियों के चित्र	विद्यार्थी और शिक्षक एक साथ खाने के लाभों पर चर्चा करेंगे और संक्षेप में इसके महत्त्व को बताएँगे। जैसे - 1. यह हमें साथ जुड़ने का समय प्रदान करता है। 2. यह हमें सुरक्षा तथा प्रेम भाव देता है। 3. इस समय हम पारिवारिक मूल्य तथा परंपराओं के बारे में जानते हैं। 4. हम साझा करके खाना खाना सीखते हैं। 5. एक दूसरे के खाने की सराहना करते हैं तथा उसके बनने की विधि जानते हैं। 6. यह हमें विविधता में एकता के भाव से भरता है।	विद्यार्थी एक साथ खाने के मूल्य की सराहना करेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि ''एक साथ भोजन करना'' न सिर्फ़ दूसरों के साथ भोजन बाँटना है अपितु यह एक दूसरे को जानने, एक दूसरे का सम्मान करने, एकजुट महसूस करने, चर्चा का तथा शिष्टाचार सीखने का मंच है। एक साथ भोजन करना साझा जीवन जीने का प्रतीक है।	

शिक्षकों के लिए सुझाव- शिक्षक विभिन्न त्योहारों के बारे में अपने विद्यार्थियों से उनकी कक्षा में आवश्यकता अनुसार चर्चा कर सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को उनके पसंदीदा त्योहार का चित्र बनाने और उनसे संबंधित अवधारणा, भोजन, पोशाक, नृत्य आदि को बताने तथा लिखने के लिए कह सकते हैं।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी विभिन्न त्योहारों के बारे में अधिक जानने के लिए अपने बड़ों से बात कर सकते हैं तथा महत्त्वपूर्ण बिंदुओं को कक्षा में अपने सहपाठियों को बता सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-6

थीम – परिवहन के साधन

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (चलो, चलें स्कूल), English (Wake Up)

अवधि- न्यूनतम 5 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- विभिन्न प्रकार के पुलों को पहचानने तथा उनके नाम बताने में
- सामग्री और प्रकार के आधार पर पुलों की तुलना करने में
- पुलों की ज़रूरत की सराहना करने में
- एक विशेष क्षेत्र में इस्तेमाल किए जाने वाले परिवहन की पहचान करने में
- सुबह की सुंदरता का आनंद लेने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विभिन्न पुलों से संबंधित वीडियो/चित्र, विभिन्न परिवहन व भू-आकृतियों से संबंधित वीडियो/चित्र।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को परिवहन के कुछ साधनों की जानकारी है।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
Benefits of rising early in the morning	Picture of morning scene	After discussing the previous class activity it is linked to the current topic through a question on wake up time of students.	Students will become aware of the benefits of rising early in the morning.

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		The benefits of rising early in the morning are discussed with the students. Some of the benefits may be- ● having a good breakfast ● time for exercise ● more energy ● stress free day After that the students and the teacher will recite the rhyme loudly with proper intonation. Then the whole class along with the teacher will go for a morning walk in the school area and listen to the sounds of rustling of leaves, blowing of wind, chirping of birds and the sounds of footsteps. Students will share whatever they observe during the walk with each other and also discuss their morning routine till they reach the school. Teachers will try to focus the attention of the students on various means of transport they used while coming to the school.	
चलो, चलें स्कूल	विभिन्न क्षेत्रों तथा वहाँ प्रयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों के चित्र	विद्यार्थी गाँवों तथा शहरों में प्रयोग होने वाले परिवहन के साधनों पर चर्चा करेंगे। तत्पश्चात्, उनका ध्यान विभिन्न राज्यों के परिवहन के साधनों पर लाया जाएगा। **असम**- असम में विद्यार्थी बाँस और रस्सी से बने पुल से स्कूल जाते हैं। **लद्दाख** - लद्दाख में विद्यार्थियों को नदी पार करने के लिए ट्रॉली की आवश्यकता होती है, जो लकड़ी से तथा मज़बूत लोहे की रस्सी से बंधी होती है।	विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों से अवगत होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		केरल- केरल में विद्यार्थियों को स्कूल पहुँचने के लिए नदियों को पार करना पड़ता है। इसके लिए वे वल्लम (लकड़ी की एक छोटी नाव) का इस्तेमाल करते हैं। **राजस्थान**- विद्यार्थियों को स्कूल पहुँचने के लिए ऊँट गाड़ी से रेगिस्तान पार करना पड़ता है। **गुजरात**- जुगाड़ में विद्यार्थी एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। इसका फ्रंट देखने में मोटरसाइकिल जैसा लगता है लेकिन गाड़ी लकड़ी के बड़े तख्ते से बनी होती है। **उत्तराखंड**- स्कूल पहुँचने के लिए विद्यार्थी पहाड़ों तथा पथरीले रास्तों को पार करते हैं। **उत्तरी पहाड़ियाँ** - स्कूल तक पहुंचने के लिए विद्यार्थी बर्फ़ पर चलते हैं। **शहर** - विद्यार्थी स्कूल पहुंचने के लिए सीमेंट के पुलों और सड़कों का इस्तेमाल करते हैं। **गाँव** - विद्यार्थी स्कूल पहुँचने के लिए बैलगाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। विद्यार्थी को अपने गाँव या किसी अन्य शहर जाने पर उनके द्वारा प्रयोग किए जाने वाले परिवहन के साधन तथा अनुभव लिखने का अवसर दिया जाएगा।	

शिक्षक के लिए सुझाव- शिक्षक विद्यार्थियों को अन्य स्थानों तथा वहाँ पर प्रयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों से भी अवगत करा सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में स्कूल जाते समय सामने आने वाली चुनौतियों से भी अवगत करवा कर उन्हें प्रेरित कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी अपने गाँव जाने पर प्रयोग किये गए परिवहन का साधन तथा पुल का प्रकार लिख सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-7

थीम – पैटर्न

एकीकृत विषय- गणित (पैटर्न), पर्यावरण अध्ययन (फुलवारी), कला (मधुबनी चित्रकला)

अवधि- न्यूनतम 7 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- विभिन्न प्रकार के पैटर्न को पहचानने में
- विभिन्न प्रकार के पैटर्न के बीच समानता पहचानने में
- फूलों, अक्षरों, संख्याओं द्वारा विभिन्न पैटर्न बनाने में
- फूलों को ना तोड़ा जाए इसके प्रति संवेदनशील होने में
- पैटर्न के सौंदर्य की सराहना करने में
- अपनी स्वयं मधुबनी चित्रकला बनाने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विभिन्न पैटर्न के चित्र/वीडियो, फूलों के पैटर्न और सूर्योदय का चित्र।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के फूलों से तथा पैटर्न शब्द से परिचित हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पैटर्न	चादर का चित्र 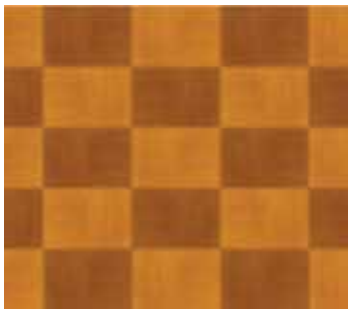	इस चित्र को दिखाने के बाद चर्चा करने के लिए शिक्षक पूछ सकते हैं कि यह क्या है? आप इसमें क्या देखते हैं? आपने इस प्रकार के डिज़ाइन कहाँ देखें हैं? उन्हें उन सभी चीजों का पता लगाकर सूचीबद्ध करने को कह सकते हैं जहाँ उन्होंने इस तरह के समान डिज़ाइन और पैटर्न देखे हैं।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
विभिन्न पैटर्न का परिचय	विभिन्न प्रकार के पैटर्न के चित्र	**चित्र पैटर्न** 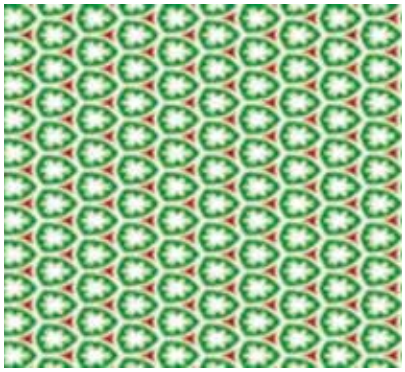 **संख्या पैटर्न** 9,109, 209, ..., ..., ... **अक्षर पैटर्न** Aa, Bb, Cc, ..., ...,..... विद्यार्थी विभिन्न पैटर्न देखते हैं तथा इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि पैटर्न विभिन्न प्रकार के होते हैं जैसे- चित्र पैटर्न, संख्या पैटर्न और अक्षर पैटर्न । तत्पश्चात्, वे स्वयं को 5-5 के समूहों में विभाजित करेंगे तथा प्रत्येक समूह माचिस की तीलियों, ईटों, रंगों पेंसिलों, पत्तियों, फूलों आदि विभिन्न वस्तुओं का उपयोग करके अपना स्वयं का पैटर्न बनाएंगे।	विद्यार्थी पैटर्न की सुंदरता की सराहना कर सकेंगे। विद्यार्थी विभिन्न पैटर्न की पहचान कर पाएँगे।
फूलों का पैटर्न	फूलों के पैटर्न के चित्र 	शिक्षक विद्याथियों का ध्यान फूलों के पैटर्न पर केंद्रित करते हुए उन्हें विभिन्न प्रकार के गिरे हुए फूलों से अपने सुंदर पैटर्न बनाने को कहेंगे।	विद्यार्थी विभिन्न पैटर्न के बीच समानता को पहचान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
फूलों को मत तोड़ें	'फूल मत तोड़ो' उद्धरण दिखाता हुआ होर्डिंग फूल मत तोड़ो 	शिक्षक 'फूल मत तोड़ो' उद्धरण दर्शाता हुआ होर्डिंग दिखाते हुए यह पूछ सकते हैं कि क्या कभी आपने ऐसा बोर्ड देखा है? इस प्रकार का होर्डिंग किस उद्देश्य के लिए लगाया जाता है? चर्चा के बाद विद्यार्थी स्वयं को 5-5 के समूहों में विभाजित करेंगे तथा प्रत्येक समूह निम्न दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर पोस्टर/बैनर बनाएगा- • **हमारे जीवन में फूलों का महत्त्व** भोजन के रूप में इस्तेमाल फूल, इत्र बनाने में इस्तेमाल फूल, दवाओं के रूप में इस्तेमाल फूल तथा सजावट में इस्तेमाल फूल।	विद्यार्थी फूलों के प्रति संवेदनशील होंगे।
मधुबनी चित्रकला	मधुबनी चित्रकला का चित्र 	विद्यार्थी चित्र देखते हैं और अपने-अपने समूह में इसके बारे में बातचीत करेंगे। उसके पश्चात् प्रत्येक समूह संक्षेप में बताएगा कि उन्हें क्या पता चला। जैसे विद्यार्थी यह कह सकते हैं कि - • मधुबनी चित्रकला लोक कला का एक पुराना रूप है। • इसका नाम बिहार मधुबनी के एक ज़िले के नाम पर है । • यह पिसे हुए चावल के पेस्ट में फूलों से बने रंगों के मिश्रण से बनती है।	विद्यार्थी मधुबनी चित्रकला के महत्त्व से अवगत होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थी अपने-अपने समूह में मधुबनी चित्रकला का एक-एक चित्र बनाएँगे।	

शिक्षक के लिए सुझाव- शिक्षक पैटर्न को चादर पर बने पैटर्न, फूल पर बने पैटर्न, टाइल्स के विभिन्न पैटर्न तथा जाली पैटर्न के माध्यम से आगे बढ़ा सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को कला के अन्य रूपों को खोजने के लिए भी प्रेरित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए- वर्ली, गोंड, राठौड़, कालीघाट कला इत्यादि।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी अपने परिवेश का निरीक्षण कर सकते हैं तथा उनके द्वारा देखे गए विभिन्न पैटर्न बना सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-8

थीम – पेड़ों का संरक्षण

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (अमृता की कहानी), English (The Little Fir Tree)

अवधि- न्यूनतम 6 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- पेड़ों के संरक्षण पर समझ विकसित करने में
- रेगिस्तान में पाए जाने वाले विभिन्न पौधों और जानवरों के नाम बताने में
- वनों की कटाई के प्रति संवेदनशील होने में
- अमृता की कहानी को समझने में तथा उसके प्रयासों के लिए उसका सम्मान करने में
- हमारे पास जो है, उसी में खुश रहने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- मरुस्थलीय पौधे तथा जानवरों के चित्र, जंगल के चित्र

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी पेड़ों के महत्त्व तथा रेगिस्तान शब्द से अवगत हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
अमृता की कहानी	खेजड़ी के पेड़ का चित्र	शिक्षक और विद्यार्थी पेड़ों पर चर्चा करेंगे। शिक्षक पेड़ों का महत्त्व पूछ कर चर्चा को सुगम बना सकते हैं। विद्यार्थी स्वयं पेड़ों के महत्त्व की एक सूची बनाएँगे। शिक्षक और विद्यार्थी ''अमृता की कहानी'' पर एक साथ चर्चा करेंगे तथा विद्यार्थी शिक्षक की सहायता से कुछ बिंदुओं में कहानी का सारांश प्रस्तुत करेंगे। जैसे- • अमृता राजस्थान के जोधपुर में खेजड़ी गाँव में रहती थी। अमृता के सबसे अच्छे मित्र पेड़ थे।	विद्यार्थी वृक्षों के महत्त्व के बारे में जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		• गाँव में खेजड़ी के पेड़ बहुत थे इसलिए गाँव का नाम खेजड़ी पड़ा। • वहाँ के लोग पौधों और जानवरों का बहुत ध्यान रखते थे। • बकरी, हिरण, खरगोश और मोर वहाँ पर बिना डरे घूमते थे। • अमृता और गाँव वाले पेड़ों को बचाने के लिए पेड़ों से लिपट गए तथा कई गाँव वालों की मृत्यु भी हो गई। • खेजड़ी गाँव के लोग कहा करते थे ''अगर पेड़ है, तो हम हैं''। शिक्षक विद्यार्थियों को खेजड़ी पेड़ का चित्र दिखाँएगे और विद्यार्थी इसके बारे में जानने का प्रयास करेंगे। • खेजड़ी पेड़ मुख्य रूप से रेगिस्तान क्षेत्रों में पाया जाता है। • इसको बढ़ने के लिए अधिक पानी की आवश्यकता होती है। • इसकी छाल दवाई बनाने के लिए प्रयोग में लाई जाती है। • लोग इसके फल (बीन्स) को बनाकर खाते हैं। विद्यार्थी स्वयं को समूहों में विभाजित करेंगे और प्रत्येक समूह जो कुछ भी जानकारी प्राप्त करता है उसे सारांशित करेगा और लिखेगा।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
वनों की कटाई	हरे-भरे जंगल और बंजर जंगल का चित्र	 शिक्षक तथा विद्यार्थी ऊपर दिए गए दो चित्रों का अवलोकन करेंगे और एक दूसरे के साथ इसके हरे-भरे और बंजर होने के कारणों पर चर्चा करेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों की चर्चा को दिशा दे सकते हैं तथा दोनों इस निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं कि वनों की कटाई का अर्थ उन जंगलों को मानव द्वारा काटना है जो पेड़-पौधों और जंगली जानवरों और पक्षियों के लिए घर हैं।	विद्यार्थी वनों की कटाई के प्रति संवेदनशील हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		विद्यार्थी स्वयं को 5-5 के समूहों में विभाजित करेंगे तथा प्रत्येक समूह को वनों की कटाई के कारणों का पता लगाने का कार्य दिया जाएगा। तत्पश्चात्, प्रत्येक समूह ने जो कुछ भी अवलोकन करके पता लगाया, उसे लिखने को कह सकते हैं। जैसे-वनों की कटाई के मुख्य कारण हैं- • मवेशी प्रजनन • लकड़ी प्राप्त करना • खनन • बांध निर्माण • आधारभूत संरचना विकास • प्राकृतिक कारणों से जैसे- आग लगना, तूफ़ान।	
The Little Fir Tree	Image of a fir tree	After discussing about deforestation, the teacher and students come to the conclusion that people of Khejadi village have rightly said "Agar Ped Hain to Hum Hain". After this teacher and students read aloud about "The Little Fir Tree". Students talk and discuss whether it is right to repent over the things we do not have.	Students will be able to appreciate what they have.

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		Teacher will observe the students when they are discussing and give direction to them by adding the line: "Be happy as you are and with what you have instead of regretting the things you do not have".	

शिक्षकों के लिए सुझाव- शिक्षक विद्यार्थियों को राजस्थान (पौधे, पक्षी, फ़सल, वहाँ के लोगों के व्यवसाय) के बारे में और बता सकते हैं और पेड़ न काटने के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए आसपास के क्षेत्रों में एक रैली का आयोजन कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार- विद्यार्थी अपने बड़ों से बातचीत कर सकते हैं कि पहले कौन से जानवर और पक्षी उन्हें दिखाई देते थे जो अब विलुप्त हो चुके हैं और इसके विलुप्त होने के कारणों पर चर्चा कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-9

थीम – गार्डन

एकीकृत विषय- English (A Watering Rhyme), हिंदी (हुदहुद), पर्यावरण अध्ययन (फुलवारी, पौधों के अंग, पौधों के लिए महत्त्वपूर्ण तत्त्व), कला- शिक्षण

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने में एवं उसके सौंदर्य की सराहना करने में
- विभिन्न प्रकार के फूलों व पत्तियों (बनावट एवं खुशबू) से परिचित होने में
- पौधों के अंगों से परिचित होने में
- कविता में आए नए शब्द एवं तुकांत शब्द बताने में (A Watering Rhyme)
- अपने शब्दभंडार एवं सुनना, बोलना, पढ़ना व लिखना कौशलों में वृद्धि करने में
- पौधों में पानी देने के सही तरीकों से परिचित होने में
- विभिन्न फूलों एवं उनके उपयोग से परिचित होने में
- पौधों के सही विकास में पानी, सूरज की किरणों, मिट्टी व कार्बन डाइऑक्साइड आदि की उपयोगिता बताने में
- पक्षियों के प्रति प्रेम एवं संवेदना को विकसित करने में
- हुदहुद पक्षी के विषय में जान पाने में, तथा इसकी विशेषताएँ बताने में
- अपने शब्दों में कहानी बुन पाने में
- पौधों व पक्षियों के प्रति संवेदनशील होने में
- पर्यावरण के प्रति संवेदनशील एवं सजग होने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- सूखी पत्तियाँ एवं फूल, ताज़ा फूल व पत्तियाँ (नीम, आम, पीपल, अशोक, कढ़ी पत्ता, गेंदा, गुलाब, चमेली, सदाबहार), किसी भी पौधे का चित्र या फिर गमले में लगा कोई पौधा, रंग, कागज़, हुदहुद पक्षी की कोई वीडियो

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी बगीचे या पार्क में पहले भी गए हैं और फूल और पत्तियों में अंतर जानते हैं। वे छोटी कविताएँ गाते हैं व 3-4 पंक्तियों को अपनी भाषा में लिख सकते हैं।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
गार्डन	नेचर वॉक/पार्क/बगीचे की कोई वीडियो/ फोटो	यह विषयवस्तु शुरू करने से पहले विद्यार्थियों को प्रकृति के बीच किसी बगीचे या पार्क में ले जाया जा सकता है ताकि वे पौधों व पत्तियों को ध्यानपूर्वक देख एवं महसूस कर सकें। इसके पश्चात् उनसे यह पूछा जा सकता है कि उन्होंने क्या-क्या देखा? वे अपनी-अपनी कॉपियों में नोट कर सकते हैं।	विद्यार्थी प्रकृति के प्रति संवेदनशील बन पाएँगे एवं उसकी खूबसूरती की सराहना कर पाएँगे।
		उसके बाद उनको समूहों में बाँटकर कुछ सूखे/ताज़े फूल एवं पत्तियाँ दी जाएँगी एवं उनको उनकी खुशबू व बनावट के आधार पर पहचानने को कहा जाएगा। समूह में चर्चा करने के पश्चात् वे अपने विचार पूरी कक्षा के समक्ष भी प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक एक मार्गदर्शक की भाँति इस क्रियाकलाप में सभी विद्यार्थियों की भागीदारी सुनिश्चित करेंगे व उनके द्वारा बताए गए बिंदुओं को ब्लैक बोर्ड पर नोट करेंगे।	विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के फूल व पत्तियों (बनावट एवं खुशबू) से परिचित हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पौधों के अंग	गमले में लगा कोई पौधा/ पौधे के भागों को दर्शाता हुआ चित्र	विद्यार्थियों को गमले में लगे पौधे को दिखाते हुए उन्हें एक पौधा अपनी कॉपी में बनाने को कहा जा सकता है तथा अपने समूह में चर्चा करके उसके विभिन्न भागों को क्या कहते हैं, इसके बारे में पता करने को कहा जा सकता है। शिक्षक उनकी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए पौधों के विभिन्न भागों की जानकारी देंगे इसके पश्चात् उनको एक सूखे हुए पौधे को दिखाते हुए यह सोचने को कहा जाएगा कि यह पौधा क्यों सूख गया? उनको समूह में चर्चा करने के लिए स्वतंत्र छोड़ा जा सकता है एवं यह सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी विद्यार्थी चर्चा का हिस्सा बनें।	विद्यार्थी पौधों के भागों से परिचित हो पाएँगे।
पर्यावरण अध्ययन -फुलवारी	लिंक: https://drive.google.com/open?id=1uHwIu-t4wMlFw9QA-v6Ztua2xFjgrxJH	विद्यार्थियों द्वारा की गई चर्चा के अहम बिंदुओं को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिख सकते हैं। यहाँ फुलवारी पढ़ाया जा सकता है।	विद्यार्थी विभिन्न फूलों एवं उनके उपयोग से परिचित हो पाएँगे।
पौधों के सही विकास में पानी, सूरज की किरणें, मिट्टी व कार्बन डाइऑक्साइड की ज़रूरत का महत्त्व		निम्न बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है : • फूलों के प्रकार • उनकी उपयोगिता साथ ही उनकी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए यह बताया जाएगा कि पानी, सूरज की किरणें, मिट्टी, व कार्बन डाइऑक्साइड किसी भी पौधे के उचित विकास के लिए आवश्यक हैं।	विद्यार्थी पौधों के सही विकास में पानी, सूरज की किरणें, मिट्टी व कार्बन डाइऑक्साइड की ज़रुरत के महत्त्व को समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों से यह पूछा जा सकता है कि क्या उनके घर में भी पौधे हैं? अगर हाँ तो कौन-कौन से ? उनकी देखभाल कौन करता है? कौन-कौन अपने घर के पौधों में पानी देने में सहायता करता है? शिक्षक उनके द्वारा बताए गए उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे एवं उनको पानी देने के सही समय को बताते हुए अंग्रेज़ी की कविता गाएँगे।	पौधों में पानी देने के सही तरीकों से परिचित हो पाएँगे।
A Watering Rhyme	https://drive.google.com/open?id=1UkakPPgGytDt7xBiVe0qegnQ_Facyk1K	इसी चर्चा से जोड़ते हुए 'A Watering Rhyme' कविता को उचित लय, भाव-भंगिमा, एवं उतार-चढ़ाव के साथ विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। शिक्षक विद्यार्थियों को समान भाव में कविता को शिक्षक दोहराने का अवसर दें।	विद्यार्थियों के शब्द भण्डार एवं श्रवण, वाचन, पठन व लेखन कौशल में वृद्धि होगी।
पौधों में पानी देने के सही तरीके		उनको नए शब्द एवं तुकांत शब्दों को रेखांकित करने को कहा जा सकता है। शिक्षक उन शब्दों के अर्थ से परिचित कराते हुए उनको श्यामपट्ट पर लिखेंगे। वार्तालाप के माध्यम से पौधों में पानी देने के सही तरीके पर बात की जा सकती है। विद्यार्थियों को स्वयं इन बिंदुओं पर खोज करने दें: • पानी देने का सही समय • उचित विकास के लिए पौधे के किस भाग को पानी देना चाहिए विद्यार्थियों के विचारों को क्रमबद्ध तरीके से लगाते हुए इस बारे में और अधिक व्याख्या की जा सकती है। उसके बाद समूह में यह लिखने को कहा जाएगा कि गार्डन शब्द सुनने के बाद उनके मस्तिष्क में क्या-क्या आता है?	विद्यार्थी कविता में आए नए शब्द एवं तुकांत शब्द बता पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उनको यह एहसास करने में सहायता की जा सकती है कि गार्डन में पौधे और पेड़ों के अलावा और भी चीज़ें पाई जाती हैं। शिक्षक उनके जवाबों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे और जब उनके जवाब में पक्षी शब्द आएगा तो उनसे यह पहेली पूछी जा सकती है:-	
हुदहुद की कहानी 	लिंक: https://drive.google.com/open?id=1zq7q5svSy_Xki60HEBPrLH3xnQkPhSmx	रंग बिरंगे प्यारे प्यारे, आसमान में पंख पसारे, दूर गगन में उड़ जाते, कहो, कौन हम हैं कहलाते? विद्यार्थी रूचि से पहेली को सुनते हुए इसके उत्तर के रूप में पक्षी, चिड़िया, परिंदे इत्यादि उत्तर दे सकते हैं। पहेली का सही उत्तर आने के पश्चात् शिक्षक पक्षियों के बारे में और अधिक जानकारी देते हुए हुदहुद नामक पक्षी की कहानी सुनाएंगे, उसकी विशेषताएं एवं उसके भिन्न-भिन्न नामों से अवगत कराएँगे।	विद्यार्थी हुदहुद नामक पक्षी की विशेषताओं एवं उसके भिन्न-भिन्न नामों से परिचित हो जाएँगे।
		नए शब्दों पर चर्चा की जाएगी। उनके विषय में विद्यार्थियों को बता कर उनसे छोटे-छोटे वाक्य बनाने को कहा जाएगा।	विद्यार्थी सरल वाक्य बना पाएँगे।
		विद्यार्थियों से कुछ शब्द पूछे जाएँगे एवं समूह बनाकर उन शब्दों से एक छोटी सी कहानी गढ़ने को कहा जाएगा। उदाहरण- सुंदर, चिड़िया, रंग-बिरंगा, घोंसला, चेतावनी, गिद्ध, मदद। विद्यार्थियों की कहानी गढ़ने में मदद की जा सकती है।	विद्यार्थियों में कहानी गढ़ने की क्षमता का विकास होगा।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
कहानी गढ़ना		इसके अलावा विद्यार्थियों को पक्षियों के सुंदर चित्र बनाने को भी कहा जा सकता है। विद्यार्थियों को समूह में बांटकर छोटे प्रश्न पूछे जाएंगे। जैसे - हुदहुद के सिर पर क्या है ? एवं सही जवाब न आने पर अन्य विद्यार्थियों को भी उत्तर देने को प्रोत्साहित किया जाएगा। विद्यार्थियों को पक्षियों के लिए किसी बर्तन में पानी रखने के लिए प्रेरित भी किया जा सकता है। उनके द्वारा सुझाए गए अन्य तरीकों पर भी चर्चा की जा सकती है। 'नादान दोस्त' की कहानी भी साझा की जा सकती है।	विद्यार्थियों में पक्षियों के प्रति प्यार एवं देखभाल की समझ का विकास होगा।
हमने क्या सीखा?		उनसे यह पूछा जा सकता है कि वे पक्षियों को सुरक्षित रखने के लिए क्या-क्या उपाय कर सकते हैं?	

शिक्षकों के लिए सुझाव :

- पक्षियों के मुखौटे बनवाए जा सकते हैं।
- जल संरक्षण की अवधारणा को भी पढ़ाया जा सकता है।

अधिगम विस्तार :

- सूखी पत्तियों को चिपकाकर पक्षियों का चित्र बनाने की गतिविधि कर सकते हैं।
- पक्षियों के लिए घर बनाने से संबंधि गतिविधि की जा सकती है।
- घर पर पौधारोपण के लिए कहा जा सकता है।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-10

थीम – एक साथ कार्य करना/व्यवसाय

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (पोचमपल्ली, सम्बन्ध एवं परिवार, हमारे सहायक), हिंदी (पापा जब बच्चे थे), कला शिक्षण (कठपुतली बनाना), English (Pinocchio)

अवधि- न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- कठपुतली बनाने में एवं साथ में काम करने की कला को सीखते हुए उसकी सराहना करने में
- सभी व्यवसायों के प्रति सम्मान एवं सहानुभूति की भावना को विकसित करने में
- विभिन्न व्यवसायों से जुड़े उपकरणों को जानने में
- अपने परिवेश की अहमियत समझने में
- पोचमपल्ली कपड़ा बुनाई के विषय से परिचित होने में
- आपसी रिश्तों एवं संबंधों व उनकी उपयोगिता के बारे में जानने में
- श्रवण वाचन, पठन एवं लेखन कौशलों को मज़बूत करने में एवं नए शब्द, पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्दों से परिचित होने में
- पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होने में
- श्रम/मेहनत/हाथ से किए जाने वाले काम के प्रति सम्मान एवं स्वीकार्यता की भावना को विकसित करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- रंग-बिरंगे चार्ट, रंग, धागे, कैंची, बटन, मार्कर्स, कागज़, पुरानी जुराबें, पोचमपल्ली साड़ी का फ़ोटो या वीडियो, साथ काम करते हुए लोगों की वीडियो जैसे वृक्षारोपण कार्यक्रम, सफ़ाई अभियान इत्यादि।

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों ने पहले भी विभिन्न व्यवसायों से जुड़े कुछ उपकरणों को देखा है। वे लोगों को इक्ट्ठे काम करते देखते हैं जैसे: शादी समारोह में, विद्यालय समारोह में, सफ़ाई अभियान आदि में।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
कला शिक्षण (कठपुतली बनाना)	रंग-बिरंगे चार्ट, रंग, धागे, कैंची, बटन, मार्कर्स, कागज़, पुरानी जुराबें	शिक्षक कक्षा में कोई हाथ की कठपुतली (Hand Puppet) को लेकर जा सकते हैं और विद्यार्थियों से पूछ सकते हैं कि क्या वे जानते हैं कि उनके हाथ में क्या है? विद्यार्थी अपनी स्थानीय भाषा में कुछ नाम बता सकते हैं, उसको गुड़िया, जोकर अथवा कठपुतली भी कह सकते हैं।	विद्यार्थी कठपुतली बना पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		उनके द्वारा दिए गए उत्तरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे और कठपुतली के बारे में उनके अनुभवों को एक दूसरे के साथ साझा करने को प्रोत्साहित करेंगे। विद्यार्थियों को पांच या छह के समूह में काम करने को कहेंगे और उनको ज़रूरत का सभी सामान उपलब्ध करवाते हुए कठपुतली बनाने को प्रेरित करेंगे।	
साथ कार्य करना	साथ काम करते हुए लोगों की वीडियो जैसे वृक्षारोपण कार्यक्रम, सफाई अभियान इत्यादि।	विद्यार्थी अपने पूर्वज्ञान एवं रचना के माध्यम से कठपुतली बनाएंगे। विद्यार्थी अपनी कठपुतली का नाम भी रख सकते हैं। गतिविधि पूरी होने के बाद उनको कक्षा के समक्ष आकर ये बात साझा करने को कहा जा सकता है कि उन्होंने यह गतिविधि कैसे पूरी की। उनका ध्यान आकर्षित करते हुए यह पूछा जा सकता है कि अकेले काम करना बेहतर है या मिलकर और समूह में?	विद्यार्थी समूह में कार्य करने की भावना का विकास कर पाएँगे।
पर्यावरण अध्ययन (पोचमपल्ली)	पोचमपल्ली साड़ी का फ़ोटो या वीडियो https://youtu-be/NDrQFGE_tWA	इसी अवधारणा को आगे बढ़ाते हुए बुनकरों की एक कहानी शिक्षक विद्यार्थियों को सुना सकते हैं जो मिलकर पोचमपल्ली नामक साड़ी बनाते हैं। उनकी जीविका इसी हुनर एवं कला से चलती है। इन बिंदुओं पर चर्चा की जाएगी : • कपड़ा बुनने में उनको होने वाली परेशानियाँ • पोचमपल्ली कला-शिक्षण • पारिवारिक संबंध एवं परिवार इस चर्चा के बाद उनसे यह पूछा जाएगा कि उन्होंने लोगों को इकट्ठे काम करते हुए कहाँ देखा है? विद्यार्थी निम्न उत्तर दे सकते हैं : शादियों में, विद्यालय वार्षिकोत्सव में, सफ़ाई अभियान में, रावण बनाने में।	विद्यार्थी पोचमपल्ली कपड़ा बुनाई के विषय से परिचित हो पाएँगे। विद्यार्थी आपसी रिश्तों, संबंधों व उनकी उपयोगिता के बारे में जान पाएँगे। विद्यार्थी आस-पड़ोस के महत्त्व को समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		विद्यार्थियों को यह सोचने को कहा जाएगा कि अगर ये काम किसी अकेले इंसान को करने पड़े तो क्या होगा?	
संबंध एवं परिवार		शिक्षक चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों को इस निष्कर्ष पर ले जा सकते हैं कि परिवार, पड़ोस, समाज एक दूसरे की सहायता करने के लिए हैं और समूह में काम करने से बड़ा एवं मुश्किल काम आसान हो जाता है। साथ ही यह भी चर्चा की जा सकती है कि हमारे रोज़मर्रा के कामों में आस-पास के कौन से लोग हैं जो सहायता करते हैं।	विद्यार्थी समूह में कार्य करने को प्रेरित हो पाएँगे। आपसी रिश्तों एवं संबंधों व उनकी उपयोगिता के बारे में जान पाएँगे।
हमारे सहायक, व्यवसाय एवं उनके औज़ार	https://diksha.gov.in/play/content/do_ 31244338295 452467224569? referrer=utm_ source%3 Dmobile%26utm_ campaign%3 Dshare_ content	समूह में चर्चा करके विद्यार्थी 'हमारे सहायक' की सूची बनाएंगे एवं उनके द्वारा प्रयोग में लाए जाने वाले औज़ारो एवं मशीनो के नाम भी लिखेंगे। विद्यार्थियों को कक्षा के समक्ष अपने-अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। चर्चा में निम्न नाम सामने आ सकते हैं : मिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, दूधवाला, दर्ज़ी, सफ़ाई कर्मी, नाई, चौकीदार इत्यादि। उनके द्वारा इस्तेमाल करने वाले औज़ारों की भी चर्चा की जा सकती है। यहाँ विभिन्न व्यवसायों की अवधारणा भी साझा करवाई जा सकती है। विद्यार्थियों को जानकारी दी जा सकती है कि कठपुतली बनाना भी एक व्यवसाय है। विद्यार्थियों से पूछा जा सकता है कि अगर कभी हमारे सहायक अपना काम न करें तो क्या होगा ?	विद्यार्थी सभी व्यवसायों के प्रति सम्मान एवं सहानुभूति की भावना को विकसित कर पाएँगे। विभिन्न व्यवसायों से जुड़े उपकरणों को जान पाएँगे। श्रम/मेहनत/हाथ से किए जाने वाले काम के प्रति सम्मान एवं स्वीकार्यता की भावना का विकास होगा।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		उनको चर्चा के माध्यम से यह सोचने के लिए प्रेरित किया जा सकता है कि सभी व्यवसाय सम्मानजनक हैं एवं हमें सभी व्यवसायों का समान रूप से सम्मान करना चाहिए। इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों से पूछेंगे कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं? साथ ही उनको यह भी बताएंगे कि जब वे खुद छोटे थे तो कैसे हर थोड़े दिन बाद उनकी पसंद बदलती रहती थी। विद्यार्थी अपनी-अपनी पसंद के व्यवसाय का नाम लेंगे।	
हिंदी (पापा जब बच्चे थे)	https://drive.google.com/open?id=1c4wbOvZLVij1yY_TcrnToQlIvHlvN7Ga	विभिन्न व्यवसायों से जोड़ते हुए हिंदी की एक कहानी 'पापा जब बच्चे थे' को उचित भाव एवं उच्चारण के साथ पढ़ाया जाएगा तथा विद्यार्थियों को चर्चा के माध्यम से नए शब्दों से परिचित कराया जाएगा । कक्षा में समूह बनाकर उनको कुछ पर्चियाँ दी जाएँगी, जिसमें व्यवसाय के नाम लिखे होंगे। विद्यार्थियों को उसके अनुसार अभिनय करना होगा तथा बाकी विद्यार्थियों को यह पता लगाना होगा कि वे किस का अभिनय कर रहे हैं। विद्यार्थी अभिनय करेंगे एवं अनुमान लगाएँगे। कहानी के अंत में विद्यार्थियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जाएगा कि एक अच्छा इंसान बनाना सबसे ज़रूरी है।	विद्यार्थी अभिनय करने की कला का विकास कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
Pinocchio	 https://drive.google.com/open?id=19jhiGGFY0sxAUAXmaTbs4M0-31BkoKeg	विद्यार्थियों को दिए गए चित्रों को ध्यानपूर्वक देखने को कहा जाएगा एवं चित्रों की समझ के अनुसार अपनी एक कहानी बुनने को कहा जा सकता है। वे यह क्रियाकलाप अपने समूह में कर सकते हैं। उनको अपनी रचनात्मकता के अनुसार कार्य करने दें एवं संपूर्ण कक्षा के समक्ष अपने विचारों को प्रस्तुत करने का पूर्ण अवसर दें। शिक्षक उनकी कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'पिनोकियो' की कहानी को उचित हाव-भाव एवं उतार-चढ़ाव के साथ सुनाएँगे।	
		विद्यार्थियों को पहले ज़ोर से पढ़ने एवं उसके बाद मौन पठन को कहा जाएगा। नए शब्दों पर भी चर्चा की जाएगी एवं विपरीतार्थक शब्द एवं पर्यायवाची शब्दों के बारे में जानकारी दी जाएगी।	विद्यार्थी पाठ में आए नए शब्द, पर्यायवाची शब्द, एवं विलोम शब्दों से परिचित हो पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

- सभी सहायकों एवं व्यवसायों के प्रति सम्मान की भावना जागृत करने के लिए विद्यार्थियों के द्वारा धन्यवाद कार्ड बनवाए जा सकते हैं एवं विभिन्न सहायकों को विद्यार्थियों द्वारा ही दिलवाए भी जा सकते हैं।
- एक साथ काम करने की भावना को सुदृढ़ करने के लिए नाटक भी करवाया जा सकता है।

अधिगम विस्तार-

- विद्यार्थी घर जाकर अपने माता-पिता, दादा-दादी से पूछ सकते हैं कि बचपन में वे क्या बनना चाहते थे?
- साथ मिलकर काम करने की अवधारणा को मज़बूती देने के लिए विद्यार्थी किसी भी त्योहार को मिलकर मनाने की व्यवस्था कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-11

थीम – जानवर

एकीकृत विषय- English (The Milkman's Cow), पर्यावरण अध्ययन (नंदू हाथी, कान कान में), कला शिक्षण, ओरिगामी कार्य, मुखौटे बनाना, प्रदर्शन कला।

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य - विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- जानवरों के प्रति संवेदनशीलता एवं दयालुता का भाव विकसित करने में
- इस बात की समझ बनाने में कि ज़ोर-ज़बरदस्ती से बेहतर प्यार होता है
- हमारे जीवन में जानवरों की आवश्यकता को समझने में
- अपने पसंदीदा जानवरों के मुखौटे बनाने में
- 'नंदू हाथी' कहानी का आनंद लेने में तथा बोझा ढोने एवं एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में उपयोग होने वाले जानवरों के नाम बताने में
- विलुप्त होने के कगार पर पहुँचे जानवरों एवं वन्य जीव अभयारण्य के विषय में जानने में (सिर्फ़ अवधारणा)
- जानवरों में निम्न आधार पर अंतर करने में:
  - कान देखे जा सकते हैं/नहीं देखे जा सकते हैं
  - त्वचा पर बाल हैं/पंख हैं
  - अंडे देते है/बच्चे देते हैं
- सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने के कौशलों का विकास करने में
- जानवरों द्वारा पालन किए जाने वाले अनुशासन को जानने एवं उनकी सराहना करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- रंग बिरंगे चार्ट्स, रंग, धागे, कैंची, पानी के रंग, ओरिगामी शीट्स, मार्कर्स, कागज़, विभिन्न जानवरों के नाम लिखी हुई पर्चियाँ

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को जानवरों एवं पक्षियों में अंतर का आधारभूत ज्ञान है। उन्होंने अपने आसपास कई जानवरों को देखा है। हाथी को पहले भी देखा है। विद्यार्थियों को यातायात के साधनों के बारे में जानकारी है।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		शिक्षक चर्चा के माध्यम से यह पूछ सकते हैं, कि क्या कभी आपने या आपके अभिभावकों ने किसी जानवर या पक्षी की सहायता की है? कब और कैसे? क्या किसी ने घर पर कोई पालतू जानवर पाला हुआ है? विद्यार्थियों को सामने आकर पूरी कक्षा के सामने अपनी बात कहने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उनकी बातें सुनने के पश्चात् कक्षा को समूह में बाँट दिया जाएगा व उनसे यह पूछा जाएगा कि उनको सबसे बुरा कब और क्यों महसूस होता है? विद्यार्थियों को आपस में चर्चा करने दें और इस बात की ओर उनका ध्यान लेकर जाएं कि जिस प्रकार हमें बुरा लगता है, क्या कभी उस प्रकार जानवरों को भी बुरा लगता होगा? उनको इस बारे में सोचने दें, चर्चा करने दें और इस बात तक पहुँचने दें कि जानवरों को भी प्यार एवं देखभाल की ज़रूरत होती है।	विद्यार्थी जानवरों के प्रति संवेदनशीलता एवं दयालुता के भाव को ग्रहण कर पाएँगे।
The Milkman's Cow	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1rnI4hUqQgPoC6H6n_cEaeP0teJL5fYuT	इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षक 'The Milkman's Cow' की कहानी उचित उतार-चढ़ाव, भाव-भंगिमा से सुनाएंगे एवं नए तथा तुकांत शब्दों की व्याख्या करेंगे। विद्यार्थियों को मौन एवं सस्वर पठन का अवसर दिया जाएगा। विद्यार्थियों का ध्यान कहानी के संदेश- 'ज़ोर-ज़बरदस्ती से बेहतर प्यार होता है', की ओर आकर्षित किया जाएगा। विद्यार्थियों को स्वयं सोचने का मौका दें कि ज़ोर-ज़बरदस्ती और नफ़रत पर हमेशा प्रेम की जीत होती है।	विद्यार्थी ज़ोर-ज़बरदस्ती से बेहतर प्यार होता है -इस बात की समझ बना पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		विद्यार्थियों से इसी प्रकार के अन्य हीन भावना के उदाहरण पूछे जा सकते हैं, जहाँ प्यार को अधिक महत्त्व दिया जाता हो। उनको दयालुता पर अपनी खुद की कहानी गढ़ने को कहा जा सकता है। उनके सामने कुछ शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखा जा सकता है, जैसे- शेर, बिल्ली, बंदर, गधा, पेड़, भोजन, किसान, खेत, मेला, गाँव, तालाब, बारिश इत्यादि। विद्यार्थियों को विचार करने व अपनी सोच के पंख फैलाने दें एवं आपस में, समूह में चर्चा करते हुए इन दिए गए शब्दों की सहायता से अपनी खुद की कहानी बनाने दें।	
मुखौटे बनाना एवं नाटक प्रदर्शित करना	रंग बिरंगे चार्ट्स, रंग, धागे, कैंची,पानी के रंग, ओरिगामी शीट्स, मार्कर्स, कागज़	शिक्षक इसी गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए विद्यार्थियों को समूह में काम करते हुए आवश्यकतानुसार सामान उपलब्ध कराएँ जिससे वे अपनी कहानी में आए हुए विभिन्न जानवरों के मुखौटे बना पाएं। इस बात को अवश्य देखें कि हर बच्चा गतिविधि में समान रूप से कार्य कर पाए। विद्यार्थी अपनी कहानी को कक्षा के समक्ष आकर सुनाने के साथ-साथ प्रदर्शित भी कर सकते हैं।	विद्यार्थी अपने पसंदीदा जानवरों के मुखौटे बना पाएँगे।
पर्यावरण अध्ययन (कान-कान में)	कुछ जानवरों की वीडियो/ ऑडियो लिंक : https://drive.google.com/open?id=1ikQS-G3E90iK2tgTmdUD-SKeTo4GBbYEXSrS	नाटक के माध्यम से इस गतिविधि के पश्चात् विद्यार्थियों को एक तालिका दिखाई जाएगी एवं उनको उसे भरने को कहा जाएगा। जानवर का नाम - जैसे हाथी, बन्दर, बिल्ली, मेंढ़क, छिपकली	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
	   	• त्वचा पर बाल/पंख हैं। • कान देखे जा सकते हैं/नहीं देखे जा सकते हैं। • अण्डे देते हैं / बच्चे देते हैं। विद्यार्थियों को सोचने दें, वे इस तालिका में अन्य जानवरों के नाम भी लिख सकते हैं। उनके द्वारा बनाई गई तालिका को आपस में चर्चा के माध्यम से ठीक करा सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा सकता है कि वे अपनी नोटबुक में विभिन्न जानवरों के चित्र लगाएँ। इसके पश्चात् विद्यार्थियों को यह सोचने का मौका दिया जा सकता है कि जानवर इंसानों की किस प्रकार सहायता करते हैं? साथ ही उनको इस बात से परिचित कराया जा सकता है कि जानवरों के प्रति कैसा व्यवहार करना चाहिए।	विद्यार्थी निम्न आधार पर जानवरों में अंतर कर पाएँगे: • कान देखे जा सकते हैं /नहीं देखे जा सकते हैं • त्वचा पर बाल हैं / पंख हैं • अंडे देते हैं/बच्चे देते हैं।
नंदू हाथी	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1VO_YMH9bMukMZ4kFaPa0OQZhqHToyEvX 	विद्यार्थी समूह में चर्चा करेंगे और कक्षा के समक्ष आकर अपने विचारों को प्रस्तुत करेंगे। शिक्षक उनके द्वारा बताई गई बातों को ध्यान पूर्वक सुनते हुए उनकी चर्चा को विस्तार देंगे तथा उनको नंदू हाथी की कहानी सुनाएंगे जिसमें इन बिंदुओं पर ध्यान आकर्षित किया जा सकता है-	विद्यार्थी बोझा ढोने एवं एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने में उपयोग होने वाले जानवरों के नाम बता पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		• हाथियों के झुंड को 'हर्ड' कहते हैं। • जब हाथियों को जंजीर से बांध कर रखते हैं तो उनको कैसा महसूस होता होगा? • क्या तुमने कभी किसी जानवर की पीठ पर बैठकर सवारी की है? यदि हाँ तो किसकी और कब? • जानवरों का यातायात के साधन की तरह प्रयोग।	
विभिन्न जानवरों की आवाज़	विभिन्न जानवरों की आवाज़ का ऑडियो, विभिन्न जानवरों के नाम लिखी हुई पर्चियां। https://youtu-be/t99ULJjCsaM	इन सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए शिक्षक विद्यार्थियों से जानवरों द्वारा इंसानों की सहायता के विभिन्न आयामों के बारे में पूछेंगे एवं बताएंगे। साथ ही उनको एक गतिविधि के माध्यम से विभिन्न जानवरों की आवाज़ निकलने और नकल उतारने का अवसर प्रदान किया जा सकता है। समूह में उनको कुछ पर्चियाँ उपलब्ध करवाई जाएँगी जिन पर अलग-अलग जानवरों के नाम लिखे होंगे। एक विद्यार्थी आकर उस पर्ची को खोलेगा और बिना बोले, केवल इशारे से अभिनय द्वारा समूह के अन्य सदस्यों को यह समझाने का प्रयत्न करेगा कि पर्ची में लिखा जानवर कौन सा है।	
जानवरों का अनुशासन		साथ ही यहां विद्यार्थियों से जानवरों द्वारा पालन किए जाने वाले अनुशासन की भी चर्चा कर सकते हैं- जैसे चींटियों का पंक्ति में चलना। साथ ही कुछ विलुप्त होने के कगार पर पहुंच चुके जानवरों जैसे एशियाई शेर, बंगाल टाइगर और काले हिरण के विषय में भी जानकारी दी जा सकती है एवं वन्य जीव अभयारण्य की अवधारणा के बारे में बताया जा सकता है।	विद्यार्थी जानवरों द्वारा पालन किए जाने वाले अनुशासन को जान पाएंगे व उसकी सराहना कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अवधारणा
		विद्यार्थियों की संवेदना इस ओर जागरूक की जा सकती है कि जानवरों को बचाना एवं प्यार करना मनुष्य का कर्तव्य होता है।	विलुप्त होने के कगार पर पहुँचे जानवरों एवं वन्य जीव अभयारण्य के विषय में जान (केवल अवधारणा) पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

- विद्यार्थियों को विभिन्न वन्यजीव अभयारण्य के बारे में जानकारी इकट्ठा करने को कहा जा सकता है साथ ही उन को प्रेरित किया जा सकता है कि वे उन जीव अभयारण्यों को भारत के मानचित्र में दर्शाएं।
- जानवरों के बच्चों को किस नाम से जाना जाता है, इस बारे में भी चर्चा की जा सकती है।

अधिगम विस्तार-

- विद्यार्थी 'जानवर बचाओ' से संबंधित पोस्टर बना सकते हैं।
- विद्यार्थी विभिन्न जानवरों के घरों के नाम की जानकारी जुटा सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-12

थीम – हमारा भोजन

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (चटपटी पहेलियाँ, Taste Buds), हिंदी (थप्प रोटी थप्प दाल), पर्यावरण अध्ययन (मानचित्र), कला शिक्षण (अभिनय/नाटक)

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- होममेकर्स को सम्मान देने में और उनके प्रयासों की सराहना करने में
- घर के कामों में अपने परिजनों की सहायता करने में
- मसालों के नामों की सूची बनाने में उनकी पहचान कर पाने में व उनकी उपयोगिता को जानने में
- भारत के मानचित्र में मसाले उगाए जाने वाले राज्यों को दर्शाने में
- विभिन्न स्वादों में अंतर बताने में (खट्टा, मीठा, नमकीन)
- अपने गृह राज्य एवं कुछ पड़ोसी राज्यों के बारे में चर्चा करने में
- ब्रेड सैंडविच बनाने में
- अभिनय करते हुए 'थप्प रोटी थप्प दाल' नामक पाठ को प्रस्तुत करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विभिन्न मसाले (लौंग, काली मिर्च, जीरा, सौंफ, लाल मिर्च, हल्दी), स्वाद कलिकाएँ दर्शाते हुए जिह्वा/जीभ का चित्र, भारत का मानचित्र, मार्कर, चार्ट पेपर, रंग, कच्ची सब्ज़ियां जैसे खीरा, टमाटर, प्याज़, ब्रेड (घर से लाने को कहा जाएगा)

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को कुछ मसालों के बारे में पता है। कुछ पकवानों के स्वाद का पता है। भारत के कुछ राज्यों के नाम बता सकते हैं। उन्होंने पहले भी सैंडविच खाया है।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
चटपटी पहेलियाँ (Taste Buds)	मसालों का नाम लिखी पर्चियां एवं उन मसालों से संबंधित पहेलियाँ (5 सेट)	कक्षा की शुरूआत करते हुए विद्यार्थियों से यह पूछा जा सकता है कि उनके घर में खाना कौन बनाता है? केवल वही खाना क्यों बनाते हैं? उनको कैसा लगता है जब सारे समूह का काम उनको अकेले करना पड़े या फिर पूरे रसोईघर और बाज़ार का काम बिना किसी की सहायता से उन्हें करना पड़े?	विद्यार्थी होममेकर्स को सम्मान देंगे और उनके प्रयासों की सराहना करेंगे।
	लिंक : https://drive.google.comè open?id=1P2PZq4MkER7vzFZF-4aIpLArmy9xk-Mr	विद्यार्थियों को आपस में चर्चा करने दें और इस नतीजे पर पहुँचने दें कि घर का काम करना भी काफ़ी मुश्किल और सम्मानजनक कार्य है, उन्हें अपने माता-पिता की इन कामों में सहायता करनी चाहिए। समूह में चर्चा करने के पश्चात् विद्यार्थियों को कक्षा के समक्ष आकर अपनी बात कहने का मौका दें तथा एक दूसरे की साझा की हुई बातों से सीखने का अवसर प्रदान करें।	विद्यार्थी घर के कामों में अपने परिजनों की सहायता कर पाएँगे।
मानचित्र	भारत का मानचित्र	इस चर्चा के बाद समूह में विद्यार्थियों को कुछ पर्चियाँ दे सकते हैं जिन पर कुछ मसालों के नाम और उनसे संबंधित पहेलियाँ लिखी होंगी। विद्यार्थियों को पहेलियों के उत्तर आपस में बातचीत करके (मसालों के नाम) ढूँढने होंगे। शिक्षक उनके पूर्वज्ञान की सहायता से उनके द्वारा अर्जित पहले से ही मसालों की समझ को आगे बढ़ाते हुए विभिन्न मसालों के बारे में पूछेंगे और फिर अपने विचार साझा करेंगे साथ ही उनसे यह भी पूछा जा सकता है कि यह मसाले हमें कहाँ से प्राप्त होते हैं अथवा भारत के कौन-से भाग में यह मसाले उगाए जाते हैं?	विद्यार्थी मसालों के नामों की सूची बना पाएँगे, उनकी पहचान कर पाएँगे व उनकी उपयोगिता को जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उनको सोचने का अवसर अवश्य प्रदान किया जाए। चर्चा द्वारा विद्यार्थियों से ही गृह राज्य शब्द निकलवा कर उनसे उनके गृह राज्य के बारे में चर्चा की जा सकती है तथा उनके पड़ोसी राज्यों के बारे में भी पूछा जा सकता है। शिक्षक भारत के मानचित्र में उनके गृह राज्य और पड़ोसी राज्यों को दर्शाने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कुछ राज्य जहाँ पर जीरा, सौंफ, इलायची, काली मिर्च इत्यादि उगाए जाते हैं उनके बारे में बताया जा सकता है तथा मानचित्र पर उनको दर्शाया जा सकता है। मसालों के नाम, उनको उगाने वाले राज्य और उनके उपयोग के बारे में लिखने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जा सकता है। विभिन्न पकवानों पर चर्चा करते हुए किस पकवान में कौन सा मसाला प्रयोग होता है, इसके बारे में पूछा एवं बताया जाएगा। विद्यार्थियों से उनके पसंदीदा पकवान के बारे में पूछा जाएगा एवं उनको अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी से पूछ कर विभिन्न मसालों के नामों की सूची बनाने को कहा जाएगा। समूह में चर्चा के लिए विद्यार्थियों को कुछ सामान लाने को कहा जाएगा-जैसे खीरा, टमाटर, प्याज़, ब्रेड, मसाले, नींबू, पेपर प्लेट इत्यादि। विद्यार्थी आपस में तय करेंगे कि कौन-सा विद्यार्थी क्या सामान लाएगा।	विद्यार्थी जिन राज्यों में मसाले उगाए जाते हैं उनको भारत के मानचित्र में दर्शा पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
ब्रेड सैंडविच बनाना		अगले दिन विद्यार्थियों को ब्रेड सैंडविच बनाने के लिए कहा जाएगा। उनको समूह में कार्य करने दें और सामग्री वितरित करके इस क्रियाकलाप को पूरा करने दें। उनसे विभिन्न मसालों के नमूने इकठ्ठे करके एक और क्रियाकलाप करा सकते हैं।	विद्यार्थी ब्रेड सैंडविच बना पाएँगे।
मसालों को स्वाद से पहचानना (लेबलिंग विभिन्न खाने वाली वस्तुओं की)	विभिन्न मसाले/विभिन्न स्वाद वाली वस्तुएँ, जिह्वा का चित्र	विद्यार्थियों को आँखें बंद करके, चखकर यह बताना है कि यह कौन सा पदार्थ है? उदाहरण-उनकी जीभ पर जो भी पदार्थ रखा जाए, उनको उसके स्वाद के बारे में बताना है। विद्यार्थी अंदाज़े से बताएंगे कि कौन सा पदार्थ उनकी जीभ पर रखा गया है? इस क्रियाकलाप के माध्यम से उनको मीठा, खट्टा, कड़वा, नमकीन इत्यादि स्वाद की समझ बन पाएगी। टेस्ट बड्स को समझाने के लिए कोई चित्र अथवा वीडियो दिखाई जा सकती है। विद्यार्थियों को अपनी कॉपी में उसका चित्र बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।	विद्यार्थी विभिन्न स्वादों में अंतर बता पाएँगे (खट्टा, मीठा,नमकीन, कड़वा)।
थप्प रोटी, थप्प दाल	लिंक : https://drive.google.com/open? id=1SkTs5wMqk3kHW9ldv4kg VIKr4_GxcCoV	एक अन्य गतिविधि जिसमें सभी मसालों को इकट्ठा करके पारदर्शी पैकेट में बंद करके चार्ट पर लगाया जा सकता है। इस क्रियाकलाप से जोड़ते हुए विद्यार्थियों के साथ मसालों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी भी साझा की जा सकती है-जैसे लौंग - इंडोनेशिया, काली मिर्च-मालाबार तट आदि पर उगाई जाती है।	विद्यार्थी मसालों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में जान पाएँगें।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		इस गतिविधि के बाद कुछ अनाज संबंधित जानकारी जैसे गेहूँ, चावल एवं दालों के विषय में भी दी जा सकती है। इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए हिंदी की कहानी 'थप्प रोटी थप्प दाल' के विषय में चर्चा की जाएगी एवं विद्यार्थियों से घरेलू खेलों के संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं। उनके द्वारा बताए गए खेलों जैसे घर-घर, छुपन-छुपाई इत्यादि पर चर्चा करते हुए पाठ की कहानी को सुनाया जाएगा एवं नए शब्दों पर चर्चा की जाएगी।	
अभिनय/नाटक		इसके पश्चात् विद्यार्थियों को समूह बनाने को प्रेरित करते हुए पूरी कहानी को रोल प्ले के माध्यम से संवाद के रूप में प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। विद्यार्थी अभिनय करेंगे एवं सामंजस्यता, आपसी समझ, इत्यादि पहलुओं को सुदृढ़ करेंगे। शिक्षक ज़रूरत पड़ने पर उनकी सहायता कर सकते हैं।	विद्यार्थी अभिनय करते हुए 'थप्प रोटी, थप्प दाल' को प्रस्तुत कर पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

- इस पाठ योजना को आगे बढ़ाते हुए English की कविता 'Noses' (लिंक :https://drive-google-com/open\id(1OikQygPKZ5&JCvKPdaP1ucGPkQTVbfYMfN) को टेस्ट बड्स की अवधारणा के साथ जोड़कर पढ़ाया जा सकता है।
- 'भोजन सामग्री' की अवधारणा को भी जोड़ा जा सकता है।
- 'स्वास्थ्य और फास्टफूड' की अवधारणा को भी पढ़ाया जा सकता है।

अधिगम विस्तार-

- अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी से उनके ज़माने में उपयोग होने वाले मसालों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।
- स्वस्थ भोजन और अस्वास्थ्यकर भोजन पर चार्ट बनाया जा सकता है।
- फ्रूट चाट और आलू चाट भी बनाई जा सकती है।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-13

थीम – अनेकता में एकता

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (हम सब भारतीय हैं), अंग्रेज़ी (The Scholar's Mother Tongue), कला शिक्षण एवं प्रदर्शन कला

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे :

- भाषा एवं सम्प्रेषण के महत्त्व को जानने में एवं उसकी सराहना करने में
- समानता व एकता की भावना को ग्रहण करने में
- पूर्वोत्तर एवं दक्षिण भारतीय लोगों के प्रति संवेदनशील बनाने में
- सात बहन राज्यों के नाम बताने में एवं भारत के मानचित्र में दर्शाने में (अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, नागालैंड, मेघालय, मिज़ोरम, त्रिपुरा)
- सभी की मातृभाषा को महत्त्व देने में
- रंग, रूप, भाषा, पहनावा, इत्यादि में भेदभाव किए बिना सभी की सराहना करने में
- विभिन्न राज्यों (ओड़िसा, कर्नाटक, असम, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, केरल) की भाषाओं का नाम बताने में
- इन विभिन्न राज्यों को भारत के मानचित्र में दर्शाने में
- किसी भी नाटक में भाग लेने में व नाटक प्रदर्शित करने में
- संवाद लिखने में एवं आत्मविश्वास से बोलने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- कुछ पर्चियाँ जिनमें वाक्य लिखे हों, भारत का मानचित्र पूर्वोत्तर के लोगों को दर्शाता वीडियो, चार्ट्स, फैविकोल, कैंची, टेप, रंग

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी पूर्वोत्तर एवं दक्षिण भारतीय लोगों से परिचित हैं। उन्होंने उनकी भाषा, रहन-सहन, रंग-रूप और पहनावा में अंतर अनुभव किया है।

प्रस्तुतीकरण –

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
भाषा	वाक्य लिखी हुई कुछ पर्चियाँ	अधिगम की प्रक्रिया को शुरू करने के लिए एक खेल खिलाया जा सकता है, जिसमें विद्यार्थियों को समूह बनाने को कहा जाएगा। उनमें कुछ पर्चियाँ वितरित की जाएंगी। पर्ची के ऊपर कुछ वाक्य लिखे हैं, उनको बिना बोले वह संवाद अपने समूह के अन्य विद्यार्थियों को समझाते हैं। विद्यार्थियों को अपनी समझ एवं प्रतिभा के अनुसार इस गतिविधि को खुलकर करने का अवसर प्रदान किया जाए। जैसे – पर्ची में लिखा हो सकता है कि एक बूढ़ी औरत बैग लेकर खड़ी है या फिर बंदर केला खा रहा है।	विद्यार्थी भाषा एवं संप्रेषण के महत्त्व को जान पाएँगे एवं उसकी सराहना कर पाएँगे। विद्यार्थी समानता व एकता की भावना को ग्रहण कर पाएँगे।
भाषा का महत्त्व		इस गतिविधि के बाद उनसे इस बात पर चर्चा की जा सकती है कि किसी को अपने मन की बात समझाने के लिए क्या ज़रूरी है? विद्यार्थियों को स्वयं इस बात का आकलन करने देना है कि अपने मन का भाव समझाने के लिए भाषा का होना अत्यधिक आवश्यक है। भाषा के बिना कोई बात समझाने में समय अधिक लगता है। विद्यार्थियों से यह बात पूछी जा सकती है, कि क्या उन्होंने कभी किसी की भाषा का मज़ाक उड़ाया है। अगर हाँ तो क्यों? और अगर कोई आपकी भाषा का मज़ाक उड़ाता है तो आपको कैसा लगता है? इन प्रश्नों के जवाब विद्यार्थियों को आपस में समूह में चर्चा करने के पश्चात् सभी विद्यार्थियों के समक्ष कक्षा में बताने हैं। इस चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों का ध्यान इस बात पर लाया जाएगा कि सभी की भाषा सम्मानजनक होती है। अपनी बात को बल देने के लिए, विद्यार्थियों को मोगली की कहानी भी सुनाई जा सकती है।	विद्यार्थी सबकी मातृभाषा का सम्मान कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्वोत्तर राज्य (सात बहनें)	पूर्वोत्तर राज्यों को दर्शाता हुआ एक मानचित्र	भारत विविधताओं का देश है। हमारे देश में विभिन्न प्रकार की भाषा, जलवायु, क्षेत्र धर्म और रीति रिवाज हैं। इस चर्चा को आगे बढ़ाते हुए 'हम सब भारतीय हैं' की शुरूआत की जा सकती है। इसके दौरान निम्न बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है: • पूर्वोत्तर क्षेत्र (सात बहनों का क्षेत्र), जलवायु की भिन्नता के कारण, वहाँ के लोगों का खान -पान, रहन-सहन, रंग-रूप और पहनावा भिन्न और हमसे अलग हैं। • भारत के मानचित्र में पूर्वोत्तर क्षेत्रों को दर्शाना। • वीडियो के माध्यम से इन पहाड़ी क्षेत्रों के कठिन जीवन की झलकियाँ दिखाना।	विद्यार्थी सात बहन राज्यों के नाम बता पाएँगे एवं इन्हें भारत के मानचित्र में दर्शा पाएँगे (अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, नागालैंड, मेघालय, मिज़ोरम, त्रिपुरा)।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		• पर्वतीय क्षेत्र, मैदानी क्षेत्र, मरुस्थलीय क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र, द्वीप समूह (समुद्र तटीय क्षेत्र) के विषय में जानकारी देना।	विद्यार्थी पूर्वोत्तर एवं दक्षिण भारतीय लोगों के प्रति संवेदनशील बन पाएँगे।
हम सब भारतीय हैं	भारत का मानचित्र	चर्चा करते हुए विद्यार्थियों से पूछा जा सकता है कि क्या उनमें से कोई भी पूर्वोत्तर राज्यों में घूमने गया है ? अगर हाँ तो कौन से राज्य में? वहाँ के निवासियों ने आपके साथ कैसा व्यवहार किया?	विद्यार्थी रंग, रूप, भाषा, पहनावा, इत्यादि में भेदभाव किए बिना सभी की सराहना कर पाएँगे।
		इसी चर्चा को आगे बढ़ाते हुए, विद्यार्थियों का ध्यान इस ओर आकर्षित किया जा सकता है कि भले ही हम सब रंग, रूप, भाषा, स्थान, वेशभूषा, धर्म इत्यादि में भिन्न हो परन्तु 'हम सब भारतीय हैं'। हम सब एक ही देश 'भारत' के निवासी हैं। विद्यार्थियों को भारत के मानचित्र में पूर्वोत्तर के राज्यों को देखने के लिए कहा जाएगा। साथ ही समूह में उनको पाँच राज्यों को चुनना है एवं उनमें बोले जाने वाली भाषा को कॉपी में लिखना है।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
'The Scholar's Mother Tongue'	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1NK2g1njJPJdF3CzajX3IGuIfcR0-GIgA	भाषा के महत्त्व को दर्शाते हुए अंग्रेज़ी की कहानी 'The Scholar's Mother Tongue' को पढ़ाया जा सकता है। विद्यार्थियों से यह पूछा जा सकता है, कि किसी की मातृभाषा उससे पूछे बिना कैसे पता की जा सकती है? विद्यार्थियों को कल्पना की उड़ान भरने दें एवं उनको कक्षा के समक्ष अपनी बात कहने के भरपूर अवसर दें।	
कला शिक्षण		उसके बाद उनको बीरबल के द्वारा अपनाया गया एक मज़ेदार किस्सा एक कहानी के रूप में सुनाया जा सकता है। (The Scholar's Mother Tongue) शिक्षक इस कहानी को उचित हाव-भाव, उतार-चढ़ाव के साथ सुनाते हुए, नए शब्दों को रेखांकित कराते हुए एवं उनका अर्थ समझाते हुए विद्यार्थियों को समूह में बाँटकर इस कहानी को नाटक के रूप में प्रस्तुत करने को प्रेरित कर सकते हैं।	विद्यार्थी नाटक प्रदर्शित कर पाएँगे।
प्रदर्शन कला	चार्ट्स, फैविकोल, कैंची, टेप, रंग	विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए नई कहानी गढ़ने एवं उसके संवाद लिखने के लिए, उनको समूह में काम करने का अवसर दें। सभी समूह अपनी कहानी नाटक के माध्यम से प्रदर्शित करेंगे व शिक्षक आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन करेंगे।	विद्यार्थी संवाद लिख पाएँगे एवं आत्मविश्वास से बोल पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

निम्न क्रियाकलापों को भी करवाया जा सकता है :

- पूर्वोत्तर एवं दक्षिण भारतीय लोगों की और कहानियां साझा की जा सकती हैं ताकि विद्यार्थियों में उनके प्रति लगाव बढ़ाया जा सके।
- विभिन्न राज्यों की भाषा, वेशभूषा, संस्कृति, आभूषण इत्यादि को दर्शाना (परियोजना कार्य)
- एक वाक्य को विभिन्न भाषाओं में लिखना - (परियोजना कार्य)
- 'दूर देश की बात' (लिंक : https://drive.google.com/open?id=18w-pxG7yhVLsBshibBQpVVPQUtZ-BFuT) को भी पढ़ाया जा सकता है।

अधिगम विस्तार-

- अपने माता-पिता या बुजुर्गों से उनके बचपन में बोले जाने वाले कुछ शब्दों (जो अब प्रचलन में न हो) की सूची बना सकते हैं।
- बुजुर्गों की सहायता से कुछ लोकगीत सुन सकते हैं, एवं कक्षा में सभी को उससे अवगत करा सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-14

थीम - खेल (भाग-1)

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (हु तू तू, हु तू तू, खेल-खेल में), गणित (स्मार्ट चार्ट एंड डाटा हैंडलिंग), शारीरिक शिक्षा एवं योग

अवधि- न्यूनतम 12 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- खेल व उसकी आवश्यकता की सराहना करने में
- एक सच्ची खेल भावना को विकसित करने का प्रयत्न करने में
- कबड्डी के खेल तथा उसके विभिन्न नामों के बारे में जानने में
- लैंगिक भेदभाव के बारे में और जान पाने में एवं इसकी आलोचना करने में
- विभिन्न महिला खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करने में
- जिन खिलाड़ियों ने भारत के लिए ओलंपिक में मैडल्स जीते हैं, उनके नाम बताने में
- खुद को स्वस्थ रखने के लिए सरल व्यायाम एवं योग करने में
- श्वास संबंधी सरल व्यायाम करने में (अनुलोम विलोम, कपालभाति)
- भारत में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों - शतरंज, क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल आदि के बारे में बताने में
- स्मार्ट चार्ट को पढ़ने एवं सूचनाएं एकत्र करने में
- श्रवण, वाचन, पठन, लेखन कौशलों का विकास करने में एवं अपने पसंदीदा खिलाड़ी के बारे में 4-5 पंक्तियाँ लिखने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- चार्ट, रंग, मार्कर्स, फैविकोल, कैंची, टेप, विभिन्न खेलों से संबंधित फ़ोटो/वीडियो, खिलाड़ियों की जीतते हुए फ़ोटो/वीडियो, पाई चार्ट, बार ग्राफ़, मैडल जितने वाले खिलाडियों के फ़ोटो

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों ने कई खेल केवल मनोरंजक उद्देश्य से खेले हैं। कुछ प्रसिद्ध खिलाड़ियों का नाम जानते हैं। अपने घर एवं पड़ोस में लिंग-भेदभाव को महसूस किया है। सामान्य एवं सरल जमा, घटा, गुणा एवं भाग करना जानते हैं। 3-4 पांक्तियों को पढ़कर उनका अर्थ निकाल सकते हैं।

प्रस्तुतीकरण -

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
खेलों पर चर्चा		कक्षा की शुरुआत में विद्यार्थियों से यह पूछा जाता है कि वे कौन-कौन से खेल खेलते हैं? और कैसे? विद्यार्थी कुछ खेलों के नाम ले सकते हैं, जैसे: पकड़म-पकड़ाई, ऊंच- नीच का पापड़ा, बैडमिंटन, बर्फ़-पानी, छुपन-छुपाई इत्यादि। इतनी जानकारी लेने के बाद उनसे यह पूछा जाएगा कि क्या वे किसी खिलाड़ी का नाम जानते हैं? यदि हाँ तो वह किस खेल का खिलाड़ी है? ये भी बताओ। विद्यार्थी कुछ खिलाड़ियों का नाम ले सकेंगे, जैसे-सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, मैरी कॉम, मिल्खा सिंह आदि।	विद्यार्थी खेल व उसकी आवश्यकता की सराहना कर पाएँगे। विद्यार्थी एक सच्ची खेल भावना को विकसित करने का प्रयत्न कर पाएँगे।
हु तू तू, हु तू तू	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1c-2pcYL3EE-AO5K w3zhNbzAm5r CSReoKb	शिक्षक उनके द्वारा लिए हुए नामों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे एवं उनके विचारों को चर्चा के माध्यम से आगे बढ़ाते हुए कबड्डी खेल के विषय में उनकी	विद्यार्थी कबड्डी के खेल, उसके विभिन्न नामों के बारे में जान पाएँगे। लैंगिक भेदभाव के बारे में और अधिक जान पाएंगे एवं इसकी आलोचना करेंगे। विभिन्न महिला खिलाड़ियों के प्रयासों (जिनकी वजह से ही वे सामाजिक रूढ़िवादिता को तोड़ पाने में सफ़ल हो पाई हैं) की सराहना कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		जानकारी लेंगे। विद्यार्थी स्थानीय भाषा में कबड्डी को क्या कहते हैं? वे कबड्डी के खेल के विषय में, खेलने के नियमों एवं इस खेल के विभिन्न नामों के बारे में अपने विचार साझा करेंगे एवं पूरी कक्षा को दो टीमों में बंटने को कहेंगे। एक रेफरी की भूमिका निभाते हुए उनको बाहर मैदान में खेल खिलाने लेकर जाएँगे एवं उनको तीन बहनों की कहानी सुनाएंगे एवं उनका ध्यान लैंगिक असमानता की ओर आकर्षित करेंगे। शिक्षक विद्यार्थियों को अपने विचारों को साझा करने की स्वतंत्रता देते हुए उनके द्वारा महसूस की गई बातों की चर्चा करेंगे। विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाएगा कि अपने बड़ों से बातचीत करके वे इन रूढ़ियों को बदलने में मदद कर सकते हैं। कुछ खिलाड़ियों/लड़कियों के बारे में बताया जा सकता है। उनकी प्रेरक एवं संघर्षपूर्ण कहानियाँ, विद्यार्थियों को एवं उनके परिवार, पड़ोस को प्रेरित कर सकती हैं। पी वी सिंधु, कर्णम मल्लेश्वरी, गीता फोगाट, साइना नेहवाल इत्यादि लड़कियों की मेहनत एवं प्रयासों को जानकर विद्यार्थी उनकी सराहना कर पाएँगे।	
गणित (स्मार्ट चार्ट एंड डाटा हैंडलिंग)		इस के बाद विद्यार्थियों को पाई चार्ट दिखाया जा सकता है तथा उस पर लिखे मेडलों की संख्या राज्यों के अनुसार लिखने को कहा जाएगा। निम्न प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं: • हरियाणा ने कितने मैडल्स जीते? • किस राज्य को सबसे अधिक मैडल्स मिले?	विद्यार्थी स्मार्ट चार्ट को पढ़ पाएंगे एवं सूचनाएँ एकत्र कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		• किस राज्य को सबसे कम मैडल्स मिले? बार ग्राफ दिखाते हुए उनसे निम्न प्रश्नों के उत्तर कॉपी में लिखने को कहा जा सकता है: 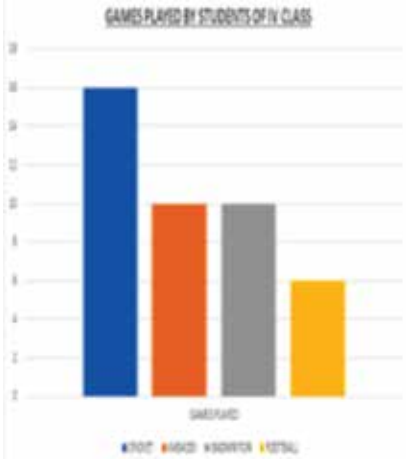 • कौन सा खेल सबसे ज़्यादा खेला जाता है? • कौन सा खेल सबसे कम खेला जाता है? • कितने बच्चे बैडमिंटन खेलते है? विद्यार्थी दिखाए गए डाटा को समझते हुए अपने उत्तर कॉपी में लिखेंगे एवं शिक्षक/शिक्षिका यथानुसार मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।	
खेल-खेल में	खेलों से संबंधित कुछ वीडियो/चित्र	खेल के बारे में और अधिक चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, हॉकी, पोलो, कुश्ती, इत्यादि खेलों के विषय में बताते हुए इन खेलों के नियमों एवं खिलाड़ियों की संख्या के बारे में बताया जा सकता है।	विद्यार्थी उन खिलाड़ियों के नाम बता पाएँगे जिन्होंने भारत के लिए ओलंपिक मैडल्स जीते हैं।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		 साथ ही विद्यार्थियों को कक्षा के बाहर यह खेल खेलने का मौका दिया जा सकता है। जिन खिलाड़ियों ने देश के लिए पदक जीते हैं, उनकी चर्चा की जाएगी ताकि विद्यार्थियों में उनके लिए सम्मान की भावना जागृत हो सके (अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग, साक्षी मलिक, पी.वी सिंधु, विजेंदर सिंह, मीराबाई चानू, योगेश्वर दत्त, लिएंडर पेस)।	
	खिलाड़ियों के फ़ोटो एवं इनकी जीत से सम्बंधित वीडियो। https://youtu.be/klAbKqpTHpo	विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा खिलाड़ी के बारे में बताने को प्रेरित किया जा सकता है।	विद्यार्थी भारत में खेले जाने वाले विभिन्न खेलों – शतरंज, क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल आदि के बारे में बता पाएँगे।
शारीरिक शिक्षा एवं योग	चार्ट, रंग, मार्कर्स, फैविकोल, कैंची, टेप	इसके बाद शिक्षक विद्यार्थीयों को शांत बैठाकर, कुछ श्वास संबंधी योग करा सकते हैं उनको शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाते हुए कुछ सरल व्यायामों के बारे में चर्चा की जा सकती है। विद्यार्थियों को खुद से यह सरल अभ्यास करने दें।	विद्यार्थी खुद को स्वस्थ रखने के लिए सरल व्यायाम एवं योग कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		शिक्षक विद्यार्थियों को विद्यालय में शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु कुछ क्रियाकलापों जैसे पोस्टर बनाना, रैली निकलना आदि के लिए प्रेरित करते हुए यह क्रियाकलाप करा सकते हैं।	विद्यार्थी श्वास सम्बन्धी सरल व्यायाम कर पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

- अंग्रेज़ी की कविता (लिंक: https://drive-google-com/open\id(1h9K5dooorgy27CRGuKGjj0N72h_0N5Rd) 'Run' पढ़ाई जा सकती है।
- अन्तर कक्षाकक्षीय खेल प्रतियोगिता कराई जा सकती है।
- योग एवं फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए आस पड़ोस में अभियान चलाया जा सकता हैं।

अधिगम विस्तार-

- विद्यार्थी अपने माता पिता या दादा दादी से उनके समय में उनके द्वारा महसूस की गई लैंगिक असमानता के बारे में बातचीत कर सकते हैं।
- विद्यार्थी अपने आस-पास में लड़के एवं लड़कियों में समानता के बारे में जागरूकता लाने हेतु बातचीत द्वारा लोगों को संवेदनशील बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-15

थीम – किताबें

एकीकृत विषय- अंग्रेज़ी (Book, Going to Buy A Book), पर्यावरण अध्ययन (हमारे आस-पास की जगहें), गणित (जमा, घटा, गुणा एवं भाग), कला शिक्षण (बुकमार्क)

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- कहानी की कुछ किताबों के नाम बताने में (पंचतंत्र, अरेबियन नाइट्स, मालगुडी डेज़)
- किताबें पढ़ने एवं खरीदने में रूचि उत्पन्न करने में
- पुस्तकालय, अस्पताल, सब्ज़ी की दुकान, पोस्ट ऑफ़िस, खिलौनों की दुकान इत्यादि जगहों पर लिखे जाने वाले शब्दों एवं चिह्नों को बताने में
- हमारे आस-पास पास की जगहों पर व्याख्या करने में (पुस्तकालय, बाज़ार, स्कूल, अस्पताल इत्यादि)
- जानकारी माँगने एवं देने हेतु वार्तालाप करने में
- भविष्य काल के वाक्यों का अभ्यास करने में
- अपनी पसंदीदा किताब पर 3-4 पंक्तियाँ बोलने एवं लिखने में
- क्लास लाइब्रेरी के संप्रत्यय की सराहना करने में
- गणित के चारों आधारभूत तत्त्वों (जमा, घटा, गुणा एवं भाग) को करने में
- बुकमार्क बनाने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- पुस्तकालय, अस्पताल, स्कूल, पोस्ट-ऑफिस इत्यादि की वीडियो/चित्र, शादी के पुराने कार्ड, कैंची, रंगीन चार्ट, फैविकोल, क्लास लाइब्रेरी का चित्र/वीडियो, पुराने अखबार

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी चित्र वर्णन करना जानते हैं। जमा, घटा, गुणा, भाग के सरल सवालों को हल कर सकते हैं। अंग्रेज़ी के सरल वाक्य पढ़कर समझ सकते हैं।

प्रस्तुतीकरण -

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
हमारे आसपास की जगहें	वीडियो अथवा चित्र (पुस्तकालय, अस्पताल, स्कूल, पोस्ट-ऑफ़िस, इत्यादि)	विद्यार्थियों को पुस्तकालय, अस्पताल, विद्यालय, पोस्ट ऑफ़िस, सब्ज़ी की दुकान, खिलौनों की दुकान इत्यादि की वीडियो या चित्र दिखाते हुए कक्षा की शुरूआत की जा सकती है। 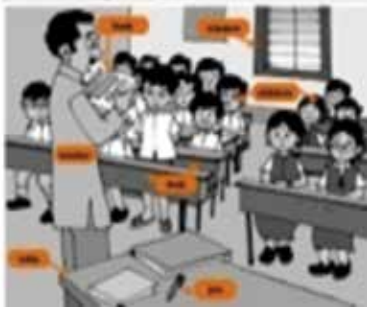 विद्यार्थियों को समूह में काम करने दें एवं कॉपी में यह सूची बनाने को कहा जा सकता है, जिसमें उनको उन सभी शब्दों का नाम लिखना है जो उन्होंने दिखाई गई जगहों पर देखें हो। उनको अपनी सूची एक दूसरे के साथ साझा करने दें एवं अवसर दें कि दूसरे बच्चे भी उस सूची में बचे हुए शब्दों को जोड़ पाएं।	विद्यार्थी पुस्तकालय, अस्पताल, सब्ज़ी की दुकान, पोस्ट ऑफ़िस, खिलौनों की दुकान, इत्यादि जगहों पर लिखे जाने वाले शब्दों एवं चिह्नों को बता पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		शिक्षक श्यामपट्ट पर वे शब्द लिख सकते हैं। उदाहरण स्वरूप स्कूल के लिए निम्नलिखित शब्द लिखे जा सकते हैं जैसे - प्रधानाचार्य ऑफ़िस, स्टाफ रूम, कंप्यूटर लैब, रिसेप्शन, हेल्प डेस्क, पुस्तकालय, प्राइमरी विंग, सीढ़ियाँ, स्पोर्ट्स रूम इत्यादि। शिक्षक इस गतिविधि से जोड़ते हुए यह पूछ सकते हैं कि विद्यार्थी अपनी किताबें कहाँ से लाते हैं? इस पर विद्यार्थी निम्न जवाब दे सकते हैं - पुस्तकालय से लेते हैं, किताबों की दुकान से खरीदते हैं या दूसरों से पढ़ने के लिए उधार मांग लेते हैं।	विद्यार्थी हमारे आस-पास की जगहों की व्याख्या कर पाएँगे (पुस्तकालय, बाज़ार, स्कूल, अस्पताल इत्यादि)।
		उनके उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनसे यह पूछा जा सकता है कि उन्हें किस तरह की किताबें पढ़ना पसंद हैं? क्या उन्होंने विषय की किताबों से हटकर कोई और किताबें भी पढ़ी हैं? अगर हाँ तो कुछ का नाम बताएँ। उनके उत्तरों को श्यामपट्ट पर लिख कर और चर्चा की जा सकती है।	

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उनकी पढ़ने की आदत को प्रेरित करने के लिए शिक्षक उन्हें किसी किताबों की दुकान अथवा सेंट्रल लाइब्रेरी में ले जा सकते हैं।	
'Books'	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1CzQ8ulrdy1AUbwTpSyqQARwR86YpBxM9	ऊपर की गई चर्चा से जोड़ते हुए शिक्षक अंग्रेज़ी की कविता - 'Books' को उचित हाव-भाव, लय-ताल एवं उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ा सकते हैं। विद्यार्थी एकल या समूह में कविता को गा सकते हैं एवं नए शब्दों को रेखांकित करके उनका अर्थ शिक्षक की सहायता से पता कर सकते हैं।	
जमा, घटा, गुणा एवं भाग		ऊपर की गतिविधि करने के बाद उन्हें कहा जा सकता है कि उनको किताबों की दुकान से किताबें खरीदने जाना है और उनके पास 650 रूपये हैं तब वह निम्न में से कौन सी किताबें खरीदेंगे और कितनी? (यह एक समूह क्रियाकलाप है)	विद्यार्थी कहानी की किताबों के नाम बता पाएँगे (पंचतंत्र, अरेबियन नाइट्स, मालगुडी डेज़)
		<table><tr><th>किताब का नाम</th><th>कीमत/ रुपयों में)</th><th>संख्या</th></tr><tr><td>पंचतंत्र</td><td>24</td><td>...</td></tr><tr><td>डोरेमोन और उसके दोस्त</td><td>30</td><td>...</td></tr><tr><td>मालगुडी डेज़</td><td>40</td><td>...</td></tr><tr><td>परियों की कहानियाँ</td><td>15</td><td>...</td></tr><tr><td>अरेबियन नाइट्स</td><td>35</td><td>...</td></tr></table>	

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों को समूह में कार्य करने दें ताकि वे जमा, घटा, गुणा, भाग, करके इस टेबल को पूरा कर पाएँ। उनको आगे आकर, कक्षा के समक्ष यह साझा करने दें कि किस प्रकार उन्होंने यह टेबल पूरी की। उनकी गणना ध्यानपूर्वक देखते हुए शिक्षक अपनी प्रतिक्रिया प्रदान करेंगे। विद्यार्थियों की गणना और अधिक मज़बूत करने के लिए शिक्षक, इसी प्रकार के अन्य प्रश्न भी दे सकते हैं।	विद्यार्थी गणित के चारों आधारभूत तत्त्वों (जमा, घटा, गुणा एवं भाग) को कर पाएँगे।
Going To Buy a Book	लिंक : https://drive.google.com/ open?id=1CzQ8ulrdy1AUbw TpSyqQARwR86 Yp-BxM9	इसी चर्चा से जोड़ते हुए शिक्षक दो बच्चों की कहानी 'Going to Buy a Book' पढ़ा सकते हैं। आदर्श वचन करते हुए सटीक उच्चारण से विद्यार्थियों को मौन वाचन एवं उसके बाद अनुकरण वाचन के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उनको नए शब्दों से परिचित कराया जाएगा एवं आपस में चर्चा करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। शिक्षक उनकी चर्चा को उचित दिशा देते हुए पाठ का समापन कर सकते हैं।	विद्यार्थी किताबें पढ़ने में रूचि उत्पन्न कर पाएँगे।
भविष्यकाल (Future Tense)	पुराने अखबारों की कटिंग	विद्यार्थियों को भविष्य काल के कुछ वाक्य अभ्यास के लिए दिए जा सकते हैं। शुरूआत में वाक्य बनाने का एक ढांचा दिया जा सकता है जैसे: Write 5 sentences beginning with - 1. I shall…….. 2. I shall……..	विद्यार्थी भविष्यकाल के वाक्यों का अभ्यास कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण- अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		3. I shall…….. 4. I shall…… 5. I shall…….. विद्यार्थियों को अपने पूर्वज्ञान से सीखने दें, कि भविष्य काल में Will/Shall का इस्तेमाल होता है। उनको पुराने अखबारों की प्रति देकर, ऐसे वाक्य ढूँढ़ने को कहा जा सकता है, और उसका अर्थ भी समझाया जा सकता है। यह गतिविधि एकल अथवा समूह में की जा सकती है।	
बुकमार्क (कला शिक्षण)	रंग, शादी के पुराने कार्ड, कैंची, रंग-बिरंगे, चार्ट, फैविकोल	इस चर्चा के बाद विद्यार्थियों को विभिन्न रंग पुराने शादी के कार्ड, कैंची, फेविकोल, रंग-बिरंगे चार्ट इत्यादि देकर बुकमार्क बनाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन एवं पुनर्बलन दिया जा सकता है।	विद्यार्थी बुकमार्क बना पाएँगे।
क्लास लाइब्रेरी	क्लास लाइब्रेरी का चित्र अथवा वीडियो	क्लास लाइब्रेरी की अवधारणा भी बताई जा सकती है ताकि विद्यार्थी ज़्यादा से ज़्यादा किताबें पढ़ने के लिए उत्सुक हो सकें। उनको अपनी पसंदीदा किताब पर पांच पंक्तियाँ लिखने एवं बोलने के लिए भी कहा जा सकता है। शिक्षक उनको अपने विचार खुलकर बोलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।	विद्यार्थी क्लास लाइब्रेरी के संप्रत्यय की सराहना कर पाएँगे। विद्यार्थी अपनी पसंदीदा किताब पर 4-5 पंक्तियाँ बोल एवं लिख पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

- पुस्तकालय में मौजूद किताबों में से क्विज़ कॉम्पीटीशन करवा सकते हैं, ताकि विद्यार्थियों की किताब पढ़ने की आदत को पुनर्बलन मिल सके।
- पुस्तक मेले में विद्यार्थियों को घुमाने ले जा सकते हैं।
- गणित के आधारभूत जमा, घटा, गुणा, भाग की गणना को मज़बूत करने के लिए अन्य परिस्थितिजनक प्रश्न दे सकते हैं।
- किताबों का आविष्कार कैसे हुआ इस विषय पर भी चर्चा कर सकते हैं।
- किताबों के कवर पेज भी बनवा सकते हैं।

अधिगम विस्तार-

- विद्यार्थियों को कक्षा पुस्तकालय में या किसी ज़रूरतमंद को अपनी पुरानी किताबें दान करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- विद्यार्थी अपने माता-पिता/दादा-दादी से उनके द्वारा पढ़ी गई किताबों के बारे में पूछें।
- विद्यार्थियों को अपनी कहानी की किताबें खुद बनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-16

थीम - परिवहन

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्ययन (नानी के घर तक), गणित (गति, दूरी, समय एवं इनके बीच में संबंध), पर्यावरण अध्ययन (दिल्ली से भारत की ओर), सामान्य ज्ञान, हिंदी (नाव बनाओ नाव बनाओ), कला शिक्षण (काग़ज की नाव)

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- अपने दादा-दादी/नाना-नानी अथवा किसी रिश्तेदार के घर आने-जाने के किस्से साझा करने में
- आने जाने में इस्तेमाल होने वाले साधनों एवं उनके प्रकार के बारे में बताने में
- भारत के मानचित्र में जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, कन्याकुमारी, हैदराबाद, कोलकाता, राज्यों को दर्शा पाने में एवं उन राज्यों की कुछ विशेषताओं को बनाने में
- इन राज्यों से जुड़े सामान्य ज्ञान के तथ्यों को जानने में
- कविता को उचित हाव-भाव, लय-ताल एवं उतार-चढ़ाव के साथ गाने में
- कागज़ की सुंदर नाव बनाने में
- गति, दूरी, समय एवं इनके बीच संबंध को जानने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- भारत का मानचित्र, कागज़, कैंची, ओरिगामी शीट्स, रंग।

पूर्वज्ञान-

- विद्यार्थी यातायात के विभिन्न साधनों में यात्रा कर चुके हैं। वे कुछ राज्यों के बारे में एवं उनकी विशेषताओं के बारे में थोड़ा बहुत ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
नानी के घर तक	लिंक https://drive.google.comèopen?id=1ON7SB6ACi NYt T8duriMLV-VKIvn8aOx1	कक्षा की शुरुआत में विद्यार्थियों से पूछा जा सकता है कि किसके दादा-दादी नाना-नानी उनसे अलग किसी दूसरे गांव या शहर में रहते हैं? विद्यार्थी अपने विचार एवं बातें एक दूसरे के साथ साझा करेंगे। दादा-दादी/ नाना-नानी के प्रति अपने लगाव या फिर उनसे सुनने वाली कहानियां या सीख इत्यादि को कक्षा के सामने साझा किया जा सकता है। विद्यार्थी उनसे मिलने वाली सीख को अपनी कॉपी में लिख सकते हैं। यह कार्य समूह में करवाया जा सकता है। इसी गतिविधि को आगे बढ़ाते हुए आस-पास का पाठ 'नानी के घर तक' पढ़ाया जायेगा। निम्न बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है: • यातायात के विभिन्न साधन • समय, गति, दूरी एवं इनके बीच में सम्बन्ध की अवधारणा • केरल राज्य	विद्यार्थी अपने दादा-दादी/ नाना-नानी अथवा किसी रिश्तेदार के घर आने-जाने के किस्से साझा कर पाएँगे। आने-जाने में इस्तेमाल होने वाले साधनों एवं उनके प्रकार के बारे में बता पाएँगे।
गणित (गति, दूरी, समय एवं इनके बीच में संबंध) (सिर्फ़ अवधारणा)		विद्यार्थियों से यह पूछा जा सकता है की अगर एक रेल गोवा से केरल पहुंचने के लिए, जो कि 1800 kms की दूरी पर है, में 2 घंटे लेती है तो उस रेल की गति क्या होगी? यहाँ शिक्षक विद्यार्थियों में गति, दूरी और समय तथा इनमें आपस में सम्बन्ध की अवधारणा को बता सकते हैं।	विद्यार्थी गति, दूरी, समय एवं इनके बीच संबंध को जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों को इसी प्रकार के और प्रश्न दिए जा सकते हैं ताकि उनकी इस अवधारणा को दृढ़ता मिल सके।	
दिल्ली से भारत की ओर	भारत का मानचित्र	केरल के बारे में बताते हुए विद्यार्थियों को समूह में भारत के मानचित्र में इन राज्यों को देखने को कहा जा सकता है: जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, कन्याकुमारी, हैदराबाद, कोलकाता। इसी गतिविधि को जारी रखते हुए 'दिल्ली से भारत की ओर' को पढ़ाया जा सकता है एवं इन बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है: • विभिन्न राज्य एवं उनकी विशेषताएं • दिशाएँ • मौसम • उद्योग (सूती वस्त्र उद्योग, चीनी उद्योग, एवं आभूषण उद्योग) • इन राज्यों में बहने वाली नदियाँ	विद्यार्थी भारत के मानचित्र में विभिन्न राज्यों को दर्शा पाएँगे एवं उन राज्यों की कुछ विशेषताओं को बता पाएँगे।
सामान्य ज्ञान		चर्चा के पश्चात् सामान्य ज्ञान की निम्न कार्यपत्रिका दी जा सकती है: 1. किस राज्य को गुलाबी शहर के नाम से जाना जाता है? 2. कोलकाता राज्य कौन-सी नदी के तट पर स्थित है?	विद्यार्थी विभिन्न राज्यों से जुड़े सामान्य ज्ञान के तथ्यों को जान पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		3. भारत के कौन से राज्य को सिलिकॉन वैली के नाम से जाना जाता है? 4. श्रीनगर की कौन-सी झील विश्व प्रसिद्ध है? 5 आंध्रप्रदेश की राजधानी क्या है?	
हिंदी (नाव बनाओ, नाव बनाओ)	लिंक : https://drive.google.com/open?id=1LbPXd3Z3hjHbvaoPkcYJtKh-a1_jy3Au 	नदियां एवं जलमार्ग के यातायात के बारे में चर्चा करते हुए हिंदी की कविता 'नाव बनाओ, नाव बनाओ' उचित हाव-भाव, लय-ताल, उतार-चढ़ाव के साथ पढ़ाई जा सकती है। एकल अथवा समूह में विद्यार्थियों को कविता गायन के प्रति प्रेरित किया जा सकता है। पाठ में आये नए एवं तुकांत शब्दों को बताया जा सकता है।	विद्यार्थी कविता को उचित हाव-भाव, लय-ताल एवं उतार-चढ़ाव के साथ गा पाएँगे।
कला शिक्षण (कागज़ की नाव)	कागज़, कैंची, ओरिगामी शीट्स, रंग।	ज़रूरी सामान समूह में बांटते हुए विद्यार्थियों को कागज़ की नाव बनाने को कहा जा सकता है। उनको सृजनात्मकता से सोचने एवं आपस में चर्चा करने के पश्चात् नाव पर एक छोटी सी कविता बनाने को कहा जा सकता है एवं नाव में बैठने के उनके अपने अनुभव 4-5 पंक्तियों में लिखने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।	विद्यार्थी कागज़ की सुंदर नाव बना पाएँगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव:

- विद्यार्थियों को कागज़ का हवाई जहाज़ बनाने को भी कहा जा सकता है ।
- किसी राज्य के प्रसिद्ध व्यंजन के बारे में चर्चा की जा सकती है। सामूहिक गतिविधि में उसको बनवाया भी जा सकता है, जैसे- भेल पूरी।
- दादा-दादी, नाना-नानी, की हथेलियों की छाप से कोई चित्र या पेंटिंग घर से बनवाने के लिए सुझाई जा सकती है।

अधिगम विस्तार:

- विद्यार्थी अपने दादा-दादी/नाना-नानी को 'Thank You Card' बना कर दे सकते हैं।
- अपने दादा-दादी/नाना-नानी के पसंदीदा भजन को गाना सीख सकते हैं।
- किसी भी राज्य पर 5 पंक्तियां लिख सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-17

थीम – मैदान तथा घेरा

एकीकृत विषय- गणित (खेत और बाड़), English (Alice in Wonderland), पर्यावरण अध्ययन (बसवा का खेत), कला (पार्क का चित्र बनाना)

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे :

- 'परिधि और क्षेत्र' की अवधारणा को समझ कर उसका उपयोग करने में
- मीटर को से.मी. एवं से.मी. को मीटर में बदलने में
- फसलों को उगाने के लिए आवश्यक उपकरणों और नियमों के बारे में जानने में
- विस्तारपूर्वक व्यापक ढ़ंग से पढ़ने में
- नए शब्दों को जानने में
- एक बगीचे का चित्र बनाने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- रूलर, धागा, रंग, नापने वाला टेप, वीडियो और फ़ोटो

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी गणित के 4 बुनियादी संचालन जानते हैं, और एक सीधी वस्तु की लंबाई को मापना जानते हैं। विद्यार्थियों ने बगीचों का दौरा किया है।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
परिधि	रूलर, पेंसिल, गणित की किताब	विद्यार्थियों से उनकी 'गणित का जादू पुस्तक' की लंबाई और चौड़ाई को मापने के लिए कहें। • क्या सभी विद्यार्थियों का माप समान है?	विद्यार्थी 2 और 3 अंकों की संख्याओं को गुणा कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		अब उन्हें अपने परिवेश में विभिन्न वस्तुओं की सीमाओं को मापने के लिए कहें - जैसे ज्योमेट्री बॉक्स, लंच बॉक्स, डस्टर, डेस्क, नोटबुक, आदि। शिक्षक विद्यार्थियों के उत्तरों के आधार पर उन्हें परिधि की व्याख्या करते हुए समझाएँ। उनके साथ 'परिधि' की अवधारणा पर चर्चा करें।	विद्यार्थी नियमित और अनियमित आकृतियों की सीमाओं की कुल लंबाई की गणना करने में सक्षम होंगे।
घुमावदार सीमाओं की परिधि	धागा, रूलर, स्क्वेयर शीट, पेंसिल, https://diksha.gov.in/play/collection/do_3131035193398 6406411183?referrer=utm_source%3 Dmobile%26utm_campaign%3Dshare_content&contentId= contentId=do_31307967210 9899776110051	शिक्षक 4 से 5 विद्यार्थियों के छोटे-छोटे समूह बनाएँगे। उन्हें कुछ वक्र वस्तुएँ देंगे और उन्हें इन वक्र वस्तुओं की परिधि सीमा मापने दें। उन्हें कोशिश करने और विचार-मंथन करने दें। घुमावदार सीमाओं वाली किसी वस्तु की परिधि को मापने के लिए धागे या चौकोर शीट का उपयोग करने के लिए उनका मार्गदर्शन करें।	विद्यार्थी घुमावदार वस्तुओं की परिधि माप पाएँगे
मीटर को से.मी. एवं से.मी. को मीटर में बदलना	मापने वाला टेप, पेंसिल, नोटबुक	कक्षा को समूह में विभाजित किया जाएगा और विद्यार्थियों को अपनी कक्षा, गलियारे और क्षेत्र की सीमाओं को मापना है। मीटर और सेंटीमीटर की अवधारणा को पेश करने के लिए शिक्षक इस गतिविधि का उपयोग करें और मीटर को सेंटीमीटर तथा सेंटीमीटर को मीटर में बदलना सिखाएँ। 1 मी. = 100 से.मी. 1 से.मी. = 1/100 मी.	विद्यार्थी क्षेत्र और परिधि की समझ बना पाएँगे। विद्यार्थी मीटर को सेंटीमीटर में बदलना और सेंटीमीटर को मीटर में बदल पाएँगे। विद्यार्थी किसी वस्तु की लंबाई/दो वस्तुओं के बीच की दूरी का अनुमान लगा पाएँगे। विद्यार्थी किसी वस्तु की लंबाई/दो वस्तुओं के बीच की दूरी का अनुमान लगा पाते हैं।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
क्षेत्र		विद्यार्थी अपनी कक्षा में टाइलों की संख्या गिनेंगे और विचार करेंगे: • यदि हम इससे छोटे आकार की टाइलें या इससे बड़े आकार की टाइलें इस्तेमाल करें तो क्या होगा? क्या हमें अधिक टाइलें या कम टाइलें चाहिए? • विद्यार्थी उनके घर के विभिन्न कमरों में टाइलों की संख्या गिनेंगे। • शिक्षक उनके साथ क्षेत्र की अवधारणा पर चर्चा करें।	
क्षेत्र से परिधि तक यह जानने के लिए कि खेती कैसे की जाती है		विद्यार्थियों को स्कूल के खेल के मैदान में ले जाएँ। अपनी कक्षा के आकार के अनुसार उन्हें 4-5 के छोटे समूहों में विभाजित होने दें। उन्हें फूलों की क्यारी का आकार मापने दें। उन्हें दो पौधों के बीच की दूरी का निरीक्षण करने दें। 	विद्यार्थी फसलों के उत्पादन की प्रक्रिया को समझ पाएंगे और दैनिक ज़रूरतें (जैसे, भोजन, पानी, कपड़े) स्रोत से घर तक कैसे पहुंचती है यह बता पाएंगे। (उदाहरण के लिए- खेत से लेकर मंडी और फिर मंडी से घर तक)।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थी देखेंगे कि विभिन्न आकार के फूलों की क्यारियों में अलग-अलग संख्या में पौधे होते हैं। यदि 1 वर्ग मीटर भूमि तैयार करने में 10 मिनट का समय लगता है, तो 20 वर्ग मीटर भूमि तैयार करने में कितना समय लगेगा?	विद्यार्थी यह जान पाएँगे कि बीज बोने या पौधे लगाने के लिए मिट्टी कैसे तैयार की जाती है।
बसवा का खेत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31304217231610675212097?referrer=utm_source%3Dmobile%26utm_campaign% 3Dshare_content&contentId =do_31277093746773196811699	विद्यार्थी अपने माता-पिता या दादा-दादी से बात करके खेती के बारे में अधिक जानकारी एकत्र कर सकते हैं। विद्यार्थी चर्चा करेंगे और अपनी जानकारी कक्षा के साथ साझा करेंगे और फिर पर्यावरण अध्ययन विषय का अध्याय 'बसवा का खेत' पढ़ेंगे। विद्यार्थी खेती के बारे में अपनी जानकारी को 5 से 6 वाक्यों में लिखेंगे।	विद्यार्थी खेती के तरीकों से अवगत हो पाएँगे। विद्यार्थी किसानों के प्रति संवेदनशील हो पाएँगे।
कल्पना और रचनात्मकता		विद्यार्थी अपनी कल्पना का एक बगीचा बनाएंगे और आवश्यक विभिन्न माप लिखेंगे जैसे - बगीचे की लंबाई और चौड़ाई, पथ की चौड़ाई, फूलों की क्यारियों का आकार, आदि।	विद्यार्थी बगीचे का चित्र बना पाएँगे।
ऐलिस इन वंडरलैंड (Alice in Wonderland)	Link https://g.co/kgs/mjLHHg	शिक्षक विद्यार्थियों के साथ English पाठ 'Alice in Wonderland' पढ़ेंगे। विद्यार्थी अपने सपनों और जादू विषय पर चर्चा करेंगे और फिर अपने विचार साझा करेंगे।	विद्यार्थी नए शब्द और उनका उपयोग सीखेंगे। वे अपने सपनों को कक्षा के साथ साझा करेंगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव-

शिक्षक - शिक्षण को और प्रभावशाली बनाने के लिए आईसीटी उपयोग कर सकते हैं । शिक्षक विद्यार्थियों के साथ बिल इवांस के 'Alice in Wonderland' गीत को गा सकते हैं।

अधिगम विस्तार-

विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तक 'गणित का जादू' से कुछ गतिविधियाँ स्वयं करने को कहें।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-18

थीम – ट्रिप

एकीकृत विषय- गणित (भोपाल की सैर), पर्यावरण अध्ययन (ओमना का सफ़र), हिन्दी (डायरी लेखन)

अवधि- न्यूनतम 10 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- योजना बनाने में
- 2 से 3 संख्याओं की जोड़, घटा, गुणा और भाग करने में
- समय प्रबंधन के महत्त्व को विकसित करने में
- अपनी पसंदीदा भाषा में स्थानों और व्यक्तिगत अनुभवों के बारे में मौखिक रूप से / लिखित रूप से वर्णन करने में
- डायरी लिखने में
- मानचित्र पर जगह का पता लगाने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- वेब-लिंक, तस्वीरें, भारत का मानचित्र

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को गणित के 4 बुनियादी कार्यों का ज्ञान है। विद्यार्थियों को यात्रा पर जाने का अनुभव है।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पिछले ज्ञान का आंकलन		विद्यार्थियों को किसी भी यात्रा या स्कूल पिकनिक के बारे में अपने अनुभव साझा करने के लिए कहें। • यात्रा की योजना किसने बनाई थी? • उन्हें यात्रा के बारे में क्या पसंद आया? • यात्रा से पहले वे क्या तैयारी करते हैं?	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
योजना और समय प्रबंधन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31304217456558899211746?referrer=utm_source%3Dmobile%26utm_campaign%3D-share_content&contentId= do_3129719209308160001695	विद्यार्थी कल्पना करेंगे कि यदि कक्षा में प्रत्येक पंक्ति एक बस है और उन्हें अपने स्कूल पिकनिक की योजना बनानी है। • कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों की कुल संख्या की गणना करें। • विद्यार्थियों को इस तरह विभाजित करें कि प्रत्येक पंक्ति में बराबर संख्या में विद्यार्थी हों। (विद्यार्थी स्वयं विभाजन करेंगे, शिक्षक उनका मार्गदर्शन करेंगे। • हमारे पास प्रत्येक बस में कितने विद्यार्थी हैं? • विद्यार्थी अपनी नोटबुक में जानकारी लिखेंगे, जबकि शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर ऐसा ही करेंगे तदनुसार अनुसूची की योजना बनाएंगे। कक्षा और खंड- ..... समूह संख्या - ..... नाम - ..... कुल विद्यार्थी- ..... एक बस में विद्यार्थियों की कुल संख्या - ..... कुल आवश्यक बस की संख्या -	विद्यार्थी किसी भी कार्य से पहले योजना बनाने के महत्त्व और बुनियादी योजना को कैसे करें, यह जान पाएँगे।

<table>
<tr><th>अवधारणा</th><th>शिक्षण-अधिगम संसाधन</th><th>शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया</th><th>अपेक्षित अधिगम परिणाम</th></tr>
<tr><td></td><td></td><td>
<table>
<tr><th>गंतव्य</th><th>आगमन का समय</th><th>प्रस्थान का समय</th><th>गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक समय</th></tr>
<tr><td>विद्यालय</td><td>प्रात: 9:00 बजे</td><td>प्रात: 10:00 बजे</td><td>गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक समय 40 मिनट</td></tr>
<tr><td>A</td><td>प्रात: 10:40 बजे</td><td>------</td><td>स्थान की सैर के लिए 1 घंटा है। A से B तक पहुंचने के लिए 30 मिनट</td></tr>
<tr><td>B</td><td>अपराह्न 12:10 बजे</td><td>------</td><td>स्थान की सैर के लिए 1 घंटा A B से C तक पहुंचने के लिए 35 मिनट</td></tr>
<tr><td>C</td><td>------</td><td>अपराह्न 2:45 बजे</td><td>स्थान की सैर के लिए 1 घंटा और C से विद्यालय पहुंचने के लिए 25 मिनट</td></tr>
<tr><td></td><td>अपराह्न 3:10 बजे</td><td></td><td>गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक समय</td></tr>
</table>
</td><td></td></tr>
<tr><td>एक योजना/नक्शा बनाना</td><td> 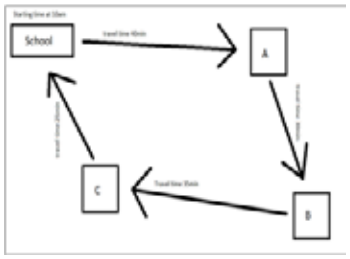
</td><td>विद्यार्थी एक निर्देशित प्रारूप में उपरोक्त अनुसूची के अनुसार एक नक्शा तैयार करेंगे।</td><td>विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में म्रानचित्रों के उपयोग और महत्त्व के बारे में जानेंगे।</td></tr>
</table>

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
निर्देशित मानचित्र		• विद्यार्थी मानचित्र के उपयोग के महत्त्व पर चर्चा करेंगे। • शिक्षक इस गतिविधि के बाद विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तरों के अनुसार विद्यार्थियों का आकलन भी कर सकते हैं। शिक्षक विद्यार्थियों को गंतव्य A, B और C को उन स्थानों के नाम से बदलने के लिए भी कह सकते हैं जहाँ वे जाना चाहते हैं या गए हैं।	
बोलने का कौशल		विद्यार्थी अपनी योजना को अन्य विद्यार्थियों के सामने प्रस्तुत करेंगे और 3 से 4 पंक्तियों में भी बोलेंगे, कि वे अपनी योजना में उल्लिखित स्थानों पर जाना क्यों पसंद करते हैं।	विद्यार्थी घटनाओं और स्थलों के बारे में संक्षेप में (मौखिक रूप से) वर्णन कर पाएँगे।
योजना के मौद्रिक मुद्दे	पेंसिल, पेपर, रेट लिस्ट	विद्यार्थी अपने शिक्षक के साथ अपने मूल्य के साथ जलपान के लिए वस्तुओं की एक सूची बनाएँगे। क्र.सं. | वस्तु | मूल्य 1 | 1 पैकेट बिस्किट | 5/- 2 | 1 पैकेट नमकीन | 5/- 3 | 1 पैकेट फ्रूटी | 10/- 4 | 1 मफिन | 5/- 5 | 2 केले | 10/- | कुल | ...../- (यह केवल एक सुझावात्मक सूची है। विद्यार्थी अपनी स्वयं की सूची बना सकते हैं।)	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थी गणना करेंगे: एक विद्यार्थी के जलपान के लिए आवश्यक धनराशि = _____/- सभी विद्यार्थियों के जलपान के लिए आवश्यक धनराशि = _____×_____=_____/-	विद्यार्थी खर्चे का हिसाब लगा पाएँगे।
ओमना का सफ़र (मानचित्र पढ़ने और लिखने का कौशल)	गूगल मैप, गूगल अर्थ भारत का मानचित्र। https://diksha.gov.in/play/collection/do_31304217570607104012144?referrer=utm_source%3Dmobile%26utm_campaign%3Dshare_content&contentId=-do_31295056829956915211 90 	• शिक्षक भारत का मानचित्र लाएँगे और विद्यार्थी उन स्थानों का पता लगाएँगे, जिन्हें उन्होंने मानचित्र पर सूचीबद्ध किया है और जहाँ वे जाना चाहते हैं। • विद्यार्थी किसी भी स्थान की यात्रा के अपने अनुभवों के बारे में 5 से 6 पंक्तियाँ लिखेंगे। विद्यार्थी अपने लेखन को अपने सहयोगियों के साथ साझा करेंगे। शिक्षक तब विद्यार्थियों को यह समझाकर इस गतिविधि का और विस्तार कर सकते हैं कि हम अपने दोस्तों के साथ मौखिक रूप से या लिखित रूप में अपने अनुभव कैसे साझा कर सकते हैं और फिर उन्हें ओमना के बारे में अवगत कराएँगे, जिसने अपनी यात्रा के बारे में अपनी डायरी में लिखा था, ताकि उसकी दोस्त जो साथ नहीं जा सकी (उसके पैर में फ्रैक्चर के कारण) उसकी यात्रा से जुड़े उसके अनुभव के बारे में जान सके। शिक्षक विद्यार्थियों के साथ इस बात पर भी चर्चा करेंगे कि यदि ओमाना अपने अनुभवों को मौखिक रूप से साझा कर सकती है तो उसे डायरी लिखने की आवश्यकता क्यों है?	विद्यार्थी अपने शिक्षक के मार्गदर्शन से मानचित्र पर स्थानों का स्वयं पता लगाने में सक्षम होंगे। विद्यार्थी अपने अनुभवों को लिखित रूप में बता पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थी पर्यावरण अध्ययन से 'ओमना का सफ़र' अध्याय पढ़ेंगे।	

शिक्षकों के लिए सुझाव-

शिक्षक इन गतिविधियों से प्राप्त ज्ञान का उपयोग पर्यावरण अध्ययन से 'ओमाना का सफ़र' अध्याय को पढ़ाने के लिए कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार-

विद्यार्थी अपने दादा-दादी के घर की यात्रा के बारे में अपने अनुभवों को साझा करते हुए एक डायरी लिखें।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-19

थीम – जीवन कौशल

एकीकृत विषय- गणित (कबाड़ीवाली), पर्यावरण अध्ययन (फैजी वहीदा), कला कौशल (रोल प्ले)

अवधि- न्यूनतम 9 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- समूहों में प्रभावी ढंग से काम करने में
- दूसरों के साथ उचित रूप से संवाद करने में
- लैंगिक मुद्दों के बारे में संवेदनशील बनने में
- श्रम के महत्त्व और गरिमा को स्वयं में शामिल करने में
- रचनात्मक क्षमता विकसित करने में जैसे-रोल प्ले करना, चित्र बनाना
- अपने दैनिक जीवन में गणित के 4 बुनियादी कार्यों का प्रयोग करने में
- लाभ और हानि की गणना करने में
- जीवन के संघर्षों के बारे में संवेदनशील बनने और चुनौतियों का सामना न करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- विभिन्न व्यवसायों (जैसे कबाड़ नाविक, राजमिस्त्री, मज़दूर, रिक्शा चालक, किसान आदि) के लोगों के जीवन को दर्शाने वाले लोगों के चित्र और वीडियो। मार्कर, कलम, पेंसिल, कागज़, कागज़ का पैसा, भारत का राजनीतिक मानचित्र

पूर्व-ज्ञान- विद्यार्थी जोड़, घटाव, गुणा और भाग की अवधारणा को जानते हैं। उन्हें समूह निर्माण और समूह चर्चा को व्यवस्थित करने के बारे में ज्ञान है। कबाड़ीवाला और विभिन्न कार्य जो लोग अपनी आजीविका कमाने के लिए करते हैं, उनसे परिचित हैं।

प्रस्तुतीकरण-

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्वज्ञान	कबाड़ - विक्रेता, रिक्शा चालक, किसान, आदि लोगों के जैसे जीवन को दर्शाने वाले वीडियो / चित्र	शिक्षक कुछ लोग जैसे किसान, मज़दूर, राजमिस्त्री, कबाड़ बेचने वाले आदि के चित्र और वीडियो दिखाएंगे। फिर विद्यार्थियों से पूछें कि क्या वे इन लोगों की पहचान कर सकते हैं। विद्यार्थियों के बीच चर्चा करने के लिए सुझावात्मक प्रश्न:	श्रम का महत्त्व और गरिमा समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		• क्या आप इन्हें पहचानते हैं? • ये अपनी आजीविका कमाने के लिए क्या करते हैं? • क्या आपने इन्हें देखा है? • क्या आप में से कोई जानता है या कल्पना कर सकता है कि उन्हें अपने काम में किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता होगा?	
कबाड़ीवाली - कबाड़ बेचने वाली महिला	कबाड़ विक्रेता का चित्र, वीडियो आईसीटी https://diksha.gov.in/play/collection/do_3131035194043351041955? referrer=utm_source%3Dmobile%26 utm_campaign%3 Dshare_content&content Id=do_31324296748 276121615519	विद्यार्थियों के उत्तरों के माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों के साथ एक कबाड़ विक्रेता के जीवन और कार्य के बारे में चर्चा करेंगे। विद्यार्थियों को इस बारे में चर्चा करने दें कि वे अपने घरों में कबाड़ का क्या करते हैं। उन्हें कबाड़ीवाले को बेचने वाली कुछ वस्तुओं की दर सूची तैयार करने के लिए कहें। ब्लैकबोर्ड पर कबाड़ वस्तुओं की दर सूचीबद्ध करें और विद्यार्थियों से इसे अपनी सूची में लिखने के लिए कहें और पता करें कि उनकी सूची के अनुसार उन्हें अपने कबाड़ के लिए कितना पैसा मिलेगा।	विद्यार्थी विभिन्न वस्तुओं का उनकी सामग्री के आधार पर पृथक्करण कर पाएंगे।

रेट लिस्ट

क्र.सं.	वस्तु का प्रकार	प्रति 1 किलो कीमत
1	बेकार कागज	4/-
2	समाचार पत्र	5/-
3	लोहा	12/-
4	पीतल	170/-
5	प्लास्टिक	10/-

यह एक उदाहरण है।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई सूची के अनुसार शिक्षक सूची में अन्य वस्तुएँ भी जोड़ सकते हैं। विद्यार्थियों को उस सामग्री के आधार पर वस्तुओं को अलग करने दें, जिससे वह बनी हैं।	
फौजी वहीदा	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31310351936206438411588?referrer=utm_source%3Dmobile%26utm_campaign%3Dshare_content&contentId=do_31316431120323379216010 	विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र के कबाड़ विक्रेता को स्मरण करने दें। उन्हें एक कबाड़ विक्रेता की तस्वीर बनाने दें। उन्हें चर्चा करने दें कि क्या एक महिला भी कबाड़ विक्रेता हो सकती है? उन्हें कुछ पेशेवरों जैसे - रक्षा अधिकारी, नर्स, कबाड़ विक्रेता, शिक्षक, आदि के चित्र बनाने के लिए कहें। उनके साथ चर्चा करें कि पेशा किसी लिंग से जुड़ा नहीं है। कोई भी अपनी क्षमता और रुचि के अनुसार कोई भी पेशा चुन सकता है। विद्यार्थियों के साथ पर्यावरण अध्ययन (आसपास) का अध्याय 'फौजी वहीदा' पढ़ें। उपरोक्त चर्चा के माध्यम से उन्हें किरण कबाड़ीवाली (एक महिला जो कबाड़ बेचती है) से परिचित कराएँ। 4-5 विद्यार्थी के समूह बनाएं। प्रत्येक विद्यार्थी को एक पेशा चुनने दें। उन्हें उस पेशे के लिए योग्यता और आवश्यकताओं पर चर्चा करने दें। प्रत्येक समूह अपने पेशे और इसकी आवश्यकताओं के बारे में एक छोटी सी प्रस्तुति देगा।	विद्यार्थी लैंगिक समानता की अवधारणा समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		कोई भी नया काम शुरू करने के लिए हमें कुछ शुरुआती भुगतान/पैसे की ज़रूरत होती है। और इस पैसे का इंतज़ाम हम ऋण लेकर कर सकते हैं। उनके साथ विभिन्न स्रोतों पर चर्चा करें कि हम बैंक, रिश्तेदारों, आस-पड़ोस के लोगों से ऋण ले सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए विचार मंथन के लिए प्रश्न - कबाड़ की दुकान खोलने के बाद आपको क्या लगता है कि क्या हुआ होगा? क्या आप किरण को उसके काम के लिए समर्थन देंगे? विद्यार्थियों के साथ इस बारे में चर्चा करें: • लैंगिक समानता • श्रम का महत्त्व और गरिमा विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें कि कैसे छोटे कबाड़ संग्राहक घरों से रिक्शा, ठेले पर कबाड़ इकट्ठा करते हैं और इसे कबाड़ की दुकानों (जैसे किरण की कबाड़ की दुकान) को बेचते हैं और फिर कबाड़ की दुकान का मालिक संग्रह को बेच देता है। विद्यार्थी कबाड़ की यात्रा को दर्शाने वाला एक फ्लोचार्ट बना सकते हैं।	

शिक्षकों के लिए सुझाव:

चर्चा के बाद शिक्षक विद्यार्थियों को अनीता और मधुमक्खियों से परिचित करा सकते हैं।

अधिगम विस्तार:

विद्यार्थी 5 से 6 पंक्तियों में लिख सकते हैं कि वे अपने माता-पिता के काम में कैसे मदद कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-20

थीम – बाज़ार

एकीकृत विषय – गणित (आधा और चौथाई), पर्यावरण अध्ययन (बाज़ार से घर तक), English (Going to Buy a Book)

अवधि – न्यूनतम 7 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य – विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- समूहों में प्रभावी ढंग से काम करने में
- सब्ज़ियाँ और फल बाज़ार में कैसे पहुँचते हैं यह जानने में
- विभिन्न लोगों के साथ उचित रूप से संवाद करने में
- साझा करने की आदत विकसित करने में
- संवाद लेखन, साइन बोर्ड आदि तैयार करने जैसी रचनात्मक क्षमता विकसित करने में
- समस्याओं को हल करने में, आधा और चौथाई की अवधारणा का प्रयोग करने में
- कविता का सही उच्चारण के साथ पाठ करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन – मार्कर, प्ले मनी, तोल मशीनों के मॉडल और बाज़ार बनाने के लिए अन्य आवश्यक सामग्री, वीडियो, चित्र आदि।

पूर्वज्ञान – विद्यार्थी आधे (½) की अवधारणा को जानते हैं। समान रूप से साझा और वितरित करना जानते हैं।

समूह निर्माण और समूह चर्चा को व्यवस्थित करने के तरीके के बारे में जानकारी रखते हैं। विद्यार्थी बाज़ार से परिचित हैं।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधान	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्व-ज्ञान	A4 शीट	चार विद्यार्थियों के समूह में प्रत्येक समूह को एक कागज़ (A4) वितरित करें। विद्यार्थियों से दो विद्यार्थियों के बीच समान रूप से पेपर साझा करने के लिए कहें। अब इन दोनों विद्यार्थियों से कहें कि वे अपना भाग कक्षा के शेष विद्यार्थियों के साथ बाँटें।	विद्यार्थी एक पृष्ठ को आधा और क्वार्टर में विभाजित करने में सक्षम होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधान	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		"एक आधा दो चौथाई बनाता है"। $\frac{1}{2}=\frac{1}{4}+\frac{1}{4}$ विद्यार्थी अपने पास मौजूद कागज़ की पर्ची पर अपना नाम लिखेंगे और अपने माता-पिता की मदद से उन्हें अपने द्वारा खरीदे गए फलों, सब्ज़ियों, किराने के सामान जैसी घरेलू वस्तुओं की सूची बनाएंगे।	
Poem recitation (Going to Buy a Book)	https://diksha.gov.in/play/ collection/do_3130 25061068791808111653?referrer=utm_source%3 Dmobile%26utm_campaign%3 Dshare_content& contentId=do_ 31277094 670884864011943	शिक्षक विद्यार्थियों के साथ 'Going to Buy a Book' कविता का पाठ करेंगे। कविता की व्याख्या करें और विद्यार्थियों को इस बात पर चर्चा करने दें कि कविता में बच्चों ने पुस्तक कैसे खरीदी। उनके अपने अनुभव क्या हैं? 1 किलो, 1 लीटर, या 1 दर्जन का मूल्य ज्ञात करते समय, वे भिन्न के गुण का उपयोग करेंगे।	विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में आधा और चौथाई की अवधारणा का उपयोग कर पाएँगे।
आधा और चौथाई	किराना व सब्ज़ियों के विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई सूची। सब्ज़ी मंडियों के वीडियो और फ़ोटो।	कक्षा को चार से पाँच विद्यार्थियों के छोटे समूहों में विभाजित किया जाएगा। विद्यार्थियों को सब्ज़ी और फल बाज़ार का वीडियो दिखाइए। अब उनसे अपनी सूची लाने को कहें जिससे उन्होंने तैयार किया है। निम्न बिंदुओं पर चर्चा की जा सकती है: • 1 किलो कितने 250 ग्राम बनता है? • अगर आपकी माँ 1 किलो भिन्डी लाई और आप चार सदस्य हैं तो प्रत्येक सदस्य को कितना मिलेगा?	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधान	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		• यदि 1 किलो आलू की कीमत 30 रुपये है तो आधा किलो आलू का मूल्य क्या होगा? • यदि एक विद्यार्थी को 250 ग्राम लहसुन 40 रुपये में मिले तो 500 ग्राम लहसुन का मूल्य क्या होगा? • 1 किलो का 250 ग्राम कितना होता है? • 1 किलो का 500 ग्राम कितना होता है? • 1 किलो को कितने 250 ग्रा. में विभाजित किया जा सकता है?	विद्यार्थियों की भाग करने की क्षमता का विकास होगा।
बाज़ार से घर तक (रोल प्ले)		विद्यार्थी सब्ज़ी और फल बाज़ार, किराना खरीदारी आदि का चित्रण करते हुए एक नाटक करेंगे। हम आस-पास (पर्यावरण अध्ययन) के बाज़ार से घर तक और सब्ज़ी विक्रेताओं के जीवन के अध्याय से मदद ले सकते हैं। विद्यार्थी खुद को विभिन्न समूहों जैसे थोक व्यापारी, खुदरा विक्रेता, कर्मचारी, ग्राहक आदि में विभाजित करेंगे। अपने अनुभव और अपने परिवेश से एकत्रित जानकारी के आधार पर उन्हें कुछ संवाद तैयार करने दें जो वास्तविक बाज़ार में हो सकते हैं। प्रत्येक समूह को आवश्यक सामग्री जैसे नाम बोर्ड, मूल्यचार्ट, वज़न मशीन, किताबें, प्ले मनी, साइनबोर्ड, पेपर बैग इत्यादि तैयार करने के लिए कहें और कक्षा को मिनी बाज़ार की तरह व्यवस्थित करें।	विद्यार्थियों की कलात्मक क्षमताएं जैसे संवाद तैयार करना, साइन बोर्ड विकसित होगी। साइन बोर्ड का उपयोग करके स्थानों की पहचान करने की क्षमता बढ़ा पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधान	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उन्हें विभिन्न हित धारकों की भूमिका निभाने दें। उन्हें समूह में आपस में चर्चा करने दें कि विभिन्न सब्ज़ियों और फलों की कीमतें प्रतिदिन क्यों बदल रही हैं? एक ही वस्तु की कीमत में अंतर क्यों है? एक विक्रेता को अपना व्यापार शुरू करने से पहले सभी तैयारियों की आवश्यकता होती है। भूमिका निभाने के बाद एक चर्चा का आयोजन किया जा सकता है। विद्यार्थी अपने-अपने समूहों में बैठेंगे। विभिन्न समूहों द्वारा निभाई गई भूमिकाओं का विश्लेषण किया जा सकता है। ग्राहक समूहों से सदस्यों द्वारा खरीद के आधार पर, विभिन्न वस्तुओं की कीमतों के बारे में कीमतों में इसकी मात्रा में परिवर्तन आदि पर चर्चा की जा सकती है। उन्हें अपने अनुभव साझा करने दें।	विद्यार्थी प्रभावी ढंग से संवाद करने में सक्षम होंगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव:

शिक्षक पास के बाज़ार में एक फील्ड ट्रिप आयोजित करके शुरू कर सकते हैं। विद्यार्थियों को बाज़ार ध्यान से देखने दें। फिर उन्हें रोल प्ले करने के लिए कहा जा सकता है। शिक्षण-अधिगम योजना को पर्यावरण अध्ययन (बाज़ार से घर तक) और अंग्रेज़ी कविता (Poem: 'Going to buy a book') की कुछ और गतिविधियों को शामिल करके बढ़ाया जा सकता है।

अधिगम विस्तार:

इस गतिविधि के विस्तार के रूप में, विद्यार्थियों को अपनी सब्ज़ियाँ और फल बेचने के लिए बाज़ार जाने से पहले एक सब्ज़ी विक्रेता द्वारा आवश्यक तैयारियों की एक सूची बनाने के लिए कहा जा सकता है।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-21

थीम – खेल (भाग-2)

एकीकृत विषय- गणित (लंबी और छोटी), अंग्रेज़ी (Adjectives and it's degees), English (Run), शारीरिक शिक्षा (दौड़, लंबी कूद)

अवधि- न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य - विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- दो बिंदुओं के बीच की दूरी का अनुमान लगाने में
- लंबाई तथा उँचाई का अनुमान लगाने में
- विशेषणों का सही उपयोग करने में
- कविता को लय-ताल के साथ गाने में
- नए शब्दों को जानने में
- लंबी कूद, दौड़ आदि खेलों में हिस्सा लेने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन - चार्ट पेपर, मार्कर, स्केल, कैंची, मापने वाला टेप, चॉक, खेल के वीडियो जैसे रेसिंग, लंबी कूद, ऊँची कूद आदि।

पूर्वज्ञान- छात्र लंबी और छोटी दूरी की अवधारणा को जानते हैं, स्कूल में रेसिंग और अन्य खेल गतिविधियों में भाग लेते हैं।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्वज्ञान	कद चार्ट (चार्ट पेपर, स्केल, रंग, कैंची) विद्यार्थी की ऊँचाई मापने के लिए	शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी ऊँचाई के अनुसार लाइन में खड़े होने के लिए कहेंगे। उन्हें यह गतिविधि स्वयं करने दें। यह पूछकर चर्चा शुरू करें कि कौन किस से छोटा है या कौन किससे लंबा है, कक्षा में सबसे छोटा कौन है, कक्षा में सबसे लंबा कौन है?	विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन में विशेषण और इसकी डिग्री का उपयोग करने में सक्षम होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
लम्बा, छोटा और विशेषण		विद्यार्थी को पाँच के समूह में एक ऊँचाई चार्ट (से.मी. में) बनाने दें। उन्हें चार्ट के डिज़ाइन के संदर्भ में रचनात्मक होने के लिए प्रेरित करें। विद्यार्थी अब विकसित ऊँचाई चार्ट का उपयोग करके अपनी ऊँचाई माप सकते हैं। कक्षा की शुरूआत में दिए गए उनके उत्तरों को सत्यापित करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। उन्हें उनकी उँचाई के क्रम में तीन नामों का चयन करने दें और उनकी ऊँचाई की तुलना करते हुए वाक्य तैयार करने दें, साथ ही उन्हें Adjective words के बारे में समझाए और Long, longer, longest; short, shorter, shortest जैसे Degree of adjectives समझाए। 'Adjectives are describing words used to describe nouns and pronouns' - For example, fat, thin, beautiful, long, easy, etc. विद्यार्थी अपने मित्र का वर्णन करते हुए पाँच शब्द लिखें। विद्यार्थियों को adjectives शब्दों का उपयोग करते हुए वाक्य बनाने दें। उन्हें यह पता लगाने दें कि उन्होंने दो विद्यार्थियों की तुलना करते समय किस शब्द का इस्तेमाल किया और एक समूह या कक्षा (दो से अधिक) के बीच तुलना करते समय उन्होंने किन शब्दों का इस्तेमाल किया। विशेषणों की डिग्री और उनके उपयोग और विशेषण की डिग्री बदलने के नियमों के बारे में चर्चा करें।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उनकी ऊँचाई मापने के बाद, विद्यार्थियों से ऊँचाई चार्ट पर अपनी ऊँचाई लिखने के लिए कहें। अब आप उनसे यह पूछकर चर्चा शुरू कर सकते हैं कि एक विद्यार्थी कितना छोटा है या उससे कितना लंबा है। विद्यार्थियों को लंबी कूद जैसे खेलों के कुछ वीडियो और तस्वीरें दिखाएं।	
मीटर और से.मी.		विद्यार्थियों को चर्चा करने दें कि खिलाड़ियों ने अपनी लंबी कूद, ऊँची कूद या दौड़ में तय की गई दूरी को कैसे और किस इकाई में मापा है। चर्चा के बाद दो बिंदुओं के बीच की दूरी को मापें। जहाँ आवश्यक हो उनका मार्गदर्शन करें। उन्हें शुरुआती और अंतिम बिंदुओं से परिचित कराएँ। लंबाई से.मी. और मीटर की माप की इकाई विद्यार्थी को समझाएं। इकाई का रूपांतरण = 100 से.मी. 1 मी. = 100 से.मी. 1 से.मी. = 1/100 मी.	विद्यार्थी लंबाई तथा ऊँचाई का अनुमान लगाने में सक्षम होंगे।
कविता 'Run'		शिक्षक विद्यार्थियों के साथ अंग्रेज़ी की 'Run' कविता का पाठ करेंगे। विद्यार्थियों को नए शब्द और तुकबंदी वाले शब्दों से अवगत कराएं। विद्यार्थियों को यह पता लगाने दें कि हमें कब और क्यों दौड़ना की अवश्यकता पड़ती है।	विद्यार्थी नए और तुकांत शब्दों से अवगत हो पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
दूरियाँ, खेल-लंबी कूद, दौड़	https://youtu.b// PYykBvNchuU	विद्यार्थियों को खेल के मैदान में ले जाएं। विद्यार्थियों को 7 से 8 विद्यार्थियों के समूहों में विभाजित करें। उन्हें 100 मीटर दौड़ के लिए मैदान तैयार करने को कहें। 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और लंबी कूद के लिए समूह को विभाजित करें। कुछ रेफ़री भी विद्यार्थियों में से ही चुनें। आपके मार्गदर्शन से उन्हें स्वयं तैयारी करने दें। वे 200 मीटर की दौड़ कैसे पूरी करने जा रहे हैं? इस गतिविधि के लिए स्कूल पीईटी की मदद लें। छात्र फ़ोटो खींचेंगे और घटना का वीडियो बनाएँगे और रिपोर्ट लिखेंगे। विद्यार्थियों ने पहली गतिविधि में पहले ही ऊँचाई माप ली थी। अब उनसे कक्षा की ऊँचाई मापने को कहें। अब उन्हें मापने वाले टेप से मापने की आवश्यकता के बिना अपने स्कूल की ऊँचाई का पता लगाने दें। उन्हें पास की वस्तुएं जैसे पेड़ या पोल की ऊँचाई का अनुमान लगाने दें कमरे की ऊँचाई के साथ तुलना करके।	इस गतिविधि के पूरा होने के बाद विद्यार्थी मीटर में दूरी को मापने में सक्षम होंगे। विद्यार्थी प्रारंभिक और अंतिम बिंदुओं के बारे में जान पाएँगे। विद्यार्थी खेल गतिविधियों में भाग लेंगे।
कितने पास कितनी दूर		कक्षा को 4 से 5 के समूहों में विभाजित करें। उन्हें चर्चा करने दें कि उसके अनुसार स्कूल पहुँचने में कितना समय लगता है। उन्हें पता लगाने दें कि किसका घर सबसे नज़दीक है और किसका सबसे दूर। चर्चा के बाद, प्रत्येक समूह को अपनी रिपोर्ट कक्षा के सामने प्रस्तुत करने दें। आप विद्यार्थियों से उनकी कक्षा से निकटतम कक्षा, कार्यालय, स्टाफ़ रूम, वाटर कूलर आदि तक की दूरी नापने के लिए कहकर इस गतिविधि का विस्तार कर सकते हैं।	विद्यार्थी दो बिन्दुओं के बीच की दूरी का अनुमान लगाने में सक्षम होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उन्हें यह पता लगाने दें कि एक स्थान से दूसरे स्थान की दूरी कितनी अधिक है या कितनी कम है। एक जगह से दूसरी जगह निकटतम दूर के शब्दों और उनके उपयोग (adjectives) जैसे शब्दों के बारे में भी जानकारी दें।	

शिक्षकों के लिए सुझाव:

शिक्षक पहले अपने विद्यालय के पीईटी के साथ गतिविधियों पर चर्चा शुरू कर सकते हैं जिससे गतिविधियों का सुचारू प्रबंधन हो।

अधिगम विस्तार:

विद्यार्थियों को सुबह के व्यायाम के लिए पास के पार्क में ले जांए और पता लगाएं कि अगर उन्होंने पार्क के तीन चक्कर लगाए तो उन्होंने कितनी दूरी तय की।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-22

थीम – समय

एकीकृत विषय – गणित (टिक-टिक-टिक), English (Neha's Alarm Clock)

अवधि – न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य – विद्यार्थी सक्षम होंगे:

- अपना काम समय पर करने की अच्छी आदत विकसित करने में
- घड़ी देखकर समय बताने में
- अवधि के बारे में अनुमान लगाने में
- उनके दैनिक कार्यक्रम के लिए एक समय सारणी तैयार करने में
- समय के साथ तिथि की अवधारणा में संबंध मिलाने में
- पठन कौशलों को विकसित करने में
- नए शब्दों को सीखने में
- शरीर की जैविक छड़ी से परिचित होने में

शिक्षण अधिगम संसाधन – घड़ी, अलार्म घड़ी, नंबर कार्ड, घड़ी मॉडल (कार्डबोर्ड, मार्कर, स्क्रू, कंपास, रूलर), कैलेंडर, वीडियो

पूर्वज्ञान – विद्यार्थी समय के बारे में जानते हैं, अलार्म घड़ी और उसके उपयोग से परिचित हैं।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्व-आवश्यक ज्ञान		विद्यार्थियों को कक्षा में अपना दैनिक कार्यक्रम साझा करने दें। उन्हें पता लगाने दें – किस समय वे जागते हैं? कितने बजे उनके माता-पिता जागते हैं? दोनों के जागने के समय में क्या अंतर है?	विद्यार्थी समय की अवधारणा से परिचित होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
Neha's Alarm Clock	https://diksha.gov.in/play/ collection/do_3131035 1931922841611735? referrer=utm_source%3 Dmobile%26 utm_campaign%3Dshare_ content&contentId= do_313076140074 590208111527	विद्यार्थियों को आपस में चर्चा करने दें कि वे समय पर स्कूल पहुंचने के लिए किस समय जागते हैं। विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें कि वे समय पर स्कूल पहुंचने के लिए सुबह कब उठते हैं। विद्यार्थी विभिन्न प्रतिक्रियाएँ दे सकते हैं? जैसे- कुछ अलार्म घड़ी या मोबाइल फ़ोन में अलार्म लगाते हैं, उनके माता-पिता उन्हें सुबह जगाते हैं, आदि। शिक्षक उनसे चर्चा करें कि क्या कभी ऐसा हुआ है कि वे सुबह समय पर उठे, भले ही किसी ने उन्हें नहीं जगाया। उन्हें इस पर विचार करने दें कि ऐसा क्यों होता है। विद्यार्थियों के साथ ''Neha's Alarm Clock'' अध्याय को पढ़ें। विद्यार्थियों को पाठ समझाएँ और उन्हें उनकी जैविक घड़ी से परिचित कराएँ।	विद्यार्थी अपने शरीर की जैविक घड़ी से परिचित हो पाएँगे।
घड़ी	घड़ी मॉडल, वीडियो	(विद्यार्थी घड़ी का मॉडल बनाएंगे)। उन्हें घड़ी की घण्टे की सूई और मिनट की सूई के बारे में और घड़ी पर समय पढ़ना समझाएं। कक्षा को 5-6 विद्यार्थियों के छोटे समूहों में विभाजित किया जाएगा। समूह का प्रत्येक विद्यार्थी अपने दैनिक कार्यक्रम को एक कागज़ पर लिखेगा। उन्हें एक दूसरे के साथ अपने दिनचर्या का आदान-प्रदान करने दें। विद्यार्थी एक-दूसरे के समय के साथ दिनचर्या को क्लॉक मॉडल पर पेश करेंगे। विद्यार्थियों के साथ चर्चा करें कि एक घड़ी 12 बराबर भागों में विभाजित है और प्रत्येक भाग एक घंटे का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए एक घड़ी में 12 घंटे प्रस्तुत किए जाते हैं। 1 घंटे को और छोटी इकाइयों में विभाजित किया जाता है जिन्हें मिनट कहा जाता है। 1 घंटा = 60 मिनट	विद्यार्थी घड़ी देखकर समय बताने में सक्षम होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
समय क्या है? (एक घड़ी का रोल प्ले)		शिक्षक कक्षा को प्रत्येक 14 विद्यार्थियों के समूहों में विभाजित करें। 12 विद्यार्थी 1 से 12 तक की संख्या वाले कार्ड वाली घड़ी को निरूपित करते हुए एक वृत्त में बैठेंगे। दो विद्यार्थी घंटे की सुई और मिनट की सुई की भूमिका निभाएंगे (घड़ी की दो सूइयों की लंबाई में अंतर दिखाने के लिए विद्यार्थी को उनकी ऊँचाई के अनुसार घंटे की सुई और मिनट की सुई के लिए चुनें)। जब एक समूह प्रदर्शन कर रहा हो, तो अन्य समूह घड़ी पर दिखाए जाने के लिए अलग-अलग समय दे सकते हैं और यह भी देख सकते हैं कि समूह ने अच्छा प्रदर्शन किया है या नहीं। (इस गतिविधि का उपयोग शिक्षक आकलन के लिए भी कर सकते हैं)। गतिविधि का वीडियो और तस्वीरें विद्यार्थियों के साथ बनाई और साझा की जा सकती हैं।	विद्यार्थी घड़ी से समय को सही ढंग से पढ़ सकेंगे।
समय प्रबंधन		विद्यार्थियों को आपस में 'समय प्रबंधन के महत्त्व' का पता लगाने दें। उन्हें स्वतंत्र रूप से चर्चा करने दें। बेहतर समय प्रबंधन के लिए उन्हें अपने दैनिक कार्यक्रम के लिए एक समय सारणी तैयार करने दें। विद्यार्थी सप्ताह के लिए इस समय सारणी का पालन करेंगे और अपने अनुभवों को साझा करते हुए 5-6 पंक्तियाँ लिखेंगे, कि वह उनके समय प्रबंधन में उनकी मदद कैसे करता है।	विद्यार्थी अपने दैनिक कार्यक्रम के लिए समय सारणी तैयार कर सकेंगे।
1 दिन में 24 घण्टे	ट्रेन टिकट, डिजिटल घड़ी, फ़ोटो/वीडियो आईसीटी	विद्यार्थियों को कुछ ट्रेन टिकट दिखाएं (आप कोई भी बिल या टिकट चुन सकते हैं जिन पर समय लिखा हो)। विद्यार्थी टिकट पर लिखे समय को बताएंगे और हाईलाइट करेंगे।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
	लिंक https://diksha.gov.in/play/ collection/do_31310351931922841611735?referrer=utm_source%3D-mobile%26utm_campaign%3Dshare_content&contentId=-do_31307614007 4590208111527 https://diksha.gov.in/play/ collection/do_3131035193 6206438411588?referrer=utm_source%3D-mobile%26utm_campaign%3Dshare_content&contentId=-do_ 31299037345 179238419	विद्यार्थियों को 24 घंटे की घड़ी के बारे में समझाएं। उन्हें डिजिटल घड़ी दिखाने के लिए अपनी आईसीटी लैब या मोबाइल फ़ोन या टैबलेट का उपयोग करें।	विद्यार्थी समय बता सकेंगे।
24 घंटे की घड़ी को 12 घंटे की घड़ी में बदलना।		विद्यार्थियों को सुबह या शाम के बारे में पता हो सकता है। उन्हें समझाएं कि मध्यरात्रि 12 बजे से दोपहर 12 बजे तक का समय AM है, जबकि दोपहर 12 बजे से मध्यरात्रि 12 बजे तक का समय PM कहलाता है। 24 घंटे की घड़ी को 12 घंटे और 12 घंटे की घड़ी को 24 घंटे में कैसे बदलेंगे- 24 घंटे की घड़ी से समय (ट्रेन टिकट पर लिखा हुआ) | आपकी घड़ी के अनुसार समय (12 घंटे की घड़ी) 08:00 घंटे (उदाहरण) | | | |	विद्यार्थी 24 घंटे की घड़ी को 12 घंटे की घड़ी में बदल पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
दिन, महिने और साल	कैलेंडर	विद्यार्थी अपनी जन्मतिथि कागज़ कि एक पर्ची पर लिखेंगे। उन्हें उनके जन्म के महीने के अनुसार समूह बनाने दें (समान जन्म माह के विद्यार्थी एक ही समूह में होने चाहिए। विद्यार्थी अपनी जन्मतिथि को आरोही क्रम में व्यवस्थित करेंगे। उन्हें कैलेंडर पर चिन्हित करके उन्हें आरोही क्रम सूची की जांच करने दें।	विद्यार्थी कैलेंडर पर तिथियों को पढ़ और चिह्नित कर सकते हैं।

शिक्षकों के लिए सुझाव:

शिक्षक गतिविधि 5 का उपयोग पर्यावरण अध्ययन के अध्याय 'बदलते समय' से अवगत कराने के लिए कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार :

विद्यार्थियों को उनके जीवन की महत्त्वपूर्ण घटनाओं को चिन्हित करते हुए एक कैलेंडर तैयार करने के लिए कहा जा सकता है।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-23

थीम - मिल-बाँटकर

एकीकृत विषय- गणित (पहाड़े और बंटवारे), हिंदी (दान का हिसाब)

अवधि- न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे :

- टेबलों को मिलाकर स्वयं टेबल बनाने में
- 3 अंकों की संख्या की गुणा करने में
- 3 अंकों की संख्या तक विभाजन करने में
- हिंदी में वाक्यों को सही से पढ़ने और समझने में
- दूसरों की मदद करने में

शिक्षण-अधिगम संसाधन- टेबल चार्ट, वीडियो, मार्बल्स, गुणन खेल, कार्ड, टोकरी

पूर्वज्ञान- विद्यार्थी पहले से ही तालिकाओं, गुणा, साझा करने की अवधारणा के बारे में जानते हैं और हिंदी पढ़ सकते हैं।

प्रस्तुतिकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्वज्ञान		दो विद्यार्थी एक दूसरे से कुछ दूरी पर पीठ करके खड़े होंगे। दोनों विद्यार्थी ब्लैक बोर्ड पर 1-10 में से एक संख्या लिखेंगे, कक्षा के बाकी विद्यार्थी उन संख्याओं का गुणनफल बताएंगे। शिक्षक गुणन सारणी के बारे में विद्यार्थी की समझ का मूल्यांकन कर सकते हैं।	विद्यार्थी 1 से 10 तक गुणन सारणी याद करेंगे।
गुणन टेबल	मार्बल का बॉक्स, 3 टोकरियाँ	इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी एक संख्या की गुणन तालिका बनाने में सक्षम होंगे।	विद्यार्थी अन्य दो संख्याओं के गुणनफल जोड़कर एक तालिका बना सकेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		शिक्षक कक्षा को 3 के समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक समूह को एक संख्या दें जैसे कि तीसरे समूह को वह संख्या मिलेगी जो अन्य दो समूहों को दी गई संख्याओं का योग है। विद्यार्थी अपनी टोकरी को उन्हें सौंपी गई संख्या से चिह्नित करेंगे (उदाहरण के लिए संख्याएँ हैं: 3, 5 और 8)। 3 विद्यार्थी रेफ़री के रूप में काम करेंगे (प्रत्येक समूह के लिए 1)। प्रत्येक समूह को 1-10 से एक संख्या निर्दिष्ट करें। दी गई संख्या वाले विद्यार्थी सामने आएंगे और बॉक्स से मार्बल चुनेंगे जो कि उनकी टीम नंबर और उन्हें सौंपे गए नंबर का गुणनफल है। इसके बाद रेफरी अपनी-अपनी टोकरी में कंचों की गिनती करेगा और ब्लैकबोर्ड पर उत्तर लिखेगा। सबसे सही उत्तर देने वाली टीम को विजेता घोषित किया जाएगा। अब विद्यार्थियों से गलतियों को सुधारने के लिए कहें। उन्हें ब्लैक बोर्ड पर तालिकाओं का अवलोकन करने दें और अपने निष्कर्षों पर चर्चा करने दें। विद्यार्थी को कोई अन्य दो संख्याऐं दें और उनसे तीसरी तालिका स्वयं बनाने को कहें।	
गुणा (2 से 3 संख्या तक की)	आई सी टी प्रयोगशाला	विद्यार्थियों को अलग-अलग उदाहरण देकर दो संख्याओं को गुणा करने का तरीका समझाएं। विद्यार्थियों को 15 मोतियों का हार बनाना है। उन्हें ऐसे 12 हार बनाने हैं। उन्हें तय करने दें कि उन्हें कितने मोतियों की ज़रूरत है।	विद्यार्थी 2-3 अंकों की संख्याओं को गुणा करने में सक्षम होंगे। वे हिंदी कहानी 'दान का फैसला' को समझ सकेंगे। ज़रूरत के समय दूसरों की मदद कर पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		शिक्षक विभिन्न खेलों के माध्यम से विद्यार्थी को गुणन के नियमों को समझाने के लिए आईसीटी प्रयोगशाला का उपयोग कर सकते हैं। (लिंक दिया गया) विद्यार्थियों को यह देखने दें कि संख्याओं के मूल्य में वृद्धि के साथ उत्पाद का मूल्य कैसे बढ़ता है। उनके साथ उनकी हिंदी पुस्तक 'रिमझिम' से 'दान का फ़ैसला' कहानी साझा करें। उनके साथ कहानी पढ़ें। दोहरीकरण की अवधारणा को समझाने के लिए पहले विद्यार्थी को एक नंबर दिया जाता है और फिर अगले विद्यार्थी को उस संख्या को दोगुना करना होता है, जिसे आगे तीसरे विद्यार्थी द्वारा दोगुना कर दिया जाएगा और इसी तरह आगे भी जारी रहेगा।	
मिल-बाँटकर		विद्यार्थी उन घटनाओं और वस्तुओं के बारे में आपस में चर्चा करेंगे जब उन्होंने दूसरों की वस्तुओं को बांटकर इस्तेमाल किया। उन्हें ऐसा करने पर कैसा अनुभव हुआ। उन्हें बताने के लिए प्रेरित करें कि वे बड़ों द्वारा घर में लाए गए सामानों को कैसे साझा करते हैं। वे कौन सी चीजें हैं जो वे अपने दोस्तों और प्रियजनों के साथ साझा करना चाहते हैं? क्या उन्हें अपने जन्मदिन पर या सामान्य रूप से अपने दोस्तों के साथ मिठाई बांटने में मजा आया? उन्हें कक्षा के साथ अपने विचार और भावनाओं को साझा करने के लिए कहें।	विद्यार्थी सांझा काम करने से मिलने वाली खुशी के बारे में जागरूक होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
विभाजन (3 अंकों तक)	बीड्स, स्ट्रिंग https://www.timestables.com/games/ https://www.prodigygame.com/in-en/blog/multiplication-games/	इस गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थी विभाजन करने में सक्षम होंगे। विद्यार्थियों को 4-5 के समूह में विभाजित करें । विद्यार्थियों को कुछ कंचे दें और उन्हें सभी समूहों में समान रूप से बांटने को कहें। शिक्षक समूहों की संख्या में परिवर्तन करके या कंचों की संख्या में परिवर्तन करके गतिविधि को दोहरा सकते हैं। समूह के सदस्यों को समूह के सदस्यों के बीच समान रूप से कंचों को वितरित करने के लिए कहें और प्रत्येक परिवर्तन के बाद उनका डेटा लिखें। शिक्षक ब्लैक बोर्ड पर समझाएं कि विभाजन कैसे किया जाता है। विभाजन की प्रक्रिया को दिखाने के लिए शिक्षक वीडियो की मदद भी ले सकते हैं।	विद्यार्थी 2-3 अंकों वाली संख्या को विभाजित करने में सक्षम होंगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव:

शिक्षक गुणा कार्ड जैसी अन्य गतिविधियों का भी उपयोग कर सकते हैं । आईसीटी लैब का उपयोग करने के लिए पहले से तैयारी करें।

अधिगम विस्तार:

इस गतिविधि के विस्तार के रूप में, विद्यार्थी को गुणा और भाग की समस्याओं को स्वयं हल करने के लिए सवाल दिए जा सकते हैं। साथ ही विद्यार्थी गुणा और भाग के आधार पर विभिन्न खेल खेल सकते हैं और नए खेलों की रचना भी कर सकते हैं।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-24

थीम – पेड़ (भाग-2)

एकीकृत विषय- पर्यावरण अध्यन (अमृता की कहानी), English (The Little Fir Tree)

अवधि- न्यूनतम 8 घंटे

विशिष्ट उद्देश्य- विद्यार्थी सक्षम होंगे :

- पेड़ के महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में
- वृक्षों से प्राप्त होने वाले उत्पादों की जानकारी प्राप्त करने में
- मनुष्य की पोधों और अन्य जानवरो पर निर्भरता को समझने में
- अपने पर्यावरण का संरक्षण करने में
- व्यक्तित्व का सम्मान करने में
- अपने साधनों में सुख और संतुष्टि की तलाश करने में
- अपने बारे में अधिक आश्वस्त रहने में

शिक्षण अधिगम संसाधन- राजस्थान के बिश्नोई समुदाय पर वीडियो और फ़ोटो, वीडियो लिंक, कागज़, कैंची, रंग

पूर्वज्ञान- विद्यार्थियों को पेड़ों से हमें मिलने वाले कुछ उत्पादों, हमारे जीवन में पेड़ों के महत्त्व, उनकी पसंद-नापसंद के बारे में पहले से पता है।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्वज्ञान	तस्वीरें और स्लाइड शो	शिक्षक पेड़ों के बारे में कुछ चित्र और स्लाइड दिखाएंगे और विद्यार्थी को इन चित्रों और स्लाइडों के बारे में चर्चा करने और अपने विचार साझा करने देंगे।	विद्यार्थी पौधों की विभिन्न किस्मों और हमारे जीवन में पौधों के महत्त्व को समझेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
	http://www.slideshare.net/dhaveji/save-trees-159371168?from_m_app=android		
विभिन्न किस्मों के वृक्ष	वर्ड वेब	विद्यार्थियों को उन विभिन्न किस्मों के पेड़ों के बारे में चर्चा में शामिल होने दें जिनके बारे में वे जानते हैं या अपने आस-पास देखेते हैं। उन्हें 10 विभिन्न पेड़ों की सूची बनाने दें। उन्हें अपनी क्षेत्रीय भाषा में भी पौधों के नाम का उपयोग करने की स्वतंत्रता दें। इसके बाद विद्यार्थी अपनी सूची प्रस्तुत करेंगे और यह भी बताएंगे कि उन्हें इन पेड़ों से क्या मिलता है या उन्हें इन पेड़ों के बारे में क्या पसंद है। प्रस्तुति के बाद विद्यार्थी के साथ शिक्षक पेड़ों से प्राप्त होने वाले उत्पादों के बारे में एक वर्ड वेब बनाएंगे। शिक्षक तब हमारे जीवन में पेड़ों के महत्त्व के बारे में बताएंगे। शिक्षक विद्यार्थियों से एक पेड़ लगाने और उसकी देखभाल करने के लिए भी कह सकते हैं।	विद्यार्थी वृक्षों से प्राप्त होने वाले उत्पादों की जानकारी प्राप्त कर पाएँगे।
वृक्षों का महत्त्व		विद्यार्थी अपने पसंदीदा पेड़ का चित्र बनाएँगे और पेड़ों के हिस्सों के नाम लिखेंगे। उन्हें चर्चा करने दें कि उन्हें वह पेड़ क्यों पसंद है। शिक्षक विद्यार्थी के साथ उन त्योहारों के बारे में चर्चा करेंगे जिनमें पेड़ों की पूजा की जाती है। उनसे कुछ ऐसे वृक्षों के नाम पूछिए जिनका उपयोग पूजा के लिए किया जाता है।	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
अमृता की कहानी	https://diksha.gov.in/ play/content/do_ 313124873969 0250241177? refer-rer=utm_source%3 Dmobile%26utm_cam-paign%3 Dshare_ content	शिक्षक फिर विद्यार्थियों के साथ पर्यावरण अध्ययन का अध्याय 'अमृता की कहानी' पढ़ेंगे। अध्याय को पढ़ने के बाद विद्यार्थियों को वन संरक्षण के महत्त्व के बारे में समझाएं। उनके साथ प्रसिद्ध चिपको आंदोलन के बारे में भी चर्चा करें।	विद्यार्थी वन संरक्षण की आवश्यकता को समझेंगे।
The Little Fir Tree	https://diksha.gov.in-èplay/collection/do_ 3131035193192284161173 5? referrer=utm_source%3 Dmobile%26utm _cam-paign%3 Dshare_content& contentId=do_31308094425 9792896114554	Show students some images of fir trees. Let them discuss if they are familiar with this tree. Now read the English story 'The Little Fir Tree' with voice modulation along with students. Explain to students about respecting each other and being happy and satisfied with whatever we have.	विद्यार्थी सभी प्रकार के व्यक्तित्व का सम्मान करेंगे और आत्मसंतुष्ट होना सीखेंगे।

शिक्षकों के लिए सुझाव:

शिक्षक चर्चा कर सकते हैं और विद्यार्थियों को कुछ वीडियो दिखा सकते हैं कि हमारी संस्कृति हमारे जीवन में पेड़ों के महत्त्व को कैसे बढ़ावा देती है।

अधिगम विस्तार:

इस गतिविधि के विस्तार के रूप में विद्यार्थी क्रिसमस ट्री बना सकते हैं और उसे सजा सकते हैं।

पर्यावरण अध्ययन

जोड़े गये अध्ययय : चलो चलें स्कूल,

ओमाना का सफ़र

अवधारणा:

- यात्रा योजना
- भारतीय विरासत और स्मारक
- यातायात के संसाधन
- रेलवे स्टेशन
- ऑनलाइन टिकट बुकिंग
- हमारे सहायक
- पुलों के प्रकार

गणित

जोड़े गये अध्ययय : भोपाल की यात्रा

अवधारणा:

- चार संख्या संचालन
- समय
- दूरी
- डेटा संधारण
- संख्याओं की तुलना करना
- पैसे

यात्रा

(अवधारणाओं का संयोजन)

कला एकीकरण

यात्रा वृतांत का निर्माण

भाषा

अवधारणा:

एल- जब वे दूसरों की सुनते हैं और संदेश को समझते हैं

एस- जब वे अपने अनुभव साझा करते हैं

आर- ध्यानपूर्वक पाठ पढ़ते हैं

डब्ल्यू- जब वे डायरी में अपनी यात्रा दर्ज करते हैं

आईसीटी

अवधारणा: वेब खोज, ऑनलाइन टिकट बुकिंग

सामाजिक अध्ययन

जोड़े गये अध्ययय : भारत: एक परिचय

अवधारणा:

- कुछ भारतीय राज्यों की भौतिक विशेषताएं
- राजनीतिक मानचित्र कार्य
- नक्शा, रंग, कुंजी

पर्यावरण अध्ययन

जोड़े गये अध्ययय : चलो चलें स्कूल, ओमाना का सफ़र

विकसित कौशल :

- जानिए यात्रा में करने वाली चीजों के बारे में
- यात्रा की योजना बनाएं
- भारतीय विरासत और स्मारकों को जानें और उनकी सराहना करें
- परिवहन के विभिन्न साधनों के बारे में जागरूकता
- रेलवे स्टेशन का अनुभव
- टिकट बुक करना
- मददगारों को जानें और उनकी सराहना करेंगे
- जानिए नदी पार करने के तरीके
- पुलों के प्रकारों को जानें और पहचानें
- विभिन्न राज्यों में उपयोग किए जाने वाले स्थानीय परिवहन/जानवरों को जानें और पहचानेंगे
- विभिन्न क्षेत्रों में रास्ते जानें

गणित

जोड़े गये अध्याय : भोपाल की यात्रा

विकसित कौशल :

- 4 संख्या संचालन का अनुकूलन और उपयोग करना
- समय अवधि की गणना
- परिवर्तित इकाइयों की दूरी
- तालिका में डेटा व्यवस्थित करना
- किराए की गणना और तुलना करना
- बड़ी संख्या गिनना
- वस्तुओं को साझा करना और विभाजित करना

यात्रा

(विकसित कौशल)

कला एकीकरण

यात्रा वृतांत का निर्माण

भाषा

विकसित कौशल:

एल–जब वे दूसरों की सुनते हैं और संदेश को समझते हैं

एस–जब वे अपने अनुभव साझा करते हैं

आर–जब वे पाठ पढ़ते हैं

डब्ल्यू–जब वे डायरी में अपनी यात्रा दर्ज करते हैं

आईसीटी

इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न राज्यों और उनके स्मारकों की खोज के माध्यम से, ऑनलाइन टिकट बुकिंग सीखना।

सामाजिक अध्ययन

जोड़े गये अध्ययय: भारत एक परिचय

विकसित कौशल:

- कुछ भारतीय राज्यों की भौतिक विशेषताओं को जानें और पहचानेंगे
- राजनीतिक मानचित्र में भारतीय राज्यों को चिह्नित करें
- मानचित्र रंग कुंजी को जानें।

बहुविषयक शिक्षण-अधिगम योजना-25

थीम – यात्रा

एकीकृत विषय	गणित (भोपाल की यात्रा) पर्यावरण अध्ययन (ओमाना का सफ़र, चलो चलें स्कूल) सामाजिक अध्ययन (भारत: एक परिचय) कला एकीकरण भाषा आईसीटी
अवधि	न्यूनतम 13 घंटे
विशिष्ट उद्देश्य	विद्यार्थी सक्षम होंगे: ● अनुकूलन करने, दैनिक जीवन में चार संख्या संचालन करने और उनके महत्त्व की सराहना करने में ● सरल गणनाओं की मौखिक रूप से गणना करने में ● समय अवधि की गणना करने में ● गूगल मैप्स का प्रयोग करने में ● दूरी की इकाइयों को परिवर्तित करने में ● वाहनों में आवश्यक विभिन्न प्रकार के ईंधन की पहचान करने में ● पर्यावरण के अनुकूल ईंधन और उनके महत्त्व की पहचान करने में ● टीम सहयोग और काम करने में ● भारतीय नदियों का अन्वेषण करने में ● नेतृत्व की गुणवत्ता विकसित करने में ● परिवहन के विभिन्न साधन बताने में ● संबंधित समय और दूरी समझने में

	• किसी भी कार्यक्रम की योजना बनाने के महत्त्व को समझने में • भारतीय कला के रूपों, स्मारकों की सराहना करने में • मानचित्र पर भारतीय राज्यों, नदियों का पता लगाने में • हमारे जीवन में सहायकों की भूमिका को पहचानने और उनकी सराहना करने में • सुनना, बोलना, पढ़ना और लिखना, कौशल विकसित करने में • ट्रेन का टिकट बुक करने में • जानवरों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में • फूलों के प्रकारों को जानने और पहचानने में • यात्रा के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जानवरों को जानने में • अलग-अलग राज्यों तक पहुंचने के रास्ते जानने में • प्रकृति में सुंदरता की प्रशंसा करने में • यात्रा के तरीकों के बारे में संवेदनशील होने में
शिक्षण-अधिगम संसाधन	चॉकबोर्ड, सहायकों के वीडियो और तस्वीरें, स्मारकों के चित्र और वीडियो, भारत का राजनीतिक मानचित्र, परिवहन के विभिन्न साधनों के टिकट के नमूने, भीमबेटका गुफाओं जैसी विभिन्न भारतीय विरासत के वीडियो / चित्र, भारतीय नदियों का वीडियो / चित्र, ईंधन बिल, वीडियो फिलिंग स्टेशनों से संबंधित, वर्ली के नमूने/तस्वीरें, मधुबनी कला, नावों के चित्र/वीडियो, भारतीय रेलवे के वीडियो/चित्र, प्लेटफार्म, टिकट चेकर, चौकीदार, स्टेशन मास्टर, रंग, भारतीय व्यंजनों के चित्र, मनके, पुल के मॉडल
पूर्वज्ञान	विद्यार्थियों को जानकारी है: भारतीय मुद्रा, चार संख्या संचालन, डेटा तालिका को व्यवस्थित और व्याख्या करने की। वे यातायात के संसाधन, दूरी की इकाई, पढ़ने का समय, समुदाय में सहायक, यातायात के साधन के रूप में रेलवे के बारे में थोड़ा बहुत ज्ञान रखते हैं।

प्रस्तुतीकरण:

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
पूर्व-अपेक्षित ज्ञान से जोड़ना		(जानकारी प्राप्त करना) शिक्षक विद्यार्थियों से यह पूछकर चर्चा शुरू कर सकते हैं कि वे छुट्टी के दौरान कहाँ गए थे? उन्होंने उस जगह की यात्रा कैसे की? यात्रा के दौरान उन्होंने क्या देखा? विद्यार्थियों को उनके द्वारा देखी गई जगह का नाम और उस स्थान के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी अपनी नोटबुक में लिखने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।	• विद्यार्थी अपने अनुभवों को याद करेंगे, अपने विचारों को व्यवस्थित करेंगे और बोलने के कौशलों का विकास करेंगे। • उनके लेखन कौशल का विकास होगा। • शिक्षक उनके बोलने और लिखने के कौशल का मूल्यांकन कर सकते हैं।
डेटा का सारणीकरण और व्याख्या करना संख्या संक्रियाओं का उपयोग करके संख्याओं की गणना करना	चॉकबोर्ड, बीड्स (विद्यार्थियों द्वारा आवश्यक बसों की संख्या को समूहबद्ध करने और खोजने के लिए उपयोग किया जा सकता है)	(गतिविधि और अन्वेषण) विद्यार्थियों को बस में यात्रा करने वाले लोगों की संख्या के बारे में सोचने दें। वे बस में यात्रा करने के अपने अनुभवों को याद कर सकते हैं। उनके जवाब चॉकबोर्ड पर दर्ज किए जाएंगे। विद्यार्थियों को स्वयं को 5 के समूहों में विभाजित करने के लिए कहा जा सकता है। हर समूह प्रत्येक ग्रेड में हर विद्यार्थियों की संख्या का पता लगाएंगे और एकत्रित डेटा को तालिका में व्यवस्थित करेंगे। बस में यात्रा करने वाले व्यक्तियों की संख्या के बारे में उनकी प्रारंभिक प्रतिक्रिया के आधार पर वे कक्षा 1-5 के सभी विद्यार्थियों को पिकनिक पर ले जाने के लिए आवश्यक बसों की संख्या की गणना करेंगे।	• विद्यार्थी डेटा एकत्र और व्यवस्थित करेंगे। • वे स्वयं को समूह में विभाजित करने और समूह कार्य की सराहना करने में सक्षम होंगे। • वे संख्या संचालन लागू करेंगे। • वे गणना के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विधि का संचार करेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थियों को उत्तर का अनुमान लगाने दें और फिर किसी भी विधि का उपयोग करके इसे हल करें। जवाब तलाशने के लिए उन्हें मोतियों की माला दी जा सकती है। विद्याथियों को आगे एक स्थिति दी जाएगी, यदि बसों की बैठने की क्षमता में 15 की कमी की जाती है, तो कितनी बसों की आवश्यकता होगी?	
समय की गणना नदी की लंबाई और चौड़ाई का अनुमान लगाना	भीमबेटका की तस्वीरें/ वीडियो, नर्मदा नदी का वीडियो/तस्वीर, गूगल मैप्स	(गतिविधि और अन्वेषण) विद्यार्थियों को घर से स्कूल पहुंचने में लगने वाले समय को साझा करने दें। विद्यार्थियों को घर से स्कूल की दूरी का अनुमान लगाने के लिए भी कहा जा सकता है। इससे उन्हें समय और दूरी के बीच संबंध का पता लगाने में मदद मिलेगी। फिर उन्हें भीमबेटका का वीडियो/चित्र दिखाया जाएगा और 'ट्रिप टू भोपाल' अध्याय से पिकनिक योजना के साथ पेश किया जाएगा। आगे विद्यार्थियों को भीमबेटका गुफाओं की दूरी का पता लगाने का अवसर दिया जाएगा। उन्हें इसके लिए गूगल मैप्स का उपयोग करने दें। उन्हें सोचने दें कि समय की गणना के लिए और क्या चाहिए और फिर गंतव्य तक पहुंचने के लिए आवश्यक समय की गणना करने दें। गंतव्य तक पहुंचने के लिए विभिन्न तरीकों का उपयोग करके विकास किया जा सकता है। इसके लिए इस्तेमाल किए जाने वाले गूगल मैप्स, जैसे बाइक, बस, ट्रेन आदि से चलने पर पहुंचने के समय का पता लगाया जा सकता है।	• विद्यार्थी समय अवधि की गणना करने के तरीकों का पता लगाएंगे। • विद्यार्थी नर्मदा नदी के आयामों से अवगत होंगे। • विद्यार्थी विभिन्न भारतीय नदियों और उनके स्थानों को जानेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		(विवरण) उनकी प्रतिक्रियाओं को शिक्षक द्वारा यह जानने के बाद संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है कि उन्होंने समय अवधि की गणना कैसे की। (गतिविधि) Google मानचित्र के माध्यम से छात्रों को उन नदियों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है जिन्हें रास्ते में पार किया जा सकता है। नदी का वीडियो/चित्र दिखाकर वे नदी की चौड़ाई का अनुमान लगाने के लिए प्रेरित होंगे। (व्याख्या) फिर शिक्षक द्वारा नदी की लंबाई, चौड़ाई और गहराई से संबंधित तथ्यों को साझा किया जा सकता है। (अन्वेषण) छात्रों को अन्य नदियों के नाम और भारत में उनके स्थान का पता लगाने का अवसर दिया जा सकता है। वे नदियों को मानचित्र पर चिह्नित करेंगे।	
ईंधन और उसके प्रकार	डीजल रेट स्लिप, पेट्रोल रेट स्लिप, कुछ वाहनों की टैंक क्षमता वाले चिट, ईंधन भरने वाले स्टेशन की तस्वीर/ वीडियो	(गतिविधि) शिक्षक छात्रों को बताएंगे कि उन्हें क्या लगता है कि वाहन कैसे संचालित होते हैं? उन्हें काम करने के लिए क्या चाहिए? (समझ और विस्तार)	• छात्र राशि की गणना करने में सक्षम होंगे। • वे पर्यावरण के अनुकूल संसाधनों के उपयोग के प्रति संवेदनशील होंगे। • वे पैसे का मूल्य समझ पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		उनकी विभिन्न प्रतिक्रियाओं से शिक्षक उन्हें वाहन चलाने के लिए आवश्यक ईंधन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेंगे। शिक्षक उन्हें पेट्रोल पंपों/ सीएनजी पंपों के अपने अनुभव साझा करने के लिए कहेंगे। उन्हें ईंधनों भरने वाले स्टेशनों के चित्र/वीडियो दिखाए जाएंगे। विद्यार्थियों को बसों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन के बारे में जानने दें। उनकी प्रतिक्रियाओं के माध्यम से शिक्षक उन्हें यह महसूस करने में मदद करेंगे कि डीज़ल, सीएनजी का उपयोग ईंधन के रूप में किया जाता है। उन्हें दो ईंधनों के बीच का अंतर सोचने दें और अपने विचार दूसरों के साथ साझा करें। इस प्रकार शिक्षक विद्यार्थियों का ध्यान पर्यावरण के अनुकूल ईंधन की ओर आकर्षित कर सकते हैं। फिर उन्हें दिल्ली और दूसरे राज्य में पेट्रोल, डीज़ल, सीएनजी की रेट लिस्ट और बस, कार, बाइक जैसे कुछ वाहनों की "फुल टैंक क्षमता दी जाएगी। छात्रों को 5 के समूहों में खुद को विभाजित करने के लिए कहा जाएगा। प्रत्येक समूह को टैंक क्षमता के साथ चिट और दर सूची दी जाएगी। विद्यार्थी प्रत्येक प्रकार के ईंधन का उपयोग करके प्रत्येक दिए गए वाहन के टैंक को भरने के लिए आवश्यक राशि की गणना करेंगे। समूह राशियों की तुलना करेंगे और लागत प्रभावशीलता पर	

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		चर्चा करेंगे। इसके बाद प्रत्येक समूह अपनी टिप्पणियों को साझा करेगा। शिक्षक छात्रों को यह सोचने में मदद कर सकते हैं कि उन्हें किस प्रकार के ईंधन का उपयोग करना चाहिए और क्यों?	
भीमबेटका, भारतीय कला रूपों की खोज	भीमबेटका का चित्र/ वीडियो, वार्ली के चित्र/ नमूने मधुबनी कला	(गतिविधि और अन्वेषण) छात्र भीमबेटका का वीडियो/तस्वीर देखेंगे। वे अपनी टिप्पणियों को नोटबुक में दर्ज करेंगे। उन्हें लगभग 100 या 1000 साल पहले के बारे में सोचने और उस समय की गई कला रूपों/चित्रकला की सराहना करने का अवसर दिया जाएगा। इसके अलावा उन्हें अपनी टिप्पणियों को साझा करने के लिए कहा जाएगा। (समझ और विस्तार) इसके बाद शिक्षक इन गुफ़ाओं में कितने प्रकार के चित्र, गुफ़ाओं में बनाए गए चित्रों और प्रतीकों की संख्या के बारे में विस्तार से बताएंगे। उसी की तस्वीरें दिखाई जाएंगी। चित्रों में दर्शाए अनुसार उस युग के जानवरों पर चर्चा हो सकती है। विभिन्न कला रूपों जैसे वर्ली, मधुबनी के चित्र/नमूने विद्यार्थियों को दिखाए जाएंगे ताकि वे भारतीय कला की सराहना कर सकें।	• विद्यार्थी वस्तुओं को ध्यान से निरीक्षण करेंगे। • वे हमारी विरासत और स्मारकों, कला रूपों की सराहना करेंगे और उन्हें महत्त्व देंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
गणितीय पहेलियाँ	पहेली कार्ड	(गतिविधि और व्याख्या) अध्याय 'भोपाल की यात्रा' पृष्ठ 30-31 में दिए गए सरल गणितीय पहेलियों वाले पहेली कार्ड समूहों में वितरित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को उन पहेलियों को हल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा और समूह के किसी एक सदस्य को समाधान और दूसरों के साथ हल करने की रणनीति साझा करने के लिए कहा जाएगा। जब भी आवश्यकता हो शिक्षक उन्हें सहायता प्रदान कर सकते हैं।	गणितीय पहेलियों को मौखिक रूप से हल कर पाएंगे और उपयोग की जाने वाली रणनीतियों को संप्रेषित कर पाएँगे।
संबंधित समय, दूरी और धन	विभिन्न नावों के चित्र, नाव के प्रकार की सूची, टिकट की कीमत और यात्रा का समय	(गतिविधि और अन्वेषण) छात्रों को नौका विहार के अपने अनुभव साझा करने दें। वे अपनी पसंदीदा नाव का वर्णन करने के लिए भी प्रेरित होंगे। विभिन्न प्रकार की नावों के चित्र प्रस्तुत किए जाएंगे। विद्यार्थियों को नाव के प्रकार, टिकट की कीमत और यात्रा के समय का उल्लेख करते हुए एक सूची प्रदान की जाएगी। उन्हें 4 के समूहों में खुद को विभाजित करने के लिए कहा जाएगा। समूह के भीतर उन्हें सूची का अध्ययन करना होगा और सोचना होगा कि वे नौका विहार के लिए कौन सी नाव पसंद करेंगे और क्यों? फिर वे अपनी पसंद और कारणों को अन्य समूहों के साथ साझा करेंगे।	• विद्यार्थी पैसे को महत्त्व समझेंगे। • विद्यार्थी सबसे अधिक लागत प्रभावी विकल्प का चयन करेंगे। • विद्यार्थी समूह कार्य की सराहना करेंगे। • शिक्षक विद्यार्थियों के गणना कौशल और अनुकूलन कौशल का आकलन कर सकते हैं।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		(आकलन) विद्यार्थियों का आकलन उनकी प्रतिक्रियाओं और नाव की पसंद के आधार पर किया जा सकता है। मूल्यांकन यात्रा की लागत प्रभावशीलता, यात्रा के समय पर विचार और सही गणना के आधार पर किया जाएगा। (विस्तार) विद्यार्थियों को यात्रा/पिकनिक की योजना बनाने के लिए कहा जा सकता है।	
ओमाना का सफ़र (डायरी लिखना) ऑनलाइन टिकट बुकिंग	कंप्यूटर और इंटरनेट (Indian Railway-gov-in), ट्रैन से संबंधित वीडियो/तस्वीरें जो उनके डिब्बों, सीटों आदि को दर्शाती हैं।	(गतिविधि) शिक्षक चर्चा करेंगे कि क्या विद्यार्थियों ने कभी अपनी किसी यात्रा का रिकॉर्ड रखा है या अपनी यात्रा के बारे में किसी को लिखा है। छात्र की प्रतिक्रिया को सुनकर शिक्षक उन्हें ओमाना की यात्रा का पाठ पढ़ने के लिए प्रेरित करेंगे।	• विद्यार्थी अपनी यात्रा को कलमबद्ध कर सकेंगे। • विद्यार्थियों के एल.एस.आर.डब्ल्यू कौशल को बढ़ाया जाएगा।
		(व्याख्या और विस्तार) विद्यार्थियों को अध्याय से ओमाना की डेयरी पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें साइलेंट रीडिंग करने और फिर बारी-बारी से पढ़ने का मौका दिया जाएगा। छात्रों को ट्रेन यात्रा का अपना अनुभव साझा करने दें, यदि कोई हो।	• विद्यार्थियों को ऑनलाइन और ऑफलाइन टिकट बुक करने की प्रक्रिया की जानकारी होगी। • वे ट्रेन और उसके डिब्बों के बारे में बता पाएँगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		(अन्वेषण) विद्यार्थियों को पता लगाने दें कि ट्रेन टिकट कैसे बुक किए जाते हैं और उनकी टिप्पणियों को साझा करने दें। (व्याख्या और विस्तार) फिर उन्हें भारतीय रेलवे की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन टिकट बुकिंग की प्रक्रिया के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया को भी समझाया जाएगा। विद्यार्थियों को ऑनलाइन टिकट बुक करने का प्रयास करने के लिए कहा जा सकता है। (जानकारी) विद्यार्थी यात्रा पर जाते समय अपने साथ जो कुछ भी ले जाते हैं उसे साझा करेंगे। वे उन चीज़ों को ट्रेन के डिब्बे में कहाँ रखते हैं? विद्यार्थी अपने अवलोकन और अनुभव साझा करेंगे। (व्याख्या) ट्रेन के डिब्बों के वीडियो उनके अनुभवों को समेटने और उन्हें ट्रेन में उचित व्यवहार के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए दिखाए जाएंगे।	
रेलवे स्टेशन, प्लेटफ़ार्म, टिकट चेकर, रेलवे स्टेशन पर हेल्पर	रेलवे स्टेशन के चित्र/ वीडियो, टिकट चेकर की तस्वीर, अन्य सहायकों की तस्वीर		• विद्यार्थी यात्रा करने के कानूनी तरीके जानेंगे। • वे टिकट चेकर की भूमिका की सराहना करेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		(जानकारी) विद्यार्थियों को यह साझा करने के लिए कहा जाएगा कि उनके अनुसार कि सरकार अवैध रूप (यानी बिना भुगतान किए) से यात्रा करने वाले लोगों को कैसे ढूंढती है? विद्यार्थी अलग-अलग प्रतिक्रियाएं देंगे। (गतिविधि) प्रतिक्रियाएँ लेने से शिक्षक उन्हें टिकट चेकर के बारे में याद करने में मदद करेंगे। विद्यार्थियों को टिकट चेकर की भूमिका, ज़िम्मेदारियों, वर्दी के बारे में सोचने दें। शिक्षक संबंधित चित्र या वीडियो दिखाकर उनके विचारों को व्यवस्थित कर सकते हैं। (गतिविधि और विस्तार) विद्यार्थियों को यह बताने के लिए कहा जा सकता है कि जब वे रेलवे स्टेशन और प्लेटफ़ार्म पर पहुंचते हैं तो वे क्या देखते हैं। वे सबसे ज़्यादा किसका आनंद लेते हैं? वे प्लेटफ़ार्म का एक वीडियो/तस्वीर देखेंगे और अपनी टिप्पणियों को दूसरों के साथ साझा करेंगे। (विस्तार) उनकी टिप्पणियों को विस्तृत किया जाएगा और बोर्ड पर उनका उल्लेख किया जाएगा। विद्यार्थी उन्हें अपनी नोटबुक में भी नोट करेंगे। विद्यार्थियों को कुछ लोगों की आवाज़ की नकल करने के लिए कहा सकता है, जिन्हें वे प्लेटफ़ार्म पर देखते हैं, जैसे चाय विक्रेता, पकौड़ा वाला आदि।	• यात्रा के दौरान वे उचित व्यवहार दिखाएंगे। • वे रेलवे स्टेशन पर सहायकों को महत्त्व देंगे। • उनके लेखन कौशल को बढ़ाया जाएगा।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		(जानकारी) शिक्षक उनका ध्यान प्लेटफ़ार्म पर काम करने वाले लोगों की ओर आकर्षित करेंगे। छात्र आपस में समूहों में चर्चा करेंगे और अपने अवलोकन साझा करेंगे। शिक्षक कंडक्टर, टिकट काउंटर, चौकीदार, गौर्ड, ट्रेन चालक, स्टेशन मास्टर की तस्वीरें दिखाकर उन्हें अपने विचार व्यवस्थित करने में मदद करेंगे और उन्हें किसी एक को चुनने और लिखने के लिए कहेंगे कि वे हमारी मदद कैसे करते हैं। छात्रों को यह सोचने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा कि क्या रेलवे स्टेशन पर उनकी मदद करने वाले कोई अन्य लोग भी हैं?	
किसी क्षेत्र की भौतिक विशेषताएं मानचित्र पर राज्यों का पता लगाना	विभिन्न क्षेत्रों में स्कूल जाने वाले छात्रों को दर्शाने वाले स्थानों के चित्र, पुलों के चित्र, भारत के राजनीतिक और भौतिक मानचित्र	(जानकारी) शिक्षक विद्यार्थियों को बताएंगे कि वे घर से स्कूल कैसे आते हैं। चर्चा उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले परिवहन के साधन पर केंद्रित होगी। उन्हें याद करने दें कि जब वे स्कूल आते हैं तो वे क्या देखते हैं। (विस्तार और गतिविधि) उनके अनुभवों से जुड़ते हुए, शिक्षक उन्हें विभिन्न राज्यों की तस्वीरें दिखाएंगे। अध्याय 'स्कूल जाना' में दर्शाए गए विभिन्न स्कूल जाने के तरीकों से विद्यार्थियों को परिचित करा जाएगा। विद्यार्थी चित्रों का अवलोकन करेंगे और अपने प्रेक्षणों को नोट करेंगे।	• विद्यार्थी राज्यों में प्रकृति और भिन्नता की सराहना करेंगे। • वे मानचित्र पर एक राज्य का पता लगाएंगे और उसे चिह्नित करेंगे। • वे जानवरों के प्रति संवेदनशील हो जाएंगे। • वे समूह कार्य की सराहना करेंगे और एक साथ काम करना सीखेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थीयों को याद करने दें और पता करें कि वे बारिश के दौरान पानी से भरी सड़क से कैसे गुज़रते हैं। प्रतिक्रियाओं के आधार पर पुलों का विचार पेश किया जाएगा। विद्यार्थी सड़क पार करने के लिए ईंटों या लकड़ी के तख्तों को रखने का जवाब दे सकते हैं। चित्रों को फिर से दिखाकर उन्हें राज्य की विभिन्न भौतिक विशेषताओं, मानचित्र में उनके स्थान के बारे में सोचने दें।	
परियोजना कार्य	स्थानों का पता लगाने के लिए पुलों, यात्रा वृत्तांतों के मॉडल, आईसीटी	विद्यार्थी स्वयं को 5 के समूह में बाँटेंगे और पाठ में दिए गए एक राज्य को चुनेंगे। प्रत्येक समूह को परियोजना कार्य दिया जाएगा जिसमें वे उस राज्य की भौतिक विशेषताओं, उस राज्य में उपयोग किए जाने वाले परिवहन के साधनों, मानचित्र पर उसके स्थान का पता लगाएंगे। वे जानकारी खोजने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर सकते हैं। एक समूह को राज्य देने की वरीयता उस राज्य (यदि कोई हो) से संबंधित होने के आधार पर दी जा सकती है। छात्रों को पीपीटी के माध्यम से अपनी परियोजना प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उनसे उस राज्य का यात्रा वृत्तांत तैयार करने की भी अपेक्षा की जाएगी जिसमें स्मारक, भोजन, घूमने के स्थान, उस विशेष राज्य की प्रसिद्ध चीजें शामिल हों।	• विद्यार्थी कला को एकीकृत करेंगे और यात्रा वृत्तांत तैयार करेंगे। • वे सहयोगात्मक कार्य की सराहना करेंगे। • वे सूचना को उजागर करने के लिए आईसीटी का उपयोग करेंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		विद्यार्थीयों को संदर्भित करने के लिए शिक्षक कक्षा में भारत का राजनीतिक और भौतिक मानचित्र लटका सकते हैं। शिक्षक उन्हें मानचित्र कुंजी को पहचानने, पढ़ने और लागू करने में सुविधा प्रदान करेंगे। शिक्षक यात्रा वृत्तांत, सहयोगात्मक कार्य, प्रस्तुति के आधार पर छात्रों का मूल्यांकन कर सकते हैं।	
पुलों के प्रकार	पुलों के मॉडल	(विस्तार और व्याख्या) परियोजना प्रस्तुतियों से शिक्षक क्षेत्रों की भौतिक विशेषताओं के आधार पर बनने वाले पुलों के प्रकारों पर चर्चा करेंगे। विभिन्न क्षेत्रों में पुलों को लेकर भी चर्चा होगी। अध्याय 'स्कूल जाना' संदर्भित किया जाएगा। विद्यार्थी समूहों में पुलों के मॉडल तैयार करेंगे और उनकी विशेषताओं का पता लगाएंगे। उसके बाद प्रदर्शनी की योजना बनाई जा सकती है। विद्याथियों अपने राज्यों की पारंपरिक पोशाक पहन सकते हैं और राज्य के बारे में विभिन्न जानकारी प्रस्तुत कर सकते हैं, जैसे भोजन (नमूना रखा जा सकता है), लघुचित्र / घूमने के स्थानों के चित्र, राज्य का नृत्य, राज्य का त्योहार, क्षेत्रीय भाषा और क्षेत्रीय गीत चार्ट पर लिखा या गाया जा सकता है। यात्रा वृतांत, पुलों के मॉडल भी प्रदर्शनी का हिस्सा बन सकते हैं। (जानकारी और गतिविधि)	• विद्यार्थी समूहों में काम करेंगे • वे दूसरों की राय को महत्त्व देंगे। • वे जानवरों के प्रति संवेदनशील होंगे।

अवधारणा	शिक्षण-अधिगम संसाधन	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया	अपेक्षित अधिगम परिणाम
		केवल प्रस्तुतीकरण से चयन करते हुए, शिक्षक विद्याथियों का ध्यान परिवहन के लिए जानवरों के उपयोग की ओर आकर्षित करेंगे। ऐतिहासिक समय के साथ संबंध बनाए जा सकते हैं। विद्याथियों को यह सोचने दें कि क्या आज के समय में परिवहन के लिए जानवरों का उपयोग करना बुद्धिमानी और उचित है।	

शिक्षकों के लिए सुझाव: शिक्षक विद्यार्थियों को किसी एक भारतीय कला को आज़माने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं। शिक्षक उन्हें डायरी लिखने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

अधिगम विस्तार: विद्यार्थी पालतू जानवरों की मदद कर सकते हैं। वे पर्यावरण के अनुकूल ईंधन के सही उपयोग के बारे में समुदाय में जागरूकता फैला सकते हैं। इसके लिए वे नुक्कड़ नाटक का आयोजन कर सकते हैं। और समुदाय के लिए अपना हस्तनिर्मित समाचार पत्र प्रकाशित कर सकते हैं।

टिप्पणी